■ वर्ष-23 ■ अंक-234
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ गुरुवार ■ 26 मार्च 2026

चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

महागौरी मैया

**या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
श्वेत वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बर धरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।**

श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णतः गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। माँ महागौरीकी आराधना से किसी प्रकार के रूप और मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। उजले वस्त्र धारण किये हुए महादेव को आनंद देवे वाली शुद्धता मूर्ती देवी महागौरी मंगलदायिनी हों।

गुजरात में यूसीसी बिल हुआ पास

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल को लंबी चर्चा के बाद बहुमत से पारित कर दिया गया। इसके साथ ही गुजरात, उत्तराखंड के बाद देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां यह महत्वपूर्ण और व्यापक प्रभाव वाला कानून पारित हुआ है। यह बिल मंगलवार दोपहर 3 बजे विधानसभा में पेश किया गया था, जिसके बाद करीब साढ़े सात घंटे तक इस पर गहन चर्चा चली। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखे तर्क-वितर्क देखने को मिले। अंततः रात 10.37 बजे इसे बहुमत से पारित घोषित किया गया।

विधानसभा में ऐतिहासिक फैसला, देश का दूसरा राज्य बना

मतदान के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने विरोध जताते हुए सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बिल पर विस्तृत जवाब देते हुए कहा कि यूसीसी लागू करने के मामले में गुजरात का दूसरा राज्य बनना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह कानून जाति और धर्म से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी नागरिकों की धार्मिक आस्थाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इस कानून में महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में समान भागीदारी देने की व्यवस्था की गई है। वहीं, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि न कोई कानून से ऊपर है, न कोई नागरिक नीचे।

ट्रांसजेंडर की सुरक्षा और अधिकारों में बदलाव से जुड़ा विधेयक लोकसभा से हुआ पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने ट्रांसजेंडर की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने विधेयक पर हुई चर्चा पर जवाब देते हुए कहा कि विधेयक का उद्देश्य उन लोगों को सुरक्षा देना है, जिन्हें बायोलाजिकल समस्याओं की वजह से बायकाट का सामना करना पड़ता है। इस बदलाव से यह पक्का होगा कि ट्रांसजेंडरों को कानूनी पहचान और सुरक्षा दोनों ही मिलती रहेगी। ट्रांसजेंडर के अधिकारों के संरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक-2026 पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस विधेयक से ट्रांसजेंडर के अधिकारों को प्रभावित करने वाले लोगों को अब अधिकतम 14 साल की जेल की सजा प्रविधान किया गया है। जबकि, 2019 के कानून में ऐसे मामलों में अधिकतम दो साल की सजा का प्रावधान किया गया था। इस दौरान संशोधन विधेयक का विपक्ष ने विरोध किया। साथ ही संसद की स्थाई समिति के पास भेजने की मांग की। विपक्ष का कहना था कि सरकार इस विधेयक के जरिये ट्रांसजेंडर को स्वयं की पहचान तय करने के दिए गए अधिकार को छीन रही है। विपक्ष ने इस विधेयक को प्रवर समिति को भेजने की मांग की है। गौरतलब है कि राज्यसभा से इस विधेयक के पारित होने के बाद यह कानूनी रूप ले लेगा। ये होंगे प्रमुख बदलाव-विधेयक ट्रांसजेंडर शब्द की परिभाषा को संशोधित करता है। इसमें अब जैविक या शारीरिक लक्षणों या विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान (जैसे किन्नर, हिजड़ा) वाले व्यक्तियों को ही शामिल करने का प्रस्ताव है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए आरोप

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इस विधेयक के जरिये भाजपा नेतृत्व वाली सरकार पर अपने संकीर्ण विचारों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ट्रांसजेंडर समुदायों का सम्मान करने के देश के समृद्ध इतिहास को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक स्पष्ट रूप से ट्रांसजेंडर वर्ग के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर एक खुला हमला है। लोकसभा में इस विधेयक पर चर्चा से पहले मंगलवार को ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधियों से संसद भवन में मुलाकात के बाद नेता विपक्ष ने एक्स पर बयान जारी कर इसका विरोध किया। ट्रांसजेंडर प्रतिनिधियों संग हुई इस बातचीत के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद थीं।

शिवराज सिंह और नितिन नवीन ने भी दी शुभकामनाएं

डॉ. यादव के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने दी शुभकामनाएं

समय जगत, भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 25 मार्च को उनके 61वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई नवाचार किए हैं। वे मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई अनेक पहलों में सबसे आगे हैं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ। उन्होंने ईश्वर से उनके स्वस्थ और लंबे जीवन की प्रार्थना की। गृह मंत्री अमित शाह ने भी बाबा महाकाल से उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना की। मोदी जी के मार्गदर्शन एवं आपके नेतृत्व में प्रदेश विकास और जनकल्याण के नए आयाम छू रहा है। प्रभु महाकाल आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें।सीएम योगी आदित्यनाथ समेत अन्य कई केंद्रीय और प्रदेश स्तर के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी को जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। ईश्वर से आपके स्वस्थ, सुदीर्घ और प्रफुल्लित जीवन की कामना करता हूँ। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सीएम मोहन यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन की आत्मीय बधाई देते हुए बाबा महाकाल से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की प्रार्थना की। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सीएम मोहन यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह, केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जनसेवा को समर्पित, ऊर्जावान नेतृत्व के धनी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम मोहन यादव को जन्मदिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रभु बद्री विशाल से आपके सुखद, आरोग्यपूर्ण एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं। यूपी के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री निवास में होगी बहनों की पंचायत : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके जन्म दिवस 25 मार्च को प्रातः बहनों की पाती-भैया के नाम लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंची बहनों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभिव्यक्ति ÷बहनों की पाती-भैया के नाम÷ एक आत्मीय पहल है। बहनों का आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। प्रदेश की बहनों ने अपने मन के भाव, अनुभव और सुझाव पाती के माध्यम से व्यक्त किए हैं। बहनों ने अपने भैया के प्रति विश्वास, स्नेह और सम्मान को शब्दों में पिरोया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के स्वाभिमान और सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास में जल्द ही बहनों से संवाद के लिए विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश में गरीब, युवा, नारी और किसान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रदेश में बहनों के कल्याण का कार्य मिशन मोड में चल रहा है। राज्य सरकार ने नारी सशक्तिकरण के लिए एक लाख करोड़ रूपए से अधिक के बजट का प्रावधान किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अब हमारी बहनें कारखानों और उद्योगों में भी नेतृत्व कर रही हैं। राज्य सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है।

रूस-चीन की तकनीक से मिली ताकत

ईरान ने दागी डिएगो गार्सिया पर बलिस्टिक मिसाइलें

तेहरान। ईरान ने शुक्रवार को दुनिया को एक नई तरह की जंग की झलक दिखाई। ऐसी जंग जिसमें सिर्फ मिसाइलें ही नहीं, बल्कि सैटलाइट और एआई भी बराबरी से शामिल रहा। ईरान ने करीब 3800 किमी दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर लंबी दूरी की बलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि ये मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस घटना ने डिफेंस सेक्टर में हलचल मचा दी है। रूस के मिसाइल लॉन्च सिस्टम, चीन के सैटलाइट, एआई सर्विलांस और ईरान के मिसाइल सिस्टम का ऐसा गठजोड़ दिखा कि पश्चिमी देश टेंशन में आ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे फोन में गूगल मैप्स काम करता है और हमें रास्ता दिखाता है, उसी तरह दुनिया भर के देशों के पास अपने सैटलाइट नेविगेशन सिस्टम हैं। अमेरिका के पास जीपीएस है, रूस के पास ग्लोनास और यूरोप के पास गेल्लियो है। इसी तरह चीन का अपना सिस्टम ब्याडियो है। अब फर्क यह है कि जीपीएस पर अमेरिका का कंट्रोल होता है यानी अगर युद्ध की स्थिति हो, तो अमेरिका दुश्मन देश के जीपीएसस सिग्नल को कमजोर या बंद कर सकता है। इसे जैमिंग या स्पूफिंग कहा जाता है। यहीं से कहानी में ट्विस्ट आता है। पिछले कुछ साल में ईरान को यह समझ आ गया कि अगर वह जीपीएस पर निर्भर रहेगा, तो युद्ध के समय उसकी मिसाइलें भटक सकती हैं। इसलिए उसने धीरे-धीरे चीन के ब्याडियो सिस्टम का इस्तेमाल किया। ब्याडियो का फायदा यह है कि इसके मिलिट्री सिग्नल ज्यादा सुरक्षित होते हैं और इन्हें जाम करना आसान नहीं होता। मिसाइल को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रास्ता चाहिए होता है, ठीक वैसे ही जैसे आपको किसी नई जगह जाने के लिए गूगल मैप की जरूरत होती है। पहले मिसाइलें सिर्फ इनर्शियल सिस्टम यानी अंदर लगे सेंसर के भरोसे चलती थीं, लेकिन यह सिस्टम थोड़ी बहुत गलती कर सकता है। जब इसमें ब्याडियो जैसा सैटलाइट सिस्टम जुड़ जाता है, तो मिसाइल को लगातार अपडेट मिलता रहता है कि सही रास्ते पर हैं या नहीं। इससे किसी भी मिसाइल की सटीकता बढ़ जाती है। ईरान की मिसाइलें इसी वजह से सटीक लोकेशन पर हमला कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक गलती सिर्फ 1 मीटर से कम। जीपीएस के सिविलियन वर्जन में 5-10 मीटर है। मिलिट्री सिग्नल में फ्रीक्वेंसी हॉपिंग और ऑथेंटिकेशन है यानी इसके सिग्नल को आसानी से नहीं रोका जा सकता। मिसाइल उड़ते समय भी 2000 किमी दूर से कमांड भेज सकते हैं यानी रास्ता बदल सकते हैं। एक्सपर्ट्स का दावा है कि ब्याडियो खुद एआई पर नहीं चलता, लेकिन ईरान की मिसाइल में जो रिसीवर होता है, उसमें एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक रिपोर्ट में फ्रेंच इंटेलिजेंस के पूर्व डायरेक्टर अलैन जुइलेट ने कहा कि ईरान की मिसाइलें अब पहले से ज्यादा सटीक हैं। जीपीएस की जगह चाइनीज सिस्टम इस्तेमाल करने से यह हो रहा है। चीन के ब्याडियो में करीब 45 सैटलाइट्स हैं, जो खाड़ी देशों और हिंद महासागर में अच्छा कवरेज देते हैं। जुइलेट के मुताबिक युद्ध के दौरान दुश्मन देश कोशिश करता है कि सैटलाइट सिग्नल को खराब कर दिया जाए।

जांच टीम आज बुड़वा स्कूल पहुंचकर करेगी गड़बड़ियों की गहन जांच

- धीरेन्द्र द्विवेदी द्वारा की गई शिकायत के आधार पर प्रशासन- शिक्षा विभाग ने लिया त्वरित संज्ञान
- अपर कलेक्टर सरोधन सिंह के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी ने किया जांच दल का गठन, जेडी ने भी बनाई टीम
- समस्या के शीघ्र निराकरण की है उम्मीद, मामले पर शहडोल कमिश्नर सहित सभी अधिकारियों की है नजर

समय जगत, भोपाल। शहडोल जिले के ब्योहारी क्षेत्रांतर्गत संचालित पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा में वर्ग 1 रसायन शास्त्र के पद पर पदस्थ रहे वरिष्ठ अतिथि शिक्षक धीरेन्द्र द्विवेदी द्वारा उनका नाम अतिथि शिक्षक पोर्टल से हटाये जाने के खिलाफ उनके द्वारा की गई शिकायत पर प्रशासन द्वारा तगड़ा संज्ञान लिया गया है। सूत्रों ने बताया है कि शहडोल अपर कलेक्टर सरोधन सिंह के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा त्वरित ढंग से जांच कमेटी का गठन कर शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा जताई गई है। दो सदस्यीय जांच कमेटी का नेतृत्व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड्डा के प्राचार्य शशिकांत शर्मा कर रहे हैं जबकि कमेटी के दूसरे सदस्य वरिष्ठ शिक्षक संजय सिंह हैं। बताया गया है कि जांच टीम आज 26 मार्च गुरुवार को पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा पहुंचेगी तथा यहां अतिथि शिक्षक पोर्टल से नाम हटाने तथा धीरेन्द्र द्विवेदी द्वारा की गई शिकायत में उल्लेखित अन्य गड़बड़ियों से जुड़े दस्तावेजों को टीम द्वारा अपने कब्जे में लिया जायेगा।

बताया गया है कि वरिष्ठ अतिथि शिक्षक धीरेन्द्र द्विवेदी ने उनका नाम दुर्भावनावश गैर कानूनी तरीके से अतिथि शिक्षक पोर्टल से हटाने, इस स्कूल के शिक्षक कमलेश बैस, भुवनेश्वर बैस एवं द्वारिका सोनी के गलत कृत्यों- कारनामों, शिक्षक भुनेश्वर बैस द्वारा पात्रता नहीं होने के बावजूद पदोन्नति (उच्च पद का प्रभार) पाने सहित गंभीर शिकायतें शहडोल कमिश्नर सुरभि गुप्ता, आयुक्त लोक शिक्षण भोपाल, शहडोल अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, ब्योहारी एसडीएम भागीरथी लहरे, संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश धुर्वे तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्री मृगलानी आदि से लिखित में की थी। जिस पर शहडोल कमिश्नर द्वारा धीरेन्द्र द्विवेदी को त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है। वहीं संयुक्त संचालक उमेश धुर्वे द्वारा धीरेन्द्र द्विवेदी से फोन पर बात की गई है तथा संयुक्त संचालक श्री धुर्वे ने बुड़वा स्कूल के सभी जिम्मेदारों को संपूर्ण दस्तावेजों सहित शीघ्र तलब करने का आश्वासन दिया है। वहीं बताया गया है कि संयुक्त संचालक जेडी श्री धुर्वे ने भी तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन कर दिया है।

जिसमें शशिकांत शर्मा, पपड़री स्कूल के प्राचार्य आनंदराम कंवर एवं एक महिला शिक्षक शामिल हैं। वहीं अपर कलेक्टर सरोधन सिंह के संवेदनशील निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री मृगलानी ने जांच कमेटी का त्वरित ढंग से गठन कर पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुड़वा में गलत कारनामों में लिप्त जिम्मेदारों पर शिकंजा कसने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

समय जगत इम्पेक्ट ***

संभावना जताई जा रही है कि इस संपूर्ण त्वरित एवं संवेदनशील प्रशासनिक कवायद से धीरेन्द्र द्विवेदी को शीघ्र न्याय मिलेगा तथा उनका नाम अतिथि शिक्षक पोर्टल से हटाने व बुड़वा स्कूल में अन्य गड़बड़ियां करने वाले गुनाहगारों पर गाज गिरेगी व उन पर शिकंजा कसेगा।

समय जगत ने इस मामले को पिछले दिनों पुरजोर ढंग से उठाया था, प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की तत्परता से अब इस मामले के शीघ्र निराकरण की उम्मीद है।

इनका कहना है

इस मामले की जांच करने हम 26 मार्च को जाएंगे, इस प्रकरण का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

■ **शशिकांत शर्मा,** जांच अधिकारी एवं प्राचार्य शाउमावि खड्डा (ब्यौहारी)

पश्चिम एशिया तनाव | **भारत आने में लगेंगे दो दिन, पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय ने दी जानकारी**

रसोई गैस से लदे दो जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट किया पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट पार कर एलपीजी (रसोई गैस) से लदे दो भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये जहाज शुक्रवार तक देश के बंदरगाहों पर पहुंच जाएंगे। इन जहाजों में करीब 93 हजार टन एलपीजी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि इससे एलपीजी की आपूर्ति को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। पश्चिम एशिया विवाद के मद्देजनर हाल ही में भारत ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से जो एलपीजी जहाज खरीदे हैं, वह भी अगले सात से 10 दिनों के भीतर भारतीय तटों पर पहुंचेंगे। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस कॉफ्रेंस में बताया कि 47,600 टन एलपीजी से लदा जहाज जग वसंत 26 मार्च यानी गुरुवार शाम तक कांडला बंदरगाह पहुंचेगा जबकि 45,000 टन एलपीजी से लदा पाइन गैस जहाज 27 मार्च यानी शुक्रवार सुबह मंगलौर बंदरगाह पर पहुंचेगा। इन दोनों जहाजों ने होर्मुज से निकलते समय ईरानी तट के करीब से नया रूट अपनाया था और भारतीय नौसेना की निगरानी में सुरक्षित निकले। जग वसंत पर 33 और पाइन गैस पर 27 भारतीय नाविक सवार हैं। शर्मा ने स्पष्ट किया- एलपीजी की स्थिति चिंताजनक जरूर है लेकिन घरेलू उत्पादन बढ़ा दिया गया है। पेट्रोकेमिकल्स और अन्य उत्पादों का उत्पादन रोककर रिफाइनरियों को एलपीजी पर ध्यान केंद्रित करने के आदेश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि सभी रिफाइनरियां वर्तमान में उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त है। हमारे पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टाक है। भारत में औसतन रोजाना 80 हजार से 90 हजार टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें से सामान्य तौर पर 55-60 प्रतिशत (करीब 55 हजार टन) आयात से आती है, जबकि बाकी घरेलू उत्पादन से। हालांकि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आयात प्रभावित होने पर सरकार ने आठ मार्च को आपातकालीन आदेश जारी कर सभी रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने का निर्देश दिया था। उसके बाद से घरेलू उत्पादन में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। अब रोजाना घरेलू उत्पादन 48 हजार टन से ज्यादा हो गया है, जो पहले करीब 35 हजार टन था। पूरी बढ़ी हुई मात्रा घरेलू उपभोक्ताओं (यानी रसोई गैस सिलेंडर) के लिए ही जा रही है।इन दो जहाजों से आने वाली एलपीजी लगभग एक दिन की पूरी खपत के बराबर है। यह स्टाक सीधे रिफाइनरियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स तक पहुंचेगा, जिससे बाजार में दबाव कम होगा। साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी (होटल, रेस्टोरेंट आदि) की आपूर्ति भी धीरे-धीरे बहाल की जा रही है। सरकार ने पहले वाणिज्यिक उपयोग पर रोक लगाई थी, अब उसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया गया है।

शर्मा ने अफवाहों पर रोक लगाते हुए कहा- कोई पेट्रोल पंप बंद नहीं है। पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं। आम जनता घबराकर सिलेंडर बुकिंग न करे। होर्डिंग यानी जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग पर नजर रखी जा रही है। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में अभी भी 20 भारतीय जहाज फंसे हैं, जिनमें 540 नाविक हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा त्वरित ध्यान देने की है दरकार

करोड़ों की जमीन के मामले में हो गया खेल

राहुल जैन-समय जगत पोहरी। शिवपुरी जिले की पोहरी तहसील के ग्राम जाखनौद में सामने आए रजिस्ट्री के सनसनीखेज मामले ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं। डिजिटल पारदर्शिता और तेजी के उद्देश्य से शुरू की गई साइबर तहसील प्रक्रिया को ही ठगों ने अपना हथियार बना लिया और नकली दस्तावेजों के जरिए करोड़ों की कृषि भूमि हथिया ली। जानकारी के अनुसार, गांव के ही मुकेश आदिवासी ने कथित रूप से अपने पिता का नाम बदलकर खुद को भूमि का वैध मालिक दर्शाया। इसके बाद सुभरन आदिवासी, रवि धाकड़ और मनोज धाकड़ के साथ मिलकर एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया। आरोप है कि 25 सितंबर 2025 को सर्वे नंबर 206, रकबा 1.62 हेक्टेयर भूमि का कूटरचित विक्रय पत्र तैयार कराया गया, जिसमें भूमि को मात्र 12 लाख रुपये में बेचने का उल्लेख किया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इसके बाद 28 अक्टूबर 2025 को साइबर तहसील के माध्यम से नामांतरण का आदेश भी हासिल कर लिया गया।

सब-रजिस्ट्रार कार्यालय पर सवाल: इस पूरे मामले में सबसे बड़ी लापरवाही या संभावित मिलीभगत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की भूमिका

पर दिखाई दे रही है। बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के संदिग्ध दस्तावेजों का पंजीयन होना बेहद गंभीर मामला है। बताया जा रहा है कि दस्तावेजों में लगे फोटो और हस्ताक्षर तक संदिग्ध हैं, इसके बावजूद रजिस्ट्री होना जांच व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करता है।

पहले भी उठ चुके हैं सवाल: गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है। कुछ माह पूर्व भी पोहरी क्षेत्र में इसी तरह की फर्जी रजिस्ट्री का मामला सामने आया था, लेकिन जांच के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई। ठोस कार्रवाई के अभाव में अब ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति होना प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

स्थिति गंभीर, आगे बिक्री की तैयारी: संदेहास्पद विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण कराने के बाद अब संबंधित भूमि को आगे बेचने की कोशिश की खबरें सामने आ रही हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो वास्तविक हकदार के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो सकता है। पूरे मामले में प्रशासन की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल बनकर उभर रही है। आखिर बिना ठोस सत्यापन के इस तरह की रजिस्ट्री और नामांतरण कैसे संभव हो रहे हैं? क्या यह महज लापरवाही है या फिर एक सुनियोजित गठजोड़।

न्याय की गुहार: पीड़ित पक्ष ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रशासन से मांग की है कि संबंधित भूमि पर किसी भी नए विक्रय पत्र के निष्पादन पर तत्काल रोक लगाई जाए और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।यह मामला न केवल एक व्यक्ति की जमीन से जुड़ा है, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है।

इनका कहना है

मेरी जमीन को कुछ लोगों ने हड़पने का प्रयास किया है, मेने प्रशासन से निष्पक्ष जांच करने की मांग की है, मेने प्रशासन से मांग की है कि जिन लोगों ने भी मेरे साथ ऐसा काम किया है, उन लोगों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए, थाने में एफआईआर की जाए।

मुकेश आदीवासी, शिकायत कर्ता

मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैं दिखवा लेता हूं, यदि फर्जी तरीके से रजिस्ट्री हुई है तो मामले की जांच करवाकर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

अनुपम शर्मा, एसडीएम

बिना बिल के शराब बेच रहे ठेकेदार, कोई हादसा हुआ तो कौन होगा जिम्मेदार ?

आबकारी विभाग की कार्य प्रणाली पर उठे सवाल

समय जगत, पोहरी। नगर के बस स्टैंड के सामने मुख्य मार्ग पर संचालित शराब दुकान इन दिनों विवादों में घिरती नजर आ रही है। आरोप है कि यहां खुलेआम बिना बिल के शराब बेची जा रही है, जिससे न केवल शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जब इस संबंध में दुकान पर मौजूद सेल्समैन से बात की गई तो उसने साफ तौर पर कहा कि यहां बिल नहीं मिलता, यहां सरकार के नही हमारे अपने नियम चलते हैं। यह बयान न केवल नियमों की अवहेलना का पर्याय है, बल्कि आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। बस स्टैंड जैसे व्यस्त स्थान पर स्थित इस दुकान के कारण हालात और भी गंभीर बनते जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बड़ी संख्या में लोग यहां शराब खरीदकर वहीं सेवन करने लगते हैं, जिससे कई बार नशे में धुत लोग सड़क पर पड़े रहते हैं। यह दृश्य न केवल यात्रियों के लिए असुविधा का कारण बनता है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बस स्टैंड पर प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में नशे में धुत लोगों द्वारा यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की घटनाएं भी सामने आ रही हैं, जिससे विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना बिल के शराब बिक्री होने से किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में यह पता लगाना मुश्किल हो जाएगा कि संबंधित व्यक्ति ने शराब कहां से खरीदी थी। इससे जिम्मेदारी तय करने में भी दिक्कतें आ सकती हैं।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग: नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही शराब दुकान पर नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि बस स्टैंड क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे और आमजन को राहत मिल सके।

इनका कहना है

मैंने दुकान से एक क्वाटर लिया, बिल मांगा तो बिल नही दिया गया मुझसे सेल्समैन बोला यहां बिल नहीं मिलता, यहां सरकार के नही हमारे अपने नियम चलते हैं।

मनोहर शर्मा, ग्राहक

आपके द्वारा यह मामला संज्ञान में आया है। मैं दिखवा लेता हूं।

राहुल गुप्ता, आबकारी विभाग

संक्षिप्त समाचार

जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा एक ज्ञापन

समय जगत, इटारसी । जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय बाबू चौधरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन स्थानीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निलेश शर्मा को सौंपा गया। सोफे ज्ञापन में कहा गया कि सोसायटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च से आगे बढ़ाएं, ताकि किसान बिना ब्याज के चुका सकें। अमेरिकी सोयाबीन आयात पर टैक्स राहत रोकें—स्थानीय किसानों को नुकसान से बचाएं। गेहूं खरीद 4000 रु. क्विंटल की दर से करवाएं, लागत बढ़ने के कारण। बिजली विभाग द्वारा बिना जांच के किसानों पर चोरी के केस और गांवों की कटौती रोकें। ज्ञापन के अवसर पर प्रमुख रूप से राजकुमार केलु उपाध्याय महासचिव मप्र कांग्रेस कमेटी, हेमू कश्यप जिलाध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, पूर्व नपा अध्यक्ष नीलम गांधी, अशोक जैन, चंद्रकांत बहारे, राकेश मालवीय सोनतलाई, अजय अहिरवार, आकाश, एड. नरेंद्र महालहा, एड.आनंद मेहतो, कुशराम, गुमान माडले, अतुल मेहतो, भरत चौरे आमेर पटेल, प्रेम चौरे लक्की भदौरिया दिनेश आदि उपस्थित थे।

सेजकर बने अनुसूचित जाति मोर्चा हरदा के जिला अध्यक्ष

समय जगत, खिरकिया। जिला पंचायत सदस्य सभापति निर्माण समिति हरदा कमलेश सेजकर एडवोकेट को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से अनुसूचित जाति मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार के द्वारा अनुसूचित जाति मोर्चा हरदा का जिला अध्यक्ष पद नियुक्त किया गया। उनकी नियुक्ति पर पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल द्वारा स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की साथ ही भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री बसंत राजपूत, राजेश गोदारा मनीष निषोद जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, नगर पालिका अध्यक्ष हरदा भारती कमोडिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत, जिला पंचायत सदस्य ललित पटेल, जिला पंचायत सदस्य कविता सुमित शर्मा जिला पंचायत सदस्य जयश्री लीलाधर बांके, सहित जिला पंचायत के सभी जनप्रतिनिधि गण, भारतीय जनता पार्टी के चारूवा मंडल अध्यक्ष विजय सिंह राजपूत, हरदा मंडल अध्यक्ष नितेश वादर, खिरकिया मंडल अध्यक्ष संजू यादव सिराजी मंडल अध्यक्ष अनिल राजपूत, सहित भारतीय जनता पार्टी के चेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी जनप्रतिनिधिगण सभी ने बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कालीसिंध की सफाई: जल गंगा संवर्धन अभियान में सारंगपुर बना जनजागरण का केंद्र

समय जगत, सारंगपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशन में संचालित (जल गंगा संवर्धन अभियान) के अंतर्गत सारंगपुर में कालीसिंध नदी एवं उसके घाटों पर व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनभागीदारी के उत्साह और जल संरक्षण के प्रति जागरुकता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। अभियान में सारंगपुर विधायक एवं राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेटवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अमला और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति रही। एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह, हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष डॉ. ध्रुव भल्ला सहित अन्य अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान कपिल मुनि के पावन धाम एवं माँ कालीसिंध के तट पर श्रमदान कर नदी और घाटों की साफ-सफाई की गई। बड़ी

संख्या में उपस्थित लोगों ने स्वयं हाथों में सफाई उपकरण लेकर नदी किनारे जमा गंदगी को हटाया और स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान नदी तट पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जल संचय को लेकर जागरूकता का माहौल बना रहा। मुख्य अतिथि डॉ. गौतम टेटवाल ने अपने संबोधन में कहा कि जल शक्ति से नव भक्ति और सुरक्षित जल-समृद्ध कल केवल नारे नहीं, बल्कि समाज के लिए दिशा देने वाले संदेश हैं। उन्होंने कहा कि जल संकट आने वाले समय की सबसे बड़ी चुनौती है और इससे निपटने के लिए अभी से सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाएं और जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि नदियों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही भू-जल स्तर में सुधार और जल संचय को बढ़ावा देना भी इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर इसे विशेष रूप से जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाया गया। नगर पालिका परिषद सारंगपुर के अधिकारी-कर्मचारी, जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता, गौ सेवा समिति, विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्कूल और कॉलेज के शिक्षक-छात्र तथा बड़ी संख्या में नगरवासी इस अभियान का हिस्सा बने। अभियान के अंत में नगर पालिका सीएमओ दीपक रानवे ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग के बिना इस प्रकार के अभियान सफल नहीं हो सकते। उन्होंने आशा जताई कि यह पहल भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी और शहर के अन्य जल स्रोतों को भी इससे लाभ मिलेगा। समापन अवसर पर राज्यमंत्री डॉ. टेटवाल ने उपस्थित नागरिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि इसी तरह जनभागीदारी बनी रही तो सारंगपुर न केवल स्वच्छता बल्कि जल संरक्षण के क्षेत्र में भी प्रदेश में एक आदर्श उदाहरण स्थापित करेगा। सारंगपुर में आयोजित यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, बल्कि इसने यह भी सिद्ध किया कि जब प्रशासन और जनता मिलकर कार्य करते हैं, तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना संभव हो जाता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से कालीसिंध नदी की स्वच्छता के साथ-साथ समाज में जल संरक्षण के प्रति एक नई चेतना का संचार हुआ है।

आरजीपीवी में कैंटीन का टेंडर किया गया निरस्त

समय जगत, भोपाल। भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एबीवीपी ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर कुलपति कार्यालय का घेराव किया और 4 घंटे से अधिक समय तक जोरदार प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, 7 दिन पूर्व विद्यार्थी परिषद द्वारा यूआईटी डायरेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कैंटीन में छात्र की थाली में छिपकली निकलने जैसी गंभीर घटना पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी। निर्धारित समय सीमा के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे बाद विद्यार्थी परिषद को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने कैंटीन की खराब गुणवत्ता, हॉस्टल में भोजन व्यवस्था की अव्यवस्था, पीने के पानी की किल्लत, सुरक्षा व्यवस्था में कमी, यूटीडी परीक्षाओं में 6 माह से अधिक की देरी तथा डिग्री वितरण में लंबे समय से हो रहे विलंब जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब कुलपति विद्यार्थियों से संवाद करने के बजाय वहां से निकलने का प्रयास करते हुए चले गए। इसके विरोध में आक्रोशित विद्यार्थियों ने कुलपति की गाड़ी के सामने बैठकर उन्हें रोक लिया और बातचीत की मांग की। आंदोलन के दबाव में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कैंटीन का टेंडर तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। विद्यार्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में 50 प्रतिशत से भी कम शिक्षकों की उपस्थिति रहती है, जिससे शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

गैरतगंज पुलिस की बसों पर बड़ी कार्रवाई

ड्रेस कोड का उल्लंघन करने पर वसूला अर्थदंड

समय जगत, गैरतगंज। क्षेत्र में यात्री बसों के संचालन को लेकर पुलिस प्रशासन ने अब सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। परिवहन विभाग की गाइडलाइंस और नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ स्थानीय पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया, जिसके तहत तीन यात्री बसों पर चालानी कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, भोपाल-सागर-सिलवानी मार्ग पर संचालित हो रही शक्ति ट्रांसपोर्ट और बचकइयां ट्रांसपोर्ट कंपनी की तीन बसों को पुलिस दल ने चेकिंग के लिए रोका। सघन जांच के दौरान पाया गया कि बस के चालक और परिचालक शासन द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड का पालन नहीं कर रहे थे। नियमों के इस उल्लंघन पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए

तीनों बसों पर 500-500 रुपये की चालानी कार्रवाई की। कार्यवाही के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बस स्टाफ और संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में बसों का संचालन केवल शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही किया जाए। पुलिस ने साफ किया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी गाइडलाइंस में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खिलचीपुर में पेट्रोल भरवाने उमड़े लोग

समय जगत, खिलचीपुर। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर नगर में बुधवार को एक पेट्रोल पंप पर अचानक ऐसी स्थिति बन गई, जिसने पूरे इलाके का माहौल बदल दिया। सुबह से ही पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी, जो देखते ही देखते लंबी कतारों में बदल गई। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई, जब कई लोग अपने वाहनों के अलावा कैन और डिब्बों में भी पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंचने लगे। पंप परिसर में अफरा-तफरी जैसे हालात बन गए और आम लोगों को काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, ईंधन की कमी को लेकर अचानक फैली अफवाहों ने इस भीड़ को और बढ़ा दिया। कहीं पेट्रोल खत्म न हो जाए की आशंका में लोग जल्द से जल्द ईंधन लेने के लिए पंप की ओर दौड़ पड़े। भीड़ बढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गया। पुलिसकर्मियों ने लाइन व्यवस्थित करवाई और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। इसी बीच प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

अरुण मित्तल बने जिला राजगढ़ नवयुवक महासभा के युवा जिलाध्यक्ष

समय जगत, पचौर। जिले के सामाजिक एवं युवा संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अरुण मित्तल को जिला राजगढ़ नवयुवक महासभा का युवा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जिला अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष द्वारा अरुण मित्तल के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए अरुण मित्तल का चयन संगठन के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रितेश अग्रवाल सहित जिले भर के अग्रवाल बंधुओं की सहमति एवं अनुशंसा से किया गया। उनके चयन से समाज में उत्साह का माहौल है। अरुण मित्तल के मनोनयन पर सभी इष्ट मित्रों, समाजजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

समाज के विभिन्न वर्गों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में युवा वर्ग को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि अरुण मित्तल पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की युवा सभा के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वे जिला अग्रवाल युवा सभा में जिला उपाध्यक्ष के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं तथा नगर पचोर के अग्रवाल युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनके व्यापक सामाजिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि वे अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए समाज को एकजुट करने और युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

रायसेन-राहतगढ़ सड़क निर्माण की धीमी गति से बढ़ी परेशानी, दुर्घटनाओं की बनी रहती है आशंका

समय जगत, गैरतगंज। रायसेन से राहतगढ़ तक बन रही सड़क के निर्माण कार्य की गति अत्यंत धीमी होने से आमजन और वाहन चालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण सड़क कई स्थानों पर उखड़ी हुई पड़ी है, जिससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और गिट्टी, रेत, मुरम, मिट्टी फैली होने से वाहनों का संतुलन बिगड़ रहा है। दिनभर वाहनों की आवाजाही के चलते चारों ओर धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो

रही है। आसपास के दुकानदारों और रहवासियों का कहना है कि धूल के कारण आंखों में जलन, खांसी और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ गई हैं। पर्यावरण प्रदूषण भी तेजी से फैल रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क निर्माण के नाम पर लंबे समय से खुदाई कर छोड़ दी गई है, लेकिन न तो नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। रात के समय पर्याप्त संकेतक और प्रकाश व्यवस्था न होने से दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। वाहन चालकों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में यात्री वाहन, बसें और मालवाहक वाहन गुजरते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। लोगों ने संबंधित विभाग और ठेकेदार से निर्माण कार्य में तेजी लाने, धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव कराने तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि जनता को जल्द राहत मिल सके।

आवेदनों के निराकरण के दिये निर्देश

समय जगत, रतलाम। कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह एवं एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने आवेदको को सुना एवं आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये। जनसुनवाई में 104 आवेदन प्राप्त हुए। निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही उपस्थित विभागीय अधिकारियों से निराकरण करवाया गया एवं शेष आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में आवेदिका कविता परिहार निवासी ग्राम बोदिना ने आवेदन दिया कि उनके पिता के स्वर्गवास पश्चात अनुकंपा नियक्ति के लिए आवेदन दिया गया, जिसका निराकरण आज दिनांक तक नहीं हो पाया है। कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। आवेदक लक्ष्मी पति गजराज निवासी राजेश्वर नगर ने गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु तहसीलदार रतलाम को निर्देशित किया गया।

आवेदक रामेश्वर धाकड़ निवासी मोयाखेडा तहसील जावरा ने पत्नी की मृत्यु सर्पदंस से हो जाने पर आर्थिक सहायता राषि के संबंध में आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु तहसीलदार जावरा को निर्देशित किया गया। आवेदक गजेन्द्रसिंह निवासी नरसीगपुरा जावरा ने उनके दिमागी रूप से कमजोर पुत्र के ईलाज एवं पढाई के लिए आर्थिक सहायता राशि हेतु आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु उप संचालक सामाजिक न्याय को निर्देशित किया गया। आवेदक मोहनलाल निवासी राजगढ़ नयागांव ने भूमि के सीमांकन हेतु आवेदन दिया कार्यवाही हेतु तहसीलदार रतलाम को निर्देशित किया गया। आवेदिका सोना पति देविलाल निवासी करिया ने गाय की मृत्यु के पश्चात् मिलने वाली बीमा राषि को एग्रीकलचर इन्शोरेन्स कंपनी द्वारा न देने के संबंध में आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु डीडी वेटनरी को निर्देशित किया गया। आवेदक गोविन्द सिहं निवासी टी आई टी रोड रतलाम ने आवेदन दिया कि वह श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में कार्यरत थे तथा उनकी पुत्री भी इसी विद्यालय में अध्ययनरत थी। स्कूल द्वारा आवेदक को जनवरी एवं फरवरी माह का वेतन नहीं दिया गया। वेतन न देने का कारण पुत्री की बकाया फीस बताया गया तथा टीसी मांगने पर स्कूल द्वारा अतिरिक्त राशि मांगने के संबंध में शिकायती आवेदन दिया। कार्यवाही हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। आवेदक गोविंद सिंह सोलंकी, शुभम शर्मा, एन मुरली कृष्णा, गरिमा शर्मा, मितिशा शर्मा ने आवेदन दिया कि वह चेतन्य टेक्नो स्कूल में अध्यापन का कार्य करते थे।

बुढ़गवां के माता मंदिर में अद्भुत आस्था का अलौकिक दृश्य

नुकीली कीलों की सैया पर लेटकर 9 दिन से अखंड ज्योति जगा रहे हैं देवी भक्त कैलाश पटेल

रीवा। बुढ़गवां गांव में नवरात्रि के पावन अवसर पर आस्था और श्रद्धा का ऐसा अद्वितीय स्वरूप सामने आया है, जिसे देखने हजारों की संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं, बैकुण्ठपुर से निकट बुढ़गवां गांव के निवासी देवी भक्त कैलाश पटेल पिता बृजमोहन पटेल, बीते 12 वर्षों से नवरात्रि में माता रानी की भक्ति का ऐसा अनुपम उदाहरण पेश कर रहे हैं जो लोगों को श्रद्धा से भाव-विभोर कर देता है। इस नवरात्रि में भी वे 6500 नुकीली कीलों से निर्मित तख्त पर लगातार 9 दिनों तक निर्जल, निराहार और मौनव्रत धारण किए हुए लेटे हैं। उनके सीने और पेट पर अखंड ज्योति जल रही है, वही माता रानी के दरबार में जवा फुलवारी भी बोई गई है, वे संकल्पपूर्वक पूरे नौ दिनों तक अपने पेट पर अखण्ड ज्योति प्रज्वलित रखते हैं। भक्तों का कहना है कि यह दृश्य साधारण नहीं, बल्कि माता रानी की दिव्य कृपा और अटूट भक्ति का जीवंत प्रमाण है। मंदिर परिसर में सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। बच्चे, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग हर कोई इस अनोखी भक्ति के दर्शन करने पहुंच रहा है। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और देवी गीतों की गूंज से भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है। कैलाश पटेल ने माता रानी की सेवा में मां की जवा फुलवारी भी बोई है, जिसे वे 27 मार्च को नुकीली कीलों की सैया पर ही लेटे-लेटे वाहनों के सहारे प्रयागराज गंगा मैया में विसर्जित करेंगे। कहा जा रहा है कि इस तरह की भक्ति तप भक्त कैलाश पटेल के सपने में माता रानी ने कहा था जब से लगातार नवरात्रि में कठिन तपस्या कर रहे हैं

नवरात्रि के 19 मार्च गुरुवार से शुरू हुई यह अद्भुत साधना आज भी उसी दृढ़ता और भक्ति के साथ जारी है। बिना खाए-पिए, बिना बोले, केवल आस्था और विश्वास के बल पर कैलाश पटेल माता रानी के चरणों में स्वयं को पूर्ण समर्पित किए हुए हैं। बुढ़गवां गांव में इस समय भक्ति, आस्था और चमत्कार का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसे लोग जीवनभर याद रखेंगे।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में धूमधाम से मनाई गई ग्रेजुएशन सेरेमनी

रीवा। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशों के अनुक्रम में समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 5-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्राथमिक शाला में सहज रूप से स्थानांतरित करने तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से दिनांक 24 मार्च 2026 को जिले के समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में ग्रेजुएशन सेरेमनी (विद्यारंभ समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में अध्ययनरत बच्चों को विद्यालयीन शिक्षा के अगले चरण में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करना तथा अभिभावकों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना रहा। इस अवसर पर जिले अंतर्गत संचालित लगभग 2400 आंगनवाड़ी केन्द्रों में उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आंगनवाड़ी केन्द्रों को आकर्षक रूप से सजाया गया तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 5ङ्क6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट भी प्रदर्शित किया गया, जिसे बच्चों, अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्साहपूर्वक देखा गया। इस अवसर पर बच्चों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया तथा उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम को उत्सव का स्वरूप देते हुए बच्चों के लिए खीर-पूड़ी सहित स्वादिष्ट व्यंजन, ग्रीटिंग्स कार्ड तथा अन्य उपहार प्रदान किए गए, जिससे बच्चों में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला। इस दौरान बच्चों द्वारा कविता, गीत एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों की भी प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सराहा गया। जिले में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत 5-6 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 60 प्रतिशत बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

डायवर्सन राशि जमा न करने पर तहसीलदार ने वृंदावन होम्स कॉलोनी को किया सील

3 साल की डायवर्सन राशि करीब 200000 बकाया

विदिशा। बाईपास स्थित वृंदावन होम्स के संचालक द्वारा पिछले 3 साल की डायवर्सन राशि जमा न करने के कारण बुधवार को शहर तहसीलदार और राजस्व विभाग की टीम ने कॉलोनी को सील कर दिया। वहीं रहवासियों के समक्ष कॉलोनी के गेट पर ताला लग जाने से आने-जाने की समस्या खड़ी हो गई है। बुधवार को शहर तहसीलदार और राजस्व विभाग की टीम बाईपास स्थित वृंदावन होम्स कॉलोनी पहुंची। कॉलोनाइजर संदीप तारण द्वारा डायवर्सन की राशि तहसील कार्यालय में करीब तीन वर्षों से जमा नहीं की गई थी। विभाग द्वारा बार-बार नोटिस जारी करने के बावजूद भी कॉलोनाइजर द्वारा राशि जमा नहीं की जा रही थी। जिसके तहत तहसीलदार प्रीति पंथी राजस्व के अन्य कर्मचारियों के साथ बाईपास स्थित वृंदावन होम कॉलोनी पहुंची और तालाबंदी की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि कॉलोनाइजर संदीप तरण द्वारा 3 साल से डायवर्सन की करीब 200000 की राशि जमा नहीं की गई थी। जिसके तहत तालाबंदी की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कई बार नोटिस जारी करने के बावजूद भी राशि जमा नहीं की जा रही थी। बुधवार को कॉलोनी के गेट पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया गया है। राशि जमा करने के बाद कॉलोनी का ताला खोल दिया जाएगा। इस दौरान के कॉलोनी में रह रहे लोगों का कहना था कि कॉलोनी के मुख्य द्वार पर ताला लग जाने के कारण उन्हें आने-जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलोनाइजर की गलती का खामियाजा हम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

चार कॉलोनियों का 4 लाख 75 हजार बकाया: शहर तहसीलदार प्रीति पंथी ने बताया कि कॉलोनाइजर संदीप तारण की चार कॉलोनीयों की डायवर्सन राशि बकाया होने के कारण वृंदावन होम्स कॉलोनी को सील किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सांवरिया सेठ और टीलाखेड़ी स्थित दो कॉलोनियों की करीब 475000 डायवर्सन की राशि जमा न करने के कारण वृंदावन होम्स कॉलोनी को सील किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य कॉलोनियों को भी डायवर्सन की बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। जो कॉलोनाइजर राशि समय पर जमा नहीं करेंगे उनके खिलाफ तालाबंदी की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया है। जिसके तहत मेडिकल स्टोर की भी जांच पड़ताल की गई है।

30 प्रतिशत कटौती को तत्काल वापस ले सरकार : अजय खरे

940 रुपए का गैस सिलेंडर काला बाजार में 1500 तक मिलने की चर्चा

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, मध्य प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ईमेल ज्ञापन भेजकर घरेलू ईंधन गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक आपूर्ति के दामों और बुकिंग समयावधि में वृध्दि और वज़न में 30त्न कटौती की बात को वापस लिए जाने के साथ मध्यप्रदेश के रीवा जिले की ईंधन गैस वितरण व्यवस्था सही कर गैस सिलेंडर की घर-घर आपूर्ति कराने का आग्रह किया है। श्री खरे ने कहा कि ईंधन गैस कंपनियों ने मध्य पूर्व एशिया युद्ध की शुरुआत से ही 14.2 किलोग्राम वाले ईंधन गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपए की वृद्धि कर आम आदमी की अत्यंत महत्वपूर्ण जरूरत पर अनावश्यक बोझ लाद दिया है। इसके अलावा ईंधन गैस सिलेंडर बुकिंग की समयावधि भी 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई। ग्रामीण क्षेत्र में इसे 45 दिन कर दिया गया । इधर पता चला कि सिलेंडर में दी जा रही ईंधन गैस के वजन को 14.2 किलो से घटाकर मात्र 10 किलो किया जा रहा है। खाना पकाने के गैस सिलेंडर की बुकिंग समयावधि में वृध्दि और फिर उसमें भरे जाने वाली गैस के वजन में लगभग 30त्न की कटौती सरासर ग़लत है। उन्होंने कहा कि खाना पकाने वाली गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कटौती भोजन के अधिकार को छीनना है।

श्री खरे ने कहा कि मध्य प्रदेश के संभागीय मुख्यालय रीवा शहर की ईंधन गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी बुरी तरह प्रभावित नजर आ रही है। आईएफ संबंध में मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को ईमेल ज्ञापन भेजकर ध्यान आकर्षित कराया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि घरेलू गैस सिलेंडर के लिए होम डिलीवरी की जगह उपभोक्ताओं को गोदाम जाकर लंबी कतार में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। लेकिन कोई गारंटी नहीं कि बुकिंग के पश्चात लंबी लाइन में खड़ा होने पर भी आपको भरा सिलेंडर मिल जाए। बहुत से लोगों के खाली हाथ लौटने की शिकायतें भी है। लाइन में यदि टोकन सिस्टम होता तो भीड़ भी छटती और अतिरिक्त लोगों का समय बर्बाद नहीं होता। यह बात व्यवस्था पर सवालिया निशान है। बुकिंग क्रमांक के अनुसार लोगों के घरों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति क्यों नहीं की जा रही है। इस दौरान गैस के दामों में भी ?60 की वृद्धि कर दी गई । वैसे भी गैस सिलेंडर लेने के लिए आने जाने का खर्च भी बढ़ गया। भरा गैस सिलेंडर मिलने में कितना समय लग जाए इसकी भी कोई सीमा नहीं है। परंपरागत ईंधन साधनों की जगह बड़े पैमाने पर ईंधन की विदेशी निर्भरता से आत्म निर्भर भारत के दावे खोखले नज़र आ रहे है। उम्र के अंतिम पड़ाव में वरिष्ठ नागरिक इस हालत में नहीं कि वे सिलेंडर लेकर लंबी लाइन का सामना कर सकें। ज्ञापन में इस बात पर ध्यान आकर्षित कराया गया कि लम्बी लाइन में लगने पर जिन लोगों को सिलेंडर मिला है,उनसे होम डिलीवरी का शुल्क भी वसूला जा रहा है। ईंधन गैस का संकट इस कदर है कि खाना पकाने के लिए लोग सिलेंडर की अधिक से अधिक कीमत भी चुकाने के लिए मजबूर हैं।

ईमेल ज्ञापन में इस बात का भी जिक्र किया गया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता जी ने एक अपील में कहा है कि घबराएं नहीं अफवाहों से बचें, घर पर ही मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर। लेकिन अभी तक की जमीनी हकीकत कुछ और है। पेट्रोलियम मंत्रालय के द्वारा देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद होने का दावा करने के बाद भी अराजक हालात निर्मित होना व्यवस्था पर सवाल है। ऐसी स्थिति में सिलेंडरों की कालाबाजारी होने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। श्री खरे ने कहा की शहरी क्षेत्रों में पक्के घर होने की वजह से लकड़ी, बुरादा और कोयला से खाना पकाना मुश्किल है। किरायेदारों के लिए तो और भी मुश्किल है। उन्हें तो मकान मालिक के द्वारा धुएं के नाम पर घर खाली करने के लिए भी कहा जा सकता है। बिजली से खाना पकाना खतरे से खाली नहीं है। बिजली का बिल भी काफी आएगा।

ज्ञापन में मांग की गई कि सिलेंडर में ईंधन गैस के वजन में कटौती, दामों में वृद्धि और बुकिंग अवधि में वृध्दि को तत्काल प्रभाव से वापस लेते हुए वितरण समस्या का अविलम्ब निराकरण करने के निर्देश दिए जाएं और रीवा मध्यप्रदेश में पहले की तरह ईंधन गैस सिलेंडर का घर-घर वितरण किया जाए। श्री खरे ने कहा है कि 940 रुपए का गैस सिलेंडर 1500 रुपए तक कालाबाजार में मिलने की खबर है। गैस सिलेंडर नहीं मिल पाने से परेशान लोग ऐसा करने को मजबूर नज़र आ रहे हैं। ऐसे लोगों का कहना है कि महंगाई बढ़ जाती है तो क्या खाना खाना बंद कर देते हैं लोग ? सरकार को इस पर प्रभावी नियंत्रण करना चाहिए।

ईंधन गैस बुकिंग के आधार पर घर-घर सिलेंडर पहुंचाने की पूर्व व्यवस्था बहाल हो गैस गोदाम पर वितरित हो रहे सिलेंडर पर होम डिलीवरी दाम वसूलना सरासर गलत

ग्राम पंचायत कंदैला के प्राथमिक विद्यालय बड़ा टोला का औचक निरीक्षण, बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता

विधायक मनगवां की सख्ती, जर्जर स्कूल भवन के निर्माण के दिए निर्देश

रीवा। मनगवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने 24 मार्च को ग्राम पंचायत कंदैला अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय बड़ा टोला का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक अमले में हलचल मचा दी। विकासखंड गंगेव के संकुल केंद्र जोड़ौरी से संचालित इस विद्यालय की जर्जर स्थिति को देखकर विधायक ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल संबंधित उच्च अधिकारियों को निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की हालत अत्यंत दयनीय पाई गई। दीवारों में दरारें, छत से झड़ता प्लास्टर और कमजोर ढांचा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। इसी जर्जर भवन में मासूम छात्र-छात्राएं अध्ययन करने को विवश हैं। स्थिति यह है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, बावजूद इसके अब तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रुक्मिणी प्रजापति ने विधायक को अवगत कराया कि विद्यालय भवन की खराब स्थिति को लेकर कई बार लिखित रूप से सूचना दी जा चुकी है। इसके बावजूद न तो निरीक्षण हुआ और न ही मरम्मत अथवा नए भवन निर्माण की दिशा में कोई पहल की गई। शिक्षिका ने बताया कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब छत से पानी टपकता है और बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बैठाना मुश्किल हो जाता है।

विधायक इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर नाराजगी जताई और स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालय भवन का निर्माण कार्य ग्राउंड स्तर से प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कराना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। शिक्षा के मंदिर में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने यह भी कहा कि यदि पहले से लिखित शिकायतें दी जा चुकी थीं तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इसकी भी जांच कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित विभाग से जवाब-तलब करने की बात कही और स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ग्राम पंचायत कदैला में विधायक के इस औचक निरीक्षण से ग्रामीणों में संतोष का माहौल देखा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से विद्यालय भवन की स्थिति खराब थी, लेकिन कोई जनप्रतिनिधि स्वयं आकर हालात नहीं देख रहा था। पहली बार किसी विधायक ने विद्यालय पहुंचकर जमीनी स्थिति को समझा और तत्काल सुधार के लिए पहल की है।

ग्रामीणों का कहना है कि विधायक की इस पहल से बच्चों के अभिभावकों में भी विश्वास बढ़ा है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित रहते थे। अब उम्मीद जगी है कि शीघ्र ही नए भवन का निर्माण प्रारंभ होगा और बच्चे सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

पुलिस पंचायत में सुलझे जटिल पारिवारिक व आर्थिक विवाद

लाखों की राशि वापस, बिछड़े रिश्तों में बनी सहमति

विदिशा। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में गठित पुलिस पंचायत की साप्ताहिक बैठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं पंचायत कोर कमेटी के सदस्य आर. कुलश्रेष्ठ, प्रमोद व्यास, अतुल शाह, डॉ. सचिन गर्ग, पार्थ पितलिया की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई कर कई मामलों का प्रभावी निराकरण किया गया। एक बुजुर्ग महिला ने शिकायत की कि जमीन खरीदने हेतु एग्रीमेंट कर उन्होंने 15 लाख रुपये विभिन्न माध्यमों से उधार लेकर दिए थे, लेकिन विक्रेता द्वारा पावर न होने की बात कहकर सौदा निरस्त कर दिया गया और राशि वापस नहीं की गई। पुलिस पंचायत द्वारा दोनों पक्षों को समझाइश व कानूनी पहलुओं से अवगत कराने पर सहमति बनी, जिसके तहत आवेदिका को 15 लाख रुपये वापस दिलाए गए तथा 2.5 लाख रुपये ब्याज के रूप में अलग से देने पर भी सहमति बनी। राहत मिलने पर पीड़िता ने संतोष व्यक्त किया।

मां-बेटे के विवाद में भावनात्मक समाधान: गंजबासौदा निवासी एक वरिष्ठ नागरिक महिला ने शिकायत की कि बेटा-बहू के व्यवहार के कारण उन्हें अपना मकान छोड़कर किराए से रहना पड़ रहा है। पंचायत में दोनों पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा एवं समझाइश के बाद यह सहमति बनी कि मां अपने ही मकान के ऊपरी हिस्से में रहेंगी, जबकि बेटा-बहू निचले हिस्से में निवास करेंगे। एक माह बाद पुनः स्थिति की समीक्षा हेतु दोनों पक्षों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

ट्रक विक्रय राशि पर विवाद, पंचायत में हुआ तत्काल भुगतान: एक वरिष्ठ महिला ने शिकायत की कि उनके दिवंगत पुत्र द्वारा ट्रक बेचने के बाद शेष राशि उन्हें नहीं मिल पाई और पोते द्वारा उस राशि पर अनुचित दावा किया जा रहा है।

शिल्पी प्लाजा क्षेत्र में लगीं अवैध गुमटियां, दिनभर जाम से लोग होते परेशान

रीवा। शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल शिल्पी प्लाजा के पीछे स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रीवा के सामने इन दिनों अवैध ÷गोमती÷ और ठेलों का कब्ज़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है। फुटपाथ और सड़क किनारे लगी इन अस्थायी दुकानों के कारण पूरे क्षेत्र में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि यहां पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। फुटपाथ पर पूरी तरह से गोमतियां और ठेले लग जाने से राहगीरों को सड़क पर उतरकर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी लगातार बना रहता है।

फुटपाथ पर कब्ज़ा, सड़क पर बढ़ी भीड़: शिल्पी प्लाजा के पीछे का यह क्षेत्र शहर के प्रमुख कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कारण हमेशा व्यस्त रहता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कामों से आते-जाते हैं। लेकिन फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण अब यह इलाका अव्यवस्था का शिकार हो गया है। फुटपाथ पर पान, गुटखा, चाय-नाश्ता, मोबाइल एक्सेसरीज़ और अन्य सामान बेचने वाली गोमतियां कतार में लगी रहती हैं। इनके सामने ग्राहकों की भीड़ भी जुटती है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा घिर जाता है। इसके साथ ही सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन यातायात को और अधिक प्रभावित कर रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि चारपहिया वाहन तक यहां से

निकल नहीं पाते। वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है और अक्सर जाम लग जाता है।

पार्किंग होने के बावजूद सड़क पर खड़े वाहन: स्थानीय लोगों के अनुसार इस क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद कई लोग अपने वाहन सीधे गोमतियों के सामने ही खड़े कर देते हैं। इससे सड़क और भी संकरी हो जाती है और यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। कई बार स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि स्कूल बस, एंबुलेंस या अन्य जरूरी वाहनों को भी निकलने में काफी समय लग जाता है। राहगीरों का कहना है कि यदि फुटपाथ खाली रहे और पार्किंग नियमों का पालन किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नगर निगम पर मिलीभगत के आरोप: इस पूरे मामले में स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि इस अतिक्रमण के पीछे नगर निगम के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत है।आरोप है कि गोमती संचालकों से प्रतिदिन कथित रूप से वसूली की जाती है और इसके बदले उन्हें यहां बिना रोक-टोक दुकान लगाने की छूट दी जाती है। यही कारण है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद इस क्षेत्र में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन चाहे तो कुछ ही घंटों में इस पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सकता है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है।

प्रशासन की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल: शहर में समय-समय पर नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैं। कई क्षेत्रों में बुलडोजर चलाकर सड़क और फुटपाथ को खाली कराया जाता है। लेकिन शिल्पी प्लाजा के पीछे स्थित इस इलाके में लंबे समय से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।लोगों का कहना है कि प्रशासन अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई कर अपनी उपलब्धियां गिनाता है, लेकिन यहां की स्थिति को नजरअंदाज किया जा रहा है। इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

व्यापारियों और नागरिकों की मांग: स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस क्षेत्र में जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि फुटपाथ को पूरी तरह खाली कराया जाए ताकि पैदल चलने वालों को सुविधा मिल सके और सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चल सके।इसके साथ ही लोगों ने यह भी मांग की है कि सड़क किनारे अव्यवस्थित खड़े वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए और पार्किंग व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। सड़क पर बढ़ती भीड़, संकरी जगह और लगातार लगने वाले जाम से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

संपादकीय

बौद्धिक क्षमता का सकारात्मक उपयोग है निरंतर सफलता का आधार

ज्ञान और बुद्धि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण पहलू हैं। मानवीय जीव इस सृष्टि में अनमोल हीरा है। मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार समाया हुआ है, परंतु हम अपने आप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की ताकझांक करते रहते हैं। हर क्षेत्र में दूसरों से प्रतियोगिता करने पर उतारू हो जाते हैं, कुछ नया करने की नहीं सोचते। अपनी बुद्धि का सकारात्मक उपयोग लेने पर अगर हम उतारू हो गए !तो हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं क्योंकि इतनीं बुद्धि कौशलता हर एक भारतीय में समाई हुई है। बड़े बुजुर्गों की इस पर दो कहावतें हैं बोलत बोलत बड़े बिखात, पहली कहावत का भावार्थ है, अति बोलने से ही बातें बिगड़ती है झगड़े दंगे फसाद मारपीट हत्याएं तक हो जाती है इसलिए चुप भली, अति का भला ना बोलना अति की भली न चूप, अति का भला न बरसना अति की भली न धूप, याने दूसरी कहावत का भावार्थ अति चुप रहने को भी नकारा गया है याने अन्याय के खिलाफ चुप रहना हानिकारक है। परंतु हमें इसका निर्णय अपने समाज और राष्ट्र के फायदे को देखकर ही लेना है परंतु मेरा मानना है चुप रहने से कई फायदे हैं और सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है। चुप रहना और कुछ समय तक खुद को स्थिर रखना हमको एक अच्छा श्रोता और समीक्षक बनाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब हम चुप रहते हैं तो हम बोलने की बजाय अधिक से अधिक सुनते हैं और उसका विश्लेषण कर पाते हैं। इससे हम पूरे तर्क और वितर्को को जानने के बाद सही फैसला ले पाते हैं। चुप रहने के अपने शारीरिक और मानसिक फायदे भी हैं विशेषज्ञ मानते हैं कि चुप रहने से व्यक्ति दिमागदार और उत्पादक बनने की और अग्रसर होता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वाध्याय स्वास्थ्य सुधार होने की संभावना बनी रहती है। व्यर्थ का बोलना ऊर्जा को नष्ट करना है, और यह बोलना ही हमें कभी अपने भीतर की ओर लौट ने नहीं देता , क्योंकि यह हमें बाहर की ओर झुकाए रखता है और जिन्हें भीतर की यात्रा करनी है उन्हें अपने मुंह को बंद ही रखना चाहिए। चुप रहने में अद्भुत शक्ति है। वहीं बौद्धिक क्षमता के सकरात्मक उपयोग से निरंतर सफलता तो मिलती ही है, विविध क्षेत्रों में सृजन का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

शांति स्थापना के लिये भारत से बढ़ीं उम्मीदें

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

आज का भारत वैश्विक क्षितिज पर एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र की भाँति उभर रहा है, जिसकी चमक से दुनिया की महाशक्तियाँ भी चकित हैं। अमेरिकी सेना के रिटायर्ड कर्नल डगलस मैकग्रेगर का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह सुझाव देना कि युद्ध विराम और शांति स्थापना के लिए उन्हें भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संपर्क साधना चाहिए, केवल एक बयान मात्र नहीं है, बल्कि यह बदलते विश्व क्रम की उस हकीकत का प्रमाण है जहाँ भारत अब एक मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है। यह स्वीकारोक्ति भारत की उस बढ़ती साख को रेखांकित करती है जिसने वैश्विक राजनीति के समीकरणों को पुनर्परिभाषित कर दिया है। वर्तमान भारत जिस अवस्था में पहुँच चुका है, वह उसे वैश्विक शांति के लिए दुनिया भर के नेताओं के बीच आशा का एक सशक्त केंद्र बिंदु बनाती है। भारत की यह मान्यता और प्रतिष्ठा केवल हवा-हवाई दावों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ठोस कूटनीतिक सफलताएँ और सामरिक कौशल की गाथाएँ छिपी हैं। दुनिया के सबसे संवेदनशील जल क्षेत्रों और बंदरगाहों, विशेषकर जलडमरू मध्य जैसे रणनीतिक मार्गों पर जहाँ आज भी युद्ध की विभीषिका के कारण बड़े-बड़े विकसित देशों के तेल वाहक जहाज और मालवाहक पोत बारूदों का शिकार हो रहे हैं या वहां से गुजरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, वहीं भारत के तिरंगे के साथ चलने वाले तेल वाहक विमान और पोत निर्बाध रूप से अपनी मंजिल तक पहुंच रहे हैं। यह दृश्य भारत की उस अदृश्य शक्ति और विश्वसनीयता को दर्शाता है जिसे दुनिया की कोई भी ताकत चुनौती देने का साहस नहीं कर पा रही है। यहाँ तक कि ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश भी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और उसके बढ़ते प्रभाव के आगे खुद को असहज और विरोध करने में असमर्थ पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के अपने पुरातन मंत्र को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया है। इसी का परिणाम है कि जहाँ एक ओर इजरायल जैसा शक्तिशाली और तकनीकी रूप से समृद्ध राष्ट्र भारत को अपना सबसे विश्वसनीय मित्र मानता है, वहीं दूसरी ओर अरब जगत और ईरान जैसे देशों के साथ भी भारत के संबंध मधुरता और सम्मान के नए पायदान च? रहे हैं। जब रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध की ज्वाला भड़की और पूरी दुनिया दो धड़ों में बँट गई, तब केवल भारत ही वह शक्ति था जिसने दोनों पक्षों की आँखों में आँखें डालकर अपने हितों की बात की। हजारों भारतीय नागरिकों और छात्रों के युद्ध क्षेत्र में फंसे होने की खबर ने पूरे देश को चिंतित कर दिया था, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी का ही ओजस्वी व्यक्तित्व और भारत की साख थी कि दोनों युद्धरत देशों ने भारत के आग्रह पर अस्थायी रूप से युद्ध विराम किया ताकि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके। ऑपरेशन गंगा की सफलता ने दुनिया को दिखा दिया कि नए भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। ऐसा ही दृश्य ईरान में भी देखने को मिला जब अमेरिकी हमलों और अशांति के माहौल के बीच ईरानी सरकार ने भारतीयों की सुरक्षित निकासी में अभूतपूर्व सकारात्मक रुख दिखाया। यह सम्मान किसी डर से नहीं, बल्कि उस विश्वास से उपजा है जो भारत ने अपनी निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नीतियों के जरिए वैश्विक मंच पर कमाया है।

आज जब हम वैश्विक परिदृश्य को देखते हैं, तो एक बहुत ही व्यापक और स्पष्ट तस्वीर उभरती है कि दुनिया के तमाम देश चाहे आपस में कितने ही विरोधाभासों या युद्धों में क्यों न उलझे हों, लेकिन वे भारतीय नागरिकों और भारत सरकार के प्रति अटूट सम्मान का भाव रखते हैं। यह भारतीय कूटनीति की वह विजय है जहाँ हमने बिना किसी गुटबाजी में फंसे, अपनी शर्तों पर दुनिया के साथ हाथ मिलाया है। घरेलू स्तर पर भले ही राजनीतिक मतभेदों के कारण विपक्षी दल अपने निजी स्वार्थों या सत्ता की ललक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार की आलोचना करते रहें, लेकिन जमीनी हकीकत और अंतरराष्ट्रीय मंच की गवाही कुछ और ही कहानी बयां करती है। सत्य यह है कि वर्तमान भारत अब केवल अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूसरों की ओर नहीं देखता, बल्कि दुनिया की बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। सदियों बाद ही सही, भारत एक बार फिर तेजी से विश्व गुरु के पद की ओर अग्रसर हो रहा है। इस नए भारत के पास अब केवल पुरातन ज्ञान ही नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था, अडिग नेतृत्व और अटूट संकल्प शक्ति भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता ने भारत को एक ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है जहाँ भारत की आवाज को न केवल सुना जाता है, बल्कि उसका अनुसरण भी किया जाता है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब औपचारिकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गई है। चाहे वह जलवायु परिवर्तन का मुद्दा हो, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हो या फिर ग्लोबल सप्लाई चेन को स्थिर रखने की चुनौती, भारत की भूमिका अग्रणी रहती है। भारत की यह नई सामर्थ्य प्रत्येक भारतीय के मन में गर्व और आत्मविश्वास का संचार करती है।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

नजरिया

संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था।

ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण

कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारतीय रेल में रिफॉर्म की पटरी पर विकास का बिगुल

विनोद कुमार सिंह

भारत की जीवनरेखा कही जाने वाली भारतीय रेल आज एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रही है,जहाँ उसकी भूमिका केवल परिवहन तक सीमित नहीं रह गई है।यह अब देश की आर्थिक गति,सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक एकात्मता का सशक्त माध्यम बन चुकी है। वर्ष के प्रारम्भ में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा व्यक्त दृष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारतीय रेल को पारंपरिक ढांचे से निकालकर आधुनिक,कुशल और यात्री-केंद्रित प्रणाली में रूपांतरित करना अब प्राथमिकता है।

यह परिवर्तन केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेता दिखाई दे रहा है।रेल भवन में आयोजित हालिया प्रेस वार्ता में घोषित आठ प्रमुख सुधारों ने इस बदलाव को एक स्पष्ट दिशा दी है। ये सुधार किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं,बल्कि रेलवे के संचालन,संरचना,सेवा और सोच–सभी को समाहित करते हैं।यही कारण है कि आज भारतीय रेल का चेहरा व्यापक रूप से बदलता नजर आ रहा है।आधुनिक ट्रेनों के संचालन ने इस परिवर्तन को सबसे अधिक दृश्य रूप दिया है।अमृत भारत,वंदे भारत एक्सप्रेस और वंदे भारत स्लीपर जैसी ट्रेनों ने यात्रा के अनुभव को नई ऊँचाई दी है।ये ट्रेनें गति,आराम और तकनीकी उत्कृष्टता का संतुलित मेल प्रस्तुत करती हैं।वही नमो भारत ट्रेन क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई गति देते हुए छोटे शहरों और महानगरों के बीच दूरी को कम कर रही है।इसके साथ ही बुलेट ट्रेन परियोजना भारत को उच्च गति रेल नेटवर्क की वैश्विक श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी प्रयास है।स्टेशनों का पुनर्विकास इस परिवर्तन की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी है।देश के अनेक रेलवे स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर यात्रियों को एक व्यवस्थित,स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण प्रदान कर रहे हैं।प्रतीक्षालयों की गुणवत्ता,डिजिटल सूचना प्रणाली,एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएँ अब सामान्य होती जा रही हैं। रेलवे स्टेशन अब केवल यात्रा के पड़ाव नहीं,बल्कि अनुभव के केंद्र बनते जा रहे हैं।इन व्यापक परिवर्तनों के बीच घोषित आठ सुधार भारतीय रेल के भविष्य की बुनियाद के रूप में उभरते हैं।सबसे पहला सुधार टिकटिंग प्रणाली के पूर्ण डिजिटली करण और सरलीकरण से संबंधित है।टिकट बुकिंग की जटिलताओं को समाप्त कर इसे पारदर्शी और सहज बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मोबाइल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जा रहा है,जिससे हर वर्ग का यात्री बिना किसी कठिनाई के टिकट प्राप्त कर सके। दूसरा सुधार सुरक्षा तंत्र के सुदृढ़ीकरण का है।रेलवे परिसरों और ट्रेनों में आधुनिक निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी नेटवर्क और तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों को विस्तार दिया जा रहा है।इससे यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा और रेलवे एक अधिक सुरक्षित यात्रा माध्यम के रूप में स्थापित होगा।तीसरा सुधार समय बद्धता और परिचालन दक्षता पर केंद्रित है।ट्रेनों की देरी को कम करने के लिए सिग्नलिंग प्रणाली का आधुनिकी करण,ट्रैक उन्नयन और बेहतर संचालन प्रबंधन पर बल दिया जा रहा है।यह पहल रेलवे की विश्वसनीयता को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। चौथा सुधार स्टेशनों के कायाकल्प से जुड़ा है,जिसके अंतर्गत उन्हें आधुनिक सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन के साथ विकसित किया जा रहा है।इससे यात्रियों को एक सुव्यवस्थित और सम्मानजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। पाँचवाँ सुधार खानपान और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने का है।भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है,जिससे यात्रियों को सुरक्षित और संतोषजनक सेवाएँ मिल सकें। छठा सुधार आधुनिक ट्रेनों के विस्तार और उनकी गति में वृद्धि का है।नई पीढ़ी की ट्रेनों के माध्यम से यात्रा को तेज,आरामदायक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाया जा रहा है,जिससे भारतीय रेल वैश्विक मानकों की ओर अग्रसर हो सके। सातवाँ सुधार बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और हाई-स्पीड परियोजनाओं के विकास से संबंधित है।ट्रैक,पुल और अन्य संरचनाओं के उन्नयन के साथ-साथ बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएँ रेलवे को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती हैं।आठवाँ और अंतिम सुधार पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने का है।रेलवे तेजी से विद्युतीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है,जिससे डीजल पर निर्भरता कम हो और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखा जा सके।यह कदम सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन सुधारों की श्रंखला में भारतीय रेल केवल अपनी संरचना ही नहीं, बल्कि अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण को भी बदल रही है।अब यह एक ऐसी सेवा प्रणाली के रूप में उभर रही है,जो यात्रियों की अपेक्षाओं को समझते हुए उन्हें प्राथमिकता देती है।यह परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था को गति देने, व्यापार को सशक्त करने और दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आज भारतीय रेल जिस दिशा में आगे बढ़ रही है,वह एक नए भारत की तस्वीर प्रस्तुत करती है -जहाँ गति है,सुरक्षा है,सुविधा है और सबसे बढ़कर विश्वास है।यह विकास का बिगुल केवल पटरियों तक सीमित नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक बन चुका है। आने वाले समय में यही रेल तंत्र भारत की विकास यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरुआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं। स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुर्माने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है। पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है।

सड़क किनारे चरखी चलते देख रुके कलेक्टर, पिया गन्ने का जूस

नये आइडियाज से आत्मनिर्भर बना किसान, हो रही 4 हजार रूपये की रोज आमदनी

समय जगत, श्योपुर। कृषि प्रधान श्योपुर जिले के किसान नये-नये आईडियाज से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढा रहे है तथा अपने परिवार के लिए अच्छी खासी आमदनी अर्जित कर रहे है, ऐसे ही एक किसान है इन्द्र कुमार सुमन जो अपने खेत में गन्ने का उत्पादन कर लोगों को ताजा गन्ने का रस पिलाकर लगभग 4 हजार रूपये रोज की आमदनी प्राप्त सरकार के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को मजबूती प्रदान कर रहे है।

कलेक्टर अर्पित वर्मा क्षेत्र भ्रमण के दौरान जब पाण्डोला से होकर निकल रहे थे, तभी उनकी नजर पाण्डोला मोड पर सडक किनारे लगी चरखी पर पडी, जहां बडी संख्या में राहगीर भी गन्ने का जूस पीने के लिए रूके थे। कलेक्टर अर्पित वर्मा भी चरखी देखकर वहां रूके और ताजा गन्ने का जूस पिया और चरखी संचालक किसान श्री इन्द्र कुमार सुमन से आत्मीय चर्चा कर उनके इस व्यवसाय के बारे में जानकारी प्राप्त की।

किसान इंद्र कुमार सुमन ने बताया कि यहां सडक के किनारे दो-ढाई बीघा भूमि है, जिसमें मकान भी बना है और पूरा परिवार यही रहता है, कम जमीन में अन्य फसलों का उत्पादन भी उतना नही होता जिससे परिवार का गुजर बसर हो सकें। इसी के चलते उसके दिमाग में यह आइडिया आया कि अपने खेत में गन्ने की फसल लगाई जाये और घर के बाहर सडक किनारे रस निकालने की चरखी लगाकर व्यवसाय शुरू किया जायें, हालाकि आसपास कोई मार्केट या घनी बस्ती नही होने से उम्मीद नही थी कि इस काम को इतना रिस्पॉन्स मिलेगा, लेकिन लगभग 10 साल पहले शुरू किये गये इस व्यवसाय को इतना रिस्पॉन्स मिला कि लोग दूर-दूर से ताजा गन्ने का रस पीने के लिए यहां आने लगे। श्योपुर-कुंहाजापुर हाईवे पर होने से 4 पहिया और दो पहिया वाहन से यात्रा करने वाले यात्री भी पेड के छॉव और शुद्ध एवं ताजा गन्ने की रस की शीतलता के एहसास से यहां रूकने लगे, वह अपने भाई और अन्य परिजनों की मदद से यह काम लगन से कर रहे है और लोगों को शुद्धता के साथ ताजा गन्ने का रस पिला रहे है। वे बताते है कि गर्मियों के चार मास उन्हें इस व्यवसाय से अच्छी आमदनी हो रही है। लगभग 4 हजार रूपये प्रतिदिन की आमदनी हो जाती है। लोगों को शीतल गन्ने का रस पिलाकर उन्हें भी सुकून मिलता है। ग्राहको के सामने ही वे अपने खेत से गन्ना निकालते है और उसे साफ पानी से धोकर पूरी शुद्धता के साथ रस निकालकर पिलाते है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने चर्चा के दौरान ही गन्ने के रस का स्वाद लिया और किसान को पशुपालन व्यवसाय से जुडने हेतु पशुपालन विभाग अंतर्गत योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश पशुपालन विभाग के अधिकारियों को दूरभाष पर दिये गये।

मॉनीटरिंग की कमी पाये जाने पर किया गया नोटिस जारी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा आज आयुष विभाग अंतर्गत संचालित आयुर्वेद औषधालयों प्रेमसर एवं पाण्डोला का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान औषधालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं नही होने तथा विभागीय मॉनीटरिंग की कमी पाये जाने पर जिला आयुष अधिकारी डॉ जीपी वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा ग्राम प्रेमसर में आयुर्वेद औषधालय के निरीक्षण के दौरान ओपीडी रजिस्टर, दवा स्टॉक रजिस्टर तथा उपलब्ध दवाओं के भण्डारण एवं

वितरण की स्थिति का जायजा लिया गया। उपस्थित महिला आयुर्वेद स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती हीराबेटी ने बताया कि ओपीडी में नियमित रूप से रोगियों का परीक्षण किया जा रहा है तथा औषधालय में उपलब्ध दवाओं का वितरण किया जाता है। इसी प्रकार पाण्डोला स्थित औषधालय के निरीक्षण के दौरान डॉ चित्रा गुप्ता को निर्देश दिये कि ओपीडी का संचालन व्यवस्थित रूप से समय पर किया जायें तथा नियमित रूप से औषधालय की साफ-सफाई कराई जायें।

संक्षिप्त समाचार

पण्डोखर धाम महोत्सव मेले में आने वाले दुकानदारों को जगह, बिजली, पानी और भोजन की रहेगी नि :शुल्क व्यवस्था

समय जगत, दतिया। जिले के प्रसिद्ध तीर्थ पण्डोखर सरकार धाम में प्रति वर्ष की तरह 2 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आयोजित होने वाला 30वां पण्डोखर धाम महोत्सव ऐतिहासिक भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न होने जा रहा है। पण्डोखर धाम पीठाधीश्वर त्रिकालदर्शी संत गुरुशरण महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाला पण्डोखर धाम महोत्सव का ऐतिहासिक विशाल मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि यह क्षेत्रीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का भी अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। पण्डोखर धाम ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी मुकेश कुमार गुप्ता (सागर) ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 वें पण्डोखर धाम महोत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं। महोत्सव के आयोजक पण्डोखर धाम ट्रस्ट के द्वारा श्रद्धालुओं और आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। विशेष रूप से मेले में बाहर से आने वाले सभी दुकानदारों और झूले, चकरी, सर्कस, प्रदर्शनी, मौत के कुएं आदि के लिए इस बार भी सभी सुविधाएं नि :शुल्क प्रदान की जा रही हैं। मेले में बाहर से आने वाले सभी दुकानदारों और अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले कलाकारों के उपक्रमों के लिए विगत वर्ष की तरह ही मेला स्थल पर पर्याप्त स्थान, बिजली, पानी और भोजन की व्यवस्था पूरी तरह नि :शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इससे छोटे व्यापारियों, स्थानीय कारीगरों और कला प्रदर्शकों को बड़ा प्रोत्साहन और आर्थिक लाभ मिलता है। गुरुशरण महाराज स्वयं महोत्सव में भाग लेने हेतु साधु, संत, महात्माओं और विशिष्टजनों को आमंत्रित करने उन्हें आमंत्रण पत्र देने में व्यस्त हैं।

भोपाल में सेवादल का नेशनल ट्रेनिंग सेंटर स्थापित हो, मेरा रहा यह प्रयास : पीसी शर्मा

समय जगत, दतिया। राष्ट्रवादी भावना से ओतप्रोत और देश की आजादी की लड़ाई में कई आंदोलनों में सेवादल की प्रमुख भूमिका रही हैं। कांग्रेस सेवादल कांग्रेस संगठन की आत्मा है। उक्त विचार सेंवढ़ा के पूर्व विधायक घनश्याम सिंह ने कांग्रेस सेवादल के प्रशिक्षण शिविर के सांध्यकालीन सत्र में उपस्थित सेवादल कार्यकर्ताओं को संबोधित कर व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वमंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सेवादल से मेरा आत्मीय लगाव हैं, मैंने सेवादल में बहुत समय काम किया। मेरा प्रयास रहा कि भोपाल में सेवादल का नेशनल ट्रेनिंग सेंटर स्थापित हो जब में मंत्री था तब मैंने भोपाल में इस हेतु जमीन भी चिन्हित कर ली थी। हमारी सरकार यदि पांच साल चलती तो भोपाल में सेवादल का नेशनल ट्रेनिंग सेंटर बन जाता। उन्होंने सेंवढ़ा में सेवादल प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए पूर्व विधायक घनश्याम सिंह की प्रसंसा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पीसी शर्मा का शिविर में स्वागत करते हुए पूर्व विधायक सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। शिविर का संचालन सेवादल जिलाध्यक्ष मोहन सिंह कुशवाहा ने किया।

रात को घर में घुसकर बदमाशों ने परिवार पर किया हमला पांच घायल चोरी के इरादे से घर में घुसे थे आरोपी

समय जगत, श्योपुर। श्योपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक गंभीर वारदात सामने आई। चोरी के इरादे से घर में घुसे बदमाशों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में डर का माहौल है। जानकारी के अनुसार कलारना बस्ती, वार्ड क्रमांक 11 निवासी बाबूलाल बैरवा (56) ने पुलिस को बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे ग्राम पीपल्दी का रहने वाला समीर अपने दो साथियों के साथ उनके घर में घुसा। जैसे ही परिवार के लोग जागे, बदमाशों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में ममता को गर्दन, माथे और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं अर्चना के हाथ, उंगली, कलाई और गर्दन के पीछे गहरे घाव हुए हैं। बाबूलाल की पत्नी कान्ति, खुद बाबूलाल और उनके बेटे लोकेन्द्र को भी चोटें लगी हैं। सभी घायलों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर किया गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। जांच की जिम्मेदारी निरीक्षक सत्यम सिंह गुर्जर को दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गोपालपुरा कंजर डेरा पर आबकारी व पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई, लाखों की कच्ची शराब व लाहन जब्त

समय जगत, दतिया। जिला आबकारी अधिकारी बीएल दांगी के निर्देश पर आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी अनिरुद्ध खानवलकर के मार्ग दर्शन में आबकारी विभाग व पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से बड़ोनी थाना क्षेत्र के गोपालपुरा कंजर डेरा पर दबिश मारी। टीम को मौके से भारी मात्रा में कच्ची शराब, लहान व शराब बनाने की सामग्री मिली। डेरा पर बड़े स्तर से शराब बनाने का कारोबार किया जा रहा था। टीम द्वारा जब्त लहान को मौके पर ही नष्ट किया गया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मौके पर 2 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिये। जब्त शराब, लहान व सामग्री की अनुमानित कीमत 2 लाख 52 हजार 600 रुपये आंकी गई। उक्त कार्रवाई में एसडीपीओ विनायक शुक्ला, आबकारी उपनिरीक्षक केतन भावर, उपनिरीक्षक ध्वनि भदौरिया, आरक्षक विकास पाठक सहित आबकारी व पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

सभी संस्था प्रमुख 31 मार्च तक एच पी वी वैक्सीन का 50 प्रतिशत लक्ष्य करें पूर्ण: एसडीएम शिवांगी बघेल

समय जगत खिरकिया। शासकीय सांदीपनि खिरकिया में ब्लॉक के सभी शासकीय एंव अशासकीय विद्यालयो के प्राचार्यो की एक बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें अनुविभागीय अधिकारी शिवांगी बघेल द्वारा एचपीवी वेक्सीन के लाभ के बारे में उपस्थित प्राचार्यो को बताया गया। सुश्री बघेल ने सभी प्राचार्यो को निर्देशित किया गया कि म प्र शासन एंव कलेक्टर महोदय की मंशा अनुरुप 14 वर्ष से 15 वर्ष की सभी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु उक्त वैक्सीन लगवाना चाहिए। इस हेतु संस्था प्रमुख सभी पालको को

समझाइश दें। एंव संस्था के प्रत्येक शिक्षक को कम से कम 5 बालिकाओं का लक्ष्य देवे।उन्होंने बताया कि म प्र में अभी तक लगभग एक लाख बालिकाओं को यह वेक्सीन लगाई जा चुकी है। साइड इफेक्ट का अभी तक एक भी प्रकरण नहीं आया है। इस बैठक में कक्षा 9वी एंव 11 वी के परीक्षा परिणाम की भी समीक्षा की गई कम परीक्षा परिणाम वाले प्राचार्यो को परिणाम सुधार हेतु कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये गये।इस बैठक में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र ओरया ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसरो में दूसरा सबसे मुख्य केंसर है जिसके खतरे को कम करने के उद्देश्य से भारत स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा किशोरी बालिकाओं का वैक्सिनेशन करने का निर्णय लिया गया है।

29 मार्च को ग्राम पंचायत बहादुरपुर में होगी विराट कुश्ती

दतिया। ग्राम पंचायत बहादुरपुर में विराट दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 29 मार्च रविवार को होगा। कार्यक्रम आयोजक सरपंच रमा बलराम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक पहलवान आमंत्रित किए गए हैं जो अपने दावपेंच प्रतियोगिता में दिखाएंगे। यह प्रतियोगिता 29 मार्च को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। प्रतियोगिता में विजई होने वाले पहलवानों को उचित ईनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। सरपंच रमा बलराम शर्मा ने स्थानीय नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की है।

भांडेर में होर्डिंग लगाने पर फायरिंग करने वालों पर नहीं हुई कार्यवाई, पुलिस अधीक्षक को दिया आवेदन

दतिया। विगत दो दिन पूर्व भांडेर में फायरिंग करने वालों पर आज तक कार्यवाही नही की गई। आरोपीगणों से फरियादी को जान का खतरा बना है। फरियादी ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के होर्डिंग लगाने के विवाद पर फायरिंग हुई थी। फायरिंग करने वाले अजय यादव और अभय उर्फ मोंटी यादव पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। घटना के 2 दिन बाद भी भांडेर पुलिस ने एफआईआर नहीं की। प्रिंस उर्फ लालू यादव ने दतिया एसपी को दिये आवेदन में अजय और अभय यादव से जान का खतरा बताया है।

डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ यादव के जन्मदिन पर दी गई बधाई व शुभकामनाएं

समय जगत, जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का डुमना एयरपोर्ट आगमन हुआ, पारगमन यात्रा के दौरान उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके जन्मदिन पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, डॉ. जितेंद्र जामदार, श्री प्रभात साहू, श्री सुभाष तिवारी रानू सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ यादव का स्वागत किया।इस दौरान संभागायुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर से लगभग शाम 5.22 बजे पुन. डुमना एयरपोर्ट पहुंचे तथा शाम 5.27 बजे वायुयान द्वारा इंदौर के लिए प्रस्थान किये।

गणमान्य नागरिकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विधायक अजय बिश्नोई, सुशील तिवारी इंदु, अशोक रोहनी, संतोष बरकड़े, डॉ. अभिलाष पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, महापौर जगत बहादुर सिंह

आंगनवाड़ी केंद्र 2 में विद्या आरंभ कार्यक्रम आयोजित कर किए सार्टिफिकेट वितरित

समय जगत जीरापुर। नजदीक ग्राम कोडक्या में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में विद्या आरंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आयोजन 5 से 6 वर्ष के उन सभी बच्चों के लिए आयोजित किया गया जो कि आंगनबाड़ी केंद्र के संस्कार शिक्षा पूर्ण कर विद्या आरंभ करने के लिए प्राथमिक शाला में प्रवेश करने जा रहे हैं, उन सभी बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र द्वारा सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम आयोजित कर सार्टिफिकेट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम आयोजन में आमंत्रित अतिथि एवं अभिभावक के रूप में महिला बाल विकास जीरापुर से सेक्टर सुपरवाइजर मीना झाला, ग्राम पंचायत कोडक्या सहायक सचिव रईस मंसूरी, हल्का पटवारी सरिता पुरोहित ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुरेखा शर्मा ,ललिता सिसोदिया ,पवित्र पुरोहित ,सहायिका अनीता बैरागी ,संतोष चंद्रवंशी एवं अभिभावकगण सहित आंगनबाड़ी केंद्र के समस्त बच्चों मौजूद थे।

चैत की धूप में बकरी चरा रहे चरवाहों से कलेक्टर ने बबूल छॉव में की चर्चा

समय जगत, श्योपुर। चैत की चिलचिलाती धूप में बबूल की छॉव भी प्रकृति का ऐसा वरदान है, जिसके नीचे निरीह प्राणी पशु भी सुकून की तलाश में पनाह लेते है। ऐसा ही दृश्य आज बडौदा-श्योपुर रोड पर पाण्डोला के समीप देखने को मिला, जब कलेक्टर अर्पित वर्मा फील्ड भ्रमण के दौरान वापस जिला मुख्यालय लौट रहे थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
(विद्युत विभाग)
आई.एस.बी.टी. परिसर, वर्मा ट्रैवल्स ऑफिस के प्रथम तल पर भोपाल (म.प्र.) - 462001

क्रमांक 91 /वि.शा. / 2026 भोपाल दिनांक 24/03/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार मोहबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है:-

क्र	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य हेतु निर्धारित सामग्री	निविदा की अवधि	कार्य की अवधि
01	2026_UAD_493425_1	Providing and fixing of mini hight mast (9mtr) at veer Durga Das Rathore Sthambh 10 no. Stop at Ward no. 49 Zone No.10 under BMC Bhopal	2,10,985/-	2,110/-	2000/-	Registred Electrical Contractor in centralized registration system in MPPWD having valid electrical license	MPUADDSO O2021 items and NON SOR	15 Days	30 Days

नियम एवं शर्तें :-
1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि / धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करने होंगे । अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptender.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. ऑनलाईन निविदा में सभी प्रकार के संशोधनों की जानकारी मात्र www.mptender.gov.in पर प्राप्त की जा सकती हे
3. 18% GST अतिरिक्त देय होगा

नि.क्रं. 3369/025/026

सहायक यंत्री (वि.)
नगर निगम भोपाल

आम सूचना नाम परिवर्तन

मैं, झनकलाल मर्सकोले आ. श्री अमीलाल मर्सकोले आयु वयस्क, निवासी-पीसी, आमला, बैतूल, म.प्र. है मेरे पुत्र आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश कार्तिक आ. श्री झनकलाल मर्सकोले (KARTIK S/O JHANAKLAL MARSKOLE) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरे पुत्र का वास्तविक आ. श्री झनकलाल मर्सकोले सही नाम शौर्य मर्सकोले (SHOURYA MARSKOLE S/O JHANAKLAL MARSKOLE) जो कि जन्मप्रमाण पत्र में दर्ज होने से प्रमाणित है, जो कि मैं के आधार कार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूँ। अपने पुत्र के प्रकाशन उपरांत मेरा नाम शौर्य मर्सकोले आ. श्री MARSKOLE (SHOURYA झनकलाल मर्सकोले S/O JHANAKLAL MARSKOLE) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम
कार्तिक आ. श्री झनकलाल मर्सकोले
(KARTIK S/O JHANAKLAL MARSKOLE)
नया नाम
शौर्य मर्सकोले आ. श्री झनकलाल मर्सकोले
(SHOURYA MARSKOLE S/O JHANAKLAL MARSKOLE)
भवदीय
झनकलाल मर्सकोले आ. श्री अमीलाल
मर्सकोले निवासी घीसी, आमला, बैतूल, म.प्र.

आम सूचना नाम परिवर्तन

मैं, मालती देवी पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर आयु वयस्क निवासी म.नं. 16-बी, आयकर, कॉलोनी, शील पब्लिक स्कूल के पास, जी-3, गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल, म.प्र. है । परन्तु मेरे समस्त दस्तावेजो में जैसे कि आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर आई.डी. में मेरा नाम मालती देवी पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर (MALTI DEVI W/O LATE PURENDER SINGH THAKUR) अंकित है। एवं मेरे केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कार्ड एवं पेंशन अदायगी आदेश मे मेरा नाम मालती सिंह पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर (MALTI SINGH W/O LATE PURENDER SINGH THAKUR) दर्ज है एवं मैं अपने दोनो नामो से जानी पहचानी जाती हूँ। मैं अपने समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय दस्तावेजो में अपना नाम मालती सिंह पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर (MALTI SINGH WO LATE PURENDER SINGH THAKUR) दर्ज करवाना चाहती हूँ।
प्रकाशन उपरांत मेरा नाम मालती सिंह पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर (MALTI SINGH WO LATE PURENDER SINGH THAKUR) के नाम से जाना पहचाना, लिखा, पढ़ा एवं दर्ज किया जावे।

पुराना नाम
मालती देवी पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर
(MALTI DEVI W/O LATE PURENDER SINGH THAKUR)
नया नाम
मालती सिंह पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर
(MALTI SINGH W/O LATE PURENDER SINGH THAKUR)
भवदीय
मालती देवी पत्नि स्व. श्री पुरेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी म.नं. 16-बी, आयकर, कॉलोनी, शील पब्लिक स्कूल के पास, जी-3, गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल, म.प्र.

कार्यालय राजस्व निरीक्षक वृत्त 06 मिसरोद तहसील कोलार जिला भोपाल म.प्र.

क्रमांक 01/रा.नि./2026 भोपाल दिनांक 13/03/2026

सूचना पत्र

प्रति

1. श्री प्रदीप कुमार सिन्हा आ. श्री रविन्द्रनाथ सिन्हा ई-3 102 अरेरा कालोनी भोपाल 2. बृजेश मित्तल आ. कमलेश कुमार मित्तल निवासी भोपाल, 9425393871 मैसर्स असनानी बिल्डर्स द्वारा श्री विसन असनानी निवासी भोपाल श्रीमल परमार पुत्र गुरुवक्स परमार नि. लहारपुर भोपाल 5. श्री रवि शुक्ला आ. बी.एल. शुक्ला निवासी अरेरा कालोनी भोपाल समस्त हितबद्ध पक्षकार हल्का पटवारी ग्राम लहारपुर

आप सभी व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार तहसील कोलार जिला भोपाल के आदेश दिनांक 23/01/2026 में आवेदक श्री प्रदीप कुमार सिन्हा आ. श्री रविन्द्रनाथ सिन्हा निवासी भोपाल द्वारा ग्राम लहारपुर पटवारी हल्का नंबर 21 रा.नि.मा.6 तहसील कोलार जिला भोपाल में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 116/7 रकबा 0.1010 हेक्टे भूमि का सीमांकन किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका न्यायालय के आदेश पालन में आवेदित भूमि का स्थल पर सीमांकन दि 28/03/2026 को किया जायेगा। जिसके संबंध में सूचना पत्र जारी किया गया। किसी भी प्रकार का अतिआवश्यक शासकीय कार्य आने पर सीमांकन की कार्यवाही स्थगित की जा सकती है।

राजस्व निरीक्षक
कोलार

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

एमराल्ड पार्क सिटी बागसेवनिया हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड / भवन क्रमांक 272 एच. आई.जी. सुपर डीलक्स (टाईप-सी) डुप्लेक्स मण्डल द्वारा श्रीमती वंदना सेठी पत्नी श्री हरप्रीत सिंह के नाम पर आवंटित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06/02/2008 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। केता / विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र, शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती वीणा गजभिये पत्नी श्री पंकज गजभिय के नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 12/03/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्रीमती वीणा गजभिये पत्नी श्री पंकज गजभिय के नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

न्यायालय तहसीलदार वृत्त-1 तहसील-हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 8813/अ-6/25-26
मौजा-निपानिय जाट तहसील हुजूर, भोपाल
:: उद्घोषणा पत्र ::

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लैला पिता का नाम राम कुमार निवासी मकान नम्बर 17/2 कोलीपुर गली नम्बर 01 बुधवारा तहसील हुजूर जिला भोपाल मप्र, ने द्वारा म.प्र.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड हक पत्र दस्तावेज के आधार पर क्रय की गई भूमि खसरा क्रमाक 381 कुल रकबा मे से 0.0186 हे. भूमि ग्राम निपानिया जाट प.ह.न. तहसील हुजूर जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया गया है।

2-उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 11.02.2026 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 02.02.2026 को जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील-हुजूर भोपाल

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पूर्व में नाम ZAINAB BANO था, जो अब बदलकर पूरा एवं सही नाम ZENAB HUSAIN W/O ALI HUSAIN निवासी-मालीपुरा पीरगेट, म.नं.ए.जी.03, फतेहअली काम्प्लेक्स भोपाल (मध्य प्रदेश) 462001 हो गया है अब मुझे इसी नाम ZENAB HUSAIN से जाना व पहचाना जाए।

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

आम सूचना

एमराल्ड पार्क सिटी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड / भवन क्रमांक 48 एच.आई.जी. - ए सुपर डीलक्स टाईप-ए डुप्लेक्स मण्डल द्वारा श्री प्रमोद कुमार मिश्रा आत्मज श्री पुरूषोत्तम लाल मिश्रा के नाम पर आवंटित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 23/01/2008 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है । श्री प्रमोद कुमार मिश्रा द्वारा संपत्ति का रजिस्टर्ड वसीयतनामा सुश्री प्राची मिश्रा पुत्री श्री प्रमोद कुमार मिश्रा एवं श्री शिवम मिश्रा आत्मज श्री प्रमोद कुमार मिश्रा के संयुक्त नाम पर दिनांक 07/02/2025 को पंजीकृत कराया गया है। श्री प्रमोद कुमार मिश्रा आत्मज श्री पुरूषोत्तम लाल मिश्रा (पिता जी) की दिनांक 09/08/2025 को मृत्यु होने के उपरांत उनके पुत्री / पत्र सुश्री प्राची मिश्रा पुत्री स्व. श्री प्रमोद कुमार मिश्रा एवं श्री शिवम मिश्रा आत्मज स्व. श्री प्रमोद कुमार मिश्रा के संयुक्त नाम पर पर नामान्तरण आदेश क. 1077 दिनांक 10/10/2025 को नामान्तरित किया गया है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, परिचय पत्र शपथ-पत्र, संयुक्त शपथ-पत्र एवं मण्डल प्रारूप पर आवेदन प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री निशांत कुमार शुक्ला आत्मज श्री श्रीवेन्द्र प्रसाद शुक्ला एवं श्रीमती गरिमा पाण्डेय पत्नी श्री निशांत कुमार शुक्ला के संयुक्त नाम पर हस्तान्तरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये गये है एवं उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख दिनांक 09/03/2026 को केता के पक्ष में दस्तावेज पंजीकृत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त संपत्ति श्री निशांत कुमार शुक्ला आत्मज श्री श्रीवेन्द्र प्रसाद शुक्ला एवं श्रीमती गरिमा पाण्डेय पत्नी श्री निशांत कुमार शुक्ला के संयुक्त% नाम पर हस्तान्तरण का प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है।

उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से मय सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण सहकारी एवं अधोसंचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2 भोपाल

डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण व भूमिपूजन 362.80 करोड़ की 67 परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

पांदुरना (देवेन्द्र खुरसंगे)। नवगठित पांदुरना जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक उपलब्धियों के रूप में दर्ज होने जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने प्रस्तावित प्रवास के दौरान जिले को विकास की बड़ी सौगात देंगे। इस दौरान वे कुल 67 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे, जिनकी कुल लागत 362.80 करोड रूपए है। यह पहल जिले के समग्र विकास को नई गति प्रदान करते हुए आधारभूत संरचना को मजबूत करेगी।

लोकार्पण से बदलेगी तस्वीर: मुख्यमंत्री द्वारा 11.63 करोड़ रूपए की लागत से पूर्ण 34 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से आम नागरिकों को तत्काल लाभ मिलने लगेगा और विभिन्न विभागों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। इनमें जामसावली स्थित 35.09 करोड रूपए की लागत से निर्मित हनुमान लोक प्रमुख आकर्षण रहेगा, जो धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में पांदुरना को नई पहचान दिलाएगा। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वहीं 30.5 करोड रूपए की लागत से तैयार पांदुरना फ्लाईओवर शहर के यातायात को सुगम बनाएगा। इससे आवागमन का समय कम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। इसके अतिरिक्त लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 20 कार्य, लोक निर्माण विभाग (सेतु एवं भवन) के कार्य, नगर पालिका परिषद सौंसर एवं पांदुरना के विकास कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा वन विभाग के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। भूमिपूजन से मजबूत होगा भविष्य का आधार मुख्यमंत्री द्वारा 251.17 करोड़ रूपए की लागत से 33 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा। ये परियोजनाएं जिले के दीर्घकालिक विकास को दिशा देंगी और आने वाले वर्षों में पांदुरना को एक विकसित जिले के रूप में स्थापित करेंगी। इनमें कलेक्टर कार्यालय, जिला चिकित्सालय एवं एस.पी. कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शामिल हैं, जिन पर 69.49 करोड रूपए की लागत आएगी।

डिवाइन स्कूल में कन्यादान फाउंडेशन का सेमिनार,छात्राओं को बताया गुड टच-बैड टच

सोशल मीडिया के उपयोग पर भी दिया मार्गदर्शन

आष्टा। शांति नगर स्थित डिवाइन पब्लिक हाई स्कूल में कन्यादान फाउंडेशन द्वारा सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। इस दौरान कन्यादान फाउंडेशन की सोशल अवेयरनेस दीपा श्रीवास्तव,रूपाली सक्सेना , निर्मला शर्मा एवं डायरेक्टर प्रिंसिपल ,स्कूल लेडीज स्टाफ भी मौजूद रहे। कन्यादान फाउंडेशन की दीपा श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में गर्ल्स अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया था जिसमें कन्यादान फाउंडेशन ने छात्राओं को गुड टच- बैड टच, सोशल मीडिया के इस्तेमाल के दुष्परिणाम, पौष्टिक आहार जिसका बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है मासिक धर्म स्वच्छता, पर्यावरण प्रदूषण के बचाव के लिए प्लास्टिक फ्री कन्या सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल के तरीके और फायदे बताए गए और बच्चों को सेल्फ डिपेंड होने की शिक्षा दी गई और उन्हें जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

1100 कन्याओं का भव्य पूजन : नवरात्रि पर मंडला में ऐतिहासिक आयोजन हुआ संपन्न

मंडला। चैत्र नवरात्रि एवं राम नवमी के पावन अवसर पर मंडला में पहली बार 1100 कन्याओं का भव्य पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और धार्मिक वातावरण का आनंद लिया। कायक्रम के दौरान माता की चौकी, भजन-कीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भोजन कराते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आयोजन के माध्यम से नारी सम्मान, संस्कारों के संरक्षण और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक सोनल सोनू वर्मन ने सभी सहयोगियों, भक्तों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन क्षेत्र में अपनी भव्यता और सामाजिक संदेश के कारण चर्चा का विषय बना रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र रहे अव्वल

समय जगत, सुठालिया। कल घोषित हुए कक्षा आठवीं एवम कक्षा पांचवीं के परीक्षा परिणाम में स्थानीय सरस्वती शिशु विधा मंदिर के कक्षा 5 वी में 90.75 प्रतिशत के साथ कुमारी नव्या राठौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। दूसरे स्थान पर मयंक विश्वकर्मा रहे, जिन्होंने 90.5 प्रतिशत अंक हासिल किए। तीसरे स्थान पर अरुण लोधी रहे, जिनका परिणाम 89.75 प्रतिशत रहा। सभी बच्चों के लिए यह खुशी का पल है। सभी छात्रों की सफलता पर विद्यालय के स्टाफ व परिजनों ने बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हे ।

कमरे में सोते रहे बच्चे और आलमारी से लाखों के गहने हो गये पार

उचेहरा। नगर परिषद के वार्ड 5 निवासी संतोष ताम्रकार पिता पूर्व शिक्षक श्यामलाल ताम्रकार के घर बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने आलमारी में रखे करीब 1 लाख नकद और 10 ग्राम सोना के जेवरात जिसकी कुल अनुमानित 15 लाख के करीब बताई जा रही है, को पार कर दिया। जांच का एक बड़ा पहलू भी है कि जिस कमरे में पीड़ित ताम्रकार के दो बेटे सो रहे थे उसी कमरे में आलमारी में रखा सोने का सामना और नकद पार हो गए लेकिन इस पूरी घटना की बच्चों को तनिक खबर तक नहीं लगी। घटना की प्राथमिकी दर्ज कराने के उपरांत पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सतना की फोरेंसिक टीम` भी घटना के कारणों का साक्ष्य जुटाने में लग गई और आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। लेकिन अभी कोई सुराग हांथ नहीं लगा , हासिल जानकारी अनुसार उनकी मेंन रोड में जनरल स्टोर और घर मे कागज के दोना पत्तल बनाने का कारोबार है, जिस समय यह घटना हुई उनकी पत्नी मायके में थी । सुबह 7 बजे के करीब बाहर के कमरे में सो रहे सन्तोष ने जब आंगन का दरवाजा खोला तो आंगन की तरफ दरवाजे की कुंडी लगी होने के कारण वह नहीं खुल सका तभी उनको किसी अनहोनी की आशंका हो गई और कई बार अपने बंद कमरे से ही बच्चों को आवाज दी। तब कही जा कर बच्चों ने आंगन का दरवाजा खोलने बाद ही संतोष बच्चों के कमरे में पहुंचे जैसे ही उनकी नजर आलमारी की ओर पड़ी। जब आलमारी के रखे कपड़े से लपेटे स्टील की छोटी पेटी में रखे सामान को देखा तो सब सोने का सामान गायब था और जिस पेटी में समान रखा था वह पेटी सहित अन्य डिब्बा सीढ़ी में पड़ा मिला और ऊपर का दरवाजा भी खुला था पीड़ित की माने तो ऊपर का दरवाजा वह रोज की तरह बंद कर दिये थे ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोर ऊपर के रास्ते भागे । क्यों कि घर के मेन गेट का दरवाजा सुबह भी अंदर से बंद था ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस हरदा में विश्व क्षय रोग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुआ आयोजित

समय जगत, हरदा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विश्व क्षय रोग (टीवी) दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता बिले द्वारा विद्यार्थियों को टीवी से बचने के उपाय बताए गए। जिला चिकित्सालय हरदा की परामर्शदाता संगीता सोलंकी द्वारा विद्यार्थियों को टीवी के लक्षण बताए एवं उससे बचने के उपाय भी बताए गए हैं। इसी क्रम में महिला उत्पीड़न सेल की प्रभारी रीना मालवीय द्वारा छात्राओं को महिला उत्पीड़न सेल की संपूर्ण जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अंकिता गायकवाड़,प्रीति मालवीय,तनीषा चौहान,राधिका बघेल,लेदाराम सोलंकी,पंकज केवट द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य के मार्गदर्शन में रासेयो कार्यक्रम अधिकारी मनीषा चौहान एवं सुमित शर्मा,रेड रिबन क्लब कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा गायकवाड़ द्वारा महाविद्यालय में रासेयों इकाई एवं रेड रिबन क्लब इकाई द्वारा वर्ष भर में कराई गई गतिविधियों में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से डॉ राकेश सिंह परस्ते,डॉ अशोक पवार,डॉ प्रियंका राय,डॉ शिवानी वर्मन,अजय बिलारे,आयुषी सिसोदिया,डॉ रविंद्र कुमार सोनपुरे, डॉ बलवान सिंह पवार एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश विधानसभा में हरदा की होनहार छात्रा रितिका अग्रवाल का हुआ सम्मान

समय जगत, हरदा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत युवा संसद मध्यप्रदेश विधानसभा भोपाल में हरदा जिले की प्रतिभाशाली छात्रा रितिका अग्रवाल ने सक्रिय भागीदारी कर जिले का नाम रोशन किया है। रितिका अग्रवाल को कार्यक्रम में उत्कृष्ट भागीदारी,ओजस्वी भाषण और शानदार मिमिक्री के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।आयोजन समिति ने उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले रितिका अग्रवाल ने जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।इसके आधार पर उनका चयन मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए हुआ। वहां भी उन्होंने केंद्रीय बजट, विकसीत भारत विषय पर प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया, साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर मिमिक्री विधा में प्रथम आने के कारण उन्हें मिमिक्री के लिए भी मंच पर आमंत्रित किया।उनके शानदार मिमिक्री मंचन से सभी ने उनकी खूब सराहना की और हॉल में तालियों की आवाज गूंजने लगी, इससे पहले भी रितिका अग्रवाल ने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करके हरदा जिले का नाम गौरवान्वित किया है,उनकी इस सफलता से परिजनों,मित्रों,क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने रितिका की इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिला कांग्रेस द्वारा पदाधिकारियों का स्वागत कर किया गया सम्मान

समय जगत, झाबुआ। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा हाल ही में जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित की गई है। जिस पर स्थानीय विधायक कार्यालय में बैठक आयोजित हुई जिसमें नवनियुक्त जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष पद पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अकमल मालू डामोर व जिला कांग्रेस संगठन मंत्री के पद पर पूर्व जनपद अध्यक्ष शंकर सिंह भूरिया को नियुक्त गया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया आदिवासी राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ विक्रांत भूरिया प्रदेश कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल भाबर सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने पुष्पहारों से स्वागत कर उनका सम्मान किया। दोनों पदाधिकारियों ने अपने दायित्व का निर्वहन करने का संकल्प लिया। पूरे जिले का दौरा कर किसान कांग्रेस की कार्यकारिणी व संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जुट जाने को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों को आश्वस्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया ने पदाधिकारियों को एक जुट होकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जुट जाने पर जोर दिया वहीं किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए आवाज उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के दबाव में आकर किसानों के अहित में जो डील की है उस नीति से आज किसान परेशान होने पर आमादा है। मोदी की कार्यशैली से आज देश की जनता पेट्रोल डीजल गैस की किल्लत से जूझ रही है। अच्छे दिन का सपना दिखाकर आज बुरे दिन की ओर जनता को ले जा रहे है। क्षेत्रीय विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने कहा कि केंद्र सरकार के तुगलकी निर्णय से देश में अराजकता का माहौल बन गया है। देश की जनता पेट्रोल, डीजल गैस की लाइनों में लगकर परेशान हो रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिन बाद संसद में आकर देश की जनता को लॉकडाउन जैसी स्थिति में ले जाने के लिए डरा रहे हैं देश के किसानों को अमेरिका के दबाव में आकर बेच दिया गया है। अमेरिका का गेहूं, मक्का, कपास सोयाबीन, दूध अब हमारे देश में आएगा मन माने भाव से बिकेगा तो यह सरासर हमारे देश के किसानों के साथ अन्याय किया गया है। इसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करती है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने कहा किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी गठित कर किसानों की समस्याओं को लेकर आवाज़ उठाएं। संगठन मंत्री कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों में सामंजस्य बनाकर सक्रिय करें। वह पार्टी को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। शीघ्र ही जिला कांग्रेस का महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें नवनियुक्त जिला कांग्रेस पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान व पदभार ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सेवानिवृत्त BEO को जन्मदिवस पर किया सम्मानित

सारंगपुर । व्यक्ति सम्मानित नहीं होता,अपितु व्यक्ति के कर्म उसके गुण धर्म व्यक्तित्व को निखारते हैं। और वही व्यक्ति समाज की नजरों में सम्मान का पात्र बन जाता है। ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी सेवानिवृत्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उमा शंकर दुबे के जन्मदिवस अवसर पर पेंशनर संघ अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण त्रिकार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। पेंशनर्स परिवार ने नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रसिद्ध मां बिजासन बैसवा रानी के दर्शन एवं मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त कर हर्ष उल्लास के साथ वही जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर दुबे को पुष्पमाला पहनाकर पुष्प वर्षा करते हुए मिष्ठान खिलाया शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर दुबे ने बताया सेवानिवृत्ति के पश्चात का यह जीवन व्यक्ति को समाज सेवा राष्ट्र सेवा में समर्पित कर देना चाहिए। वरिष्ठ प्रेम शंकर पांडे ने शुभकामना देते हुए श्री दुबे के स्वस्थ, सुखी और प्रसन्न रहने की माता रानी से प्रार्थना की। साहित्यकार पंडित सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि दुबे का जीवन प्रेरणाप्रद है। तत्पश्चात उपस्थित सभी पेंशनर्स साथियों ने यज्ञ शाला की परिक्रमा की और श्री राम कथा का रसपान कर अपने जीवन को कृतार्थ किया।

इस अवसर पर गंगाराम सिरोलिया, मनोहर पाठक सिद्धू प्रसाद धनगर देवी सिंह रतालिया, वल्लभ सोनी जय हिंद प्रकाश दुबे शिवनारायण मालवीय, कैलाश चंद नगर गिरिराज गुप्ता कैलाश नारायण शर्मा, लक्ष्मी चंद शर्मा हरिनारायण नागर सहित साथी पेंशनर उपस्थित रहे।

तक्षशिला एकेडमी में 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

समय जगत,हरदा। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा घोषित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम में तक्षशिला एकेडमी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है ।विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा पांचवीं के पचास एवं कक्षा आठवीं के पेंसठ विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। दोनों कक्षाओं का परिणाम शत प्रतिशत रहा,जो विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अनुशासित शैक्षणिक वातावरण को दर्शाता है ।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संस्था के संचालक उत्तम सिंह चौहान, प्राचार्य बृजेंद्र शर्मा,उप प्राचार्य सौरभ सिंह दरबार सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत,शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग को दिया है ।

सनाढ्य ब्राह्मण समाज का निःशुल्क परिचय सम्मेलन 29 को होगा इंदौर में

पचौर। श्री सनाढ्य सभा (रजि.) इंदौर द्वारा सनाढ्य ब्राह्मण समाज के युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क प्रांतीय परिचय सम्मेलन का आयोजन 29 मार्च रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शुभ कराज गार्डन, रिंग रोड नं. 2, मुसाखेड़ी चौराहा (पिपलियापाला) इंदौर में आयोजित होगा। जानकारी देते हुए महेंद्र शर्मा रोडू दादा के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य समाज के योग्य युवक-युवतियों को एक मंच प्रदान कर उनके वैवाहिक परिचय को सरल बनाना है। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रतिभागी शामिल होंगे, जिससे आपसी परिचय और संवाद के माध्यम से रिश्तों का चयन किया जा सकेगा।

प्रतिभागियों के लिए पंजीयन आवश्यक: आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को निर्धारित प्रपत्र (फॉर्म) भरना अनिवार्य है, जिसमें व्यक्तिगत जानकारी, शिक्षा, व्यवसाय, पारिवारिक विवरण आदि भरना होगा। साथ ही फोटो लगाना भी आवश्यक रहेगा। आवेदन के साथ दी गई जानकारी पूर्णतः सत्य होना चाहिए।

15 मार्च के बाद लगेगा शुल्क: समिति ने जानकारी दी कि 15 मार्च 2026 तक आवेदन निःशुल्क स्वीकार किए जाएंगे, जबकि इसके बाद प्राप्त आवेदनों के लिए 200 शुल्क निर्धारित किया गया है। इच्छुक प्रतिभागियों से समय सीमा का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

विशेष निर्देश भी जारी: आवेदन पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि कोई अभ्यर्थी विधुर, विधवा, विकलांग या तलाकशुदा है तो इसकी स्पष्ट जानकारी देना अनिवार्य होगा। साथ ही हिंदी में भरी गई प्रविष्टियां ही मान्य होंगी।

समाज के पदाधिकारी रहेंगे उपस्थित: कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे, जो आयोजन की व्यवस्थाओं को संभालेंगे और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे।

वृद्धजनों के लिए सेंसटाइजेशन एवं अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित

समय जगत, झाबुआ। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाएं एवं कायक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में 24 मार्च को पेंशनर्स कार्यालय, एकलव्य भवन, थांदला गेट, झाबुआ में सेंसटाइजेशन एवं अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय विभाग, प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं ब्रह्मकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों के स्वागत उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक द्वारा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 एवं मध्यप्रदेश नियम, 2009 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उपस्थित वरिष्ठजनों के प्रश्नों का समाधान किया गया। उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री पंकज सांवले द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को अटल वयो अभ्युदय योजना की जानकारी प्रदान करते हुए 24म7 संचालित एल्डर्स हेल्पलाइन 14567 के बारे में अवगत कराया गया। ब्रह्मकुमारी संस्था से ज्योति दीदी द्वारा कहानी के माध्यम से वरिष्ठजनों को जागरूक करते हुए मेडिटेशन कराया गया तथा मानसिक रूप से सशक्त एवं स्वस्थ रहने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री रायपुरिया द्वारा किया गया। अंत में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित त्रिवेदी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय कार्यबल के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता क्विज प्रतियोगिता का किया आयोजन

समय जगत, सुठालिया। शासकीय महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय कार्यबल में छात्र कल्याण अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं उनसे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रसार करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. व्ही. एस. बैस ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है और विद्यार्थियों को इसके प्रति सजग एवं संवेदनशील होना चाहिए तथा आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सतत तैयारी करनी है तथा योग व ध्यान करना है, जिससे मानसिक तनाव से मुक्त रहे। कार्यक्रम में बीज वक्तव्य संतोष पाठक द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, इसके संरक्षण एवं तनाव प्रबंधन के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. प्रदीप कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने क्विज प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। क्विज प्रतियोगिता में तीन दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समझ को परखा। इस अवसर पर कार्यक्रम में शमशाद बेग, डॉ दीपा चौरसिया, डॉ संतोष साहू, राजकुमार, उमेश सेन, अनिरुद्ध सिंह, पूजा यादव, दशरथ गुर्जर सहित समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

बढ़ाई चाल के बोर से नपा के कुएं में जाता है पानी?

वार्ड पार्षद ने नपा अध्यक्ष, सीएमओ से पेयजल व्यवस्था बनाने की मांग

हरिप्रसाद गोहे-समय जगत,आमला। भीषण गर्मी के साथ आमला नगर में जल संकट ने दस्तक दे दी है। जिस कारण नपा की पेयजल व्यवस्था में भी परिवर्तन दिखाई दिया। नपा जहा एक दिन के अंतराल में पेयजल वितरण करती थी, वहीं अब समूचे नगर में दो दिन के बाद पानी का वितरण किया जा रहा है। नपा की इस व्यवस्था से नगर में लोग तरह तरह की चर्चा करते देखे जा रहे तो वहीं कुछ लोग वार्ड पार्षद के पास पहुंच उन्हें हो रही पेयजल समस्या बता रहे हैं।ऐसे में नगर को मिली 24 घंटे नल से जल मिलने वाली जलावर्धन योजना की सौगात एवं नपा द्वारा की गई जल वितरण व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। नगर वासियों ने कहा कर वसूली में नपा अधिकारी का रवैया जितना सख्त उतना व्यवस्था बनाने पर ध्यान देते तो जल संकट से बिना परेशानी के निपटा जा सकता। इधर नगर के भगत सिंह वार्ड क्रमांक 9 में भरपूर पानी होने की बात रहवासियों ने कही है। उनका कहना है नगर पालिका हमारे क्षेत्र के बोर से नपा के कुएं में पानी ले जा रही है बावजूद हमारे वार्ड में सबसे ज्यादा पानी की समस्या यह भी नपा की उदासीन कार्य प्रणाली का परिणाम है। बढ़ाई चाल में व्याप्त पानी की समस्या की शिकायत रहवासियों ने वार्ड पार्षद खुशबू अतुलकर से कर पेयजल व्यवस्था बनाने की बात कही है।वार्ड वासियों की समस्या पार्षद द्वारा नगर पालिका अधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे को बता बडाईचाल क्षेत्र में टैंकर से पानी बटवाने की मांग की गई। जिस पर नगर पालिका जल शाखा प्रभारी अरुण पवार द्वारा उस क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार पानी बांटने का आश्वासन पार्षद को दिया गया और बडाई चाल क्षेत्र में नगर पालिका के टैंकरों से पानी बांटने का कार्य कर्मचारी द्वारा प्रारंभ किया है पार्षद कुमारी खुशबू विजय अतुलकर ने बताया कि बडाईचाल क्षेत्र के बोर से नगर पालिका के कुएं में पानी जाता है लेकिन इस क्षेत्र में ही पानी की सबसे अधिक समस्या रह वासियों को होती है जिसका निराकरण बहुत जल्दी किया जाएगा। पार्षद कुमारी खुशबू विजय अतुलकर ने कहा कि जरूरत पड़ने पर हम प्रतिवर्ष अनुसार अपने व्यय पर निजी टैंकरो से नगर के समस्त 18 वार्ड में जलदान करेंगे।

इन्होंने क्या कहा

बढ़ाईचाल क्षेत्र में व्याप्त पानी की समस्या मेरे संज्ञान में है जल्द ही व्यवस्था बनवाई जाएंगी।

नितिन गाडरे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आमला।

ग्रेजुएशन समारोह एव विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का किया आयोजन

समय जगत, पथरिया । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश में पहली बार ग्रेजुएशन समारोह एवं विद्याप्रारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में पथरिया परियोजना अंतर्गत ऑगनबाडी केंद्रों पर 5-6 आयु वर्ग के बच्चों को जनप्रतिनिधियों, शिक्षक, अभिभावकों सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, की उपस्थिति में विद्याप्रारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वहीं प्रभारी परियोजना अधिकारी अंजू भदौरिया ने कहा कि आज हम सभी इस महान आयोजन के साक्षी बनें और पूरी लगन, मेहनत और उत्साह के साथ इस समारोह का सफलता पूर्वक आयोजन कर एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल जीरापुर कक्षा 8वीं का सर्वश्रेष्ठ रहा परीक्षा परिणाम

समय जगत, जीरापुर । रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल ने इस वर्ष एक बार फिर शानदार परीक्षा परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं का परिणाम सर्वश्रेष्ठ रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है । कक्षा 8वीं में 141 व कक्षा 5वीं में 80 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी कक्षा 8वीं में 68 विद्यार्थियों ने 80त्न से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया कक्षा 8वीं में साक्षी चौहान पिता गोपाल सिंह चौहान ने 92.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया वही कक्षा 5वीं में कोमल गुर्जर पिता प्रभुलाल गुर्जर ने 85.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की इस शानदार उपलब्धि पर संस्था संचालक रणधीर सिंह, संस्था प्रबंधक यशवर्धन सिंह एवं प्राचार्य शैलेंद्र जोशी ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

श्री विराटेश्वरी धाम में महाअष्टमी आरती,नवमीं को विशेष श्रृंगार ,विशाल भंडारा, जवारा विसर्जन का होगा आयोजन

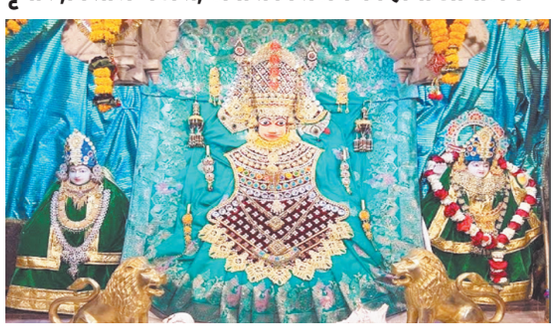

समय जगत, शहडोल। नगर के हृदय स्थल स्थित श्री विराटेश्वरी धाम दुर्गा माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर महाष्टमी महाआरती का भव्य आयोजन होने जा रहा है श्री दुर्गा माता सेवा समिति के सेवादार विनय केवट ने जानकारी देते हुए बुधवार को बताया है कि हिंदू नव वर्ष शुक्ल प्रतिपदा चैत्र नवरात्रि के नौदिनी महापर्व के पावन अवसर पर चैत्र नवरात्रि महाष्टमी के दिन माँ भगवती की महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी जयंतराज तिवारी ने बताया है कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रथम दिन से ही जगत जननी मां भगवती की भव्य पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी व भक्तों द्वारा जल चढ़ाकर एवं प्रसाद का भोग लगाकर पूर्ण भाव भक्ति के साथ माता की आराधना की जा रही है उन्होंने बताया कि नौदिनी महापर्व के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मां विराटेश्वरी जी की महाअष्टमी की महाआरती का भव्य आयोजन दिनांक 26 मार्च दिन गुरुवार किया जाएगा एवं 27 मार्च दिन शुक्रवार को महानवमी के अवसर पर विशेष श्रृंगार मां भगवती का किया जाएगा व 28 मार्च दिन शनिवार को मां विराटेश्वरी के दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन होगा तो वहीं 29 मार्च दिन रविवार को मां विराटेश्वरी के दरबार में ढोल नगाड़े की थाप पर काली खप्पर नृत्य के साथ भव्य जवारा जुलूस आयोजन किया जाएगा। मां भगवती के जवारे नगर का भ्रमण करते हुए स्थानीय मोहन राम तालाब में विसर्जित किए जाएंगे। इस अवसर पर आप सभी माता रानी के भक्तगणों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में मां भगवती के दरबार में पहुंचकर महाअष्टमी आरती, नवमी विशेष श्रृंगार ,विशाल भंडारा, जवारा जुलूस में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें एवं अपने जीवन को धन्य बनाएं। वही बताया गया कि इस अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री दुर्गा माता सेवा समिति के द्वारा समिति की ओर से मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सभी व्यवस्था निशुल्क है , जूता चप्पल एस्टेंड ,मोटर साइकिल स्टैंड ,नारियल तोड़ने ,पानी ,लाइट , प्रसाद वितरण ,भक्तो के कथा पूजन के बाद साफ सफाई ,अष्टमी को महा आरती के बाद महाप्रसाद वितरण किया किया जाएगा श्री दुर्गा माता सेवा समिति के सेवादार मंदिर के पुजारी जयंतराज तिवारी,अंकितराज तिवारी, गीतेशराज तिवारी, मनीषराज तिवारी ,विकास तिवारी, एवं श्री दुर्गा माता सेवा समिति के संरक्षक नारायण पांडे, अशोक मिश्रा ,अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास गुप्ता ,अनिल सैनी भालू , देवेंदर द्विवेदी, विनय केवट , राजेश त्रिपाठी ,अजय श्रीवास्तव ,मृगेंद्र सिंह, देवेंद्र गुप्ता, राकेश यादव, राम चेलानी, राहुल श्रीवास, आलोक खटोर ,सोमू गुप्ता, निरंजन, अनिल सिंह, गौरव राजपूत, शुभम अग्निहोत्री, शिवम दुबे ,शुभम दुबे, विद्याचरण उपाध्याय, रामकिशोर केवट, रवि केवट ,जतिन मंगलानी, गौतम राज, लवली, रंजन गुप्ता, विनोद नामदेव, पंकज मौर्या, आकाश नामदेव, आकाश चौधरी, अज्जू विश्वकर्मा, गगन वर्मा ,वेदांश गौतम,अभिषेक सोंधिया के सेवादार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी सेवाएं निरंतर माता के दरबार में दे रहे हैं।

नशे का कारोबार है चरम पर, अधिकारी हों सक्रिय

आनंद शर्मा -समय जगत, मनेंद्रगढ़। जिला मुख्यालय जो प्रशासनिक और व्यावसायिक दृष्टि से जिले का प्रमुख केंद्र है, यहां इन अवैध गतिविधियों के फलने-फूलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद ठोस और प्रभावी कार्रवाई का अभाव कई सवाल खड़े करता है। मनेंद्रगढ़ जिला स्तर पर जुआ, सट्टा, सूखा नशा, गांजा और नशीली इंजेक्शनों जैसे अवैध कारोबार पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। चिरमिरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दावा किया कि इन अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा दिया गया है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश करती नजर आ रही है। यदि कार्रवाई हो भी रही है, तो वह केवल चिरमिरी तक ही सीमित क्यों दिखाई देती है? जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में ऐसी सख्त कार्रवाई देखने या सुनने को क्यों नहीं मिल रही? जबकि मनेन्द्रगढ़ भी उसी विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जिसका प्रतिनिधित्व स्वयं मंत्री करते हैं। ऐसे में मनेन्द्रगढ़ की जनता का अपने विधायक से सीधा सवाल है- क्या अवैध कारोबार पर नियंत्रण केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहेगा, या पूरे जिले में समान रूप से सख्त कार्रवाई की जाएगी? जनता जवाब चाहती है और अब निगाहें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

अमर शहीद महिला अंतर्राज्यीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का लगा महाकुंभ

टीकमगढ़। अमर शहीद टूर्नामेंट सयोजक विनय प्रताप सिंह ने बताया की खेल और महिला सशक्तिकरण के अनूठे संगम के साथ, नगर के ऐतिहासिक नजर बाग प्रांगण में अमर शहीद युवा कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित 11वें अमर शहीद महिला लेदर बॉल टी-20 टूर्नामेंट का 15 मार्च से भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों ने ही दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया।

बिहार और बुंदेलखंड के मध्य खेला गया जहां पर विहार टीम ने पहले टॉस जीत कर बैटिंग का फैसला किया। बिहार (साई कंस्ट्रक्शन एंड ट्रेवल्स)टीम ने 20 ओवर में कुल 173/8 रनो का फ़ाइनल मैच मे लक्ष्य दिया। बुंदेलखंड (सिध्दीविनायक कंस्ट्रक्शन)ने ये मुकाबला लास्ट ओवर मे लास्ट जोड़ी ने जीता बुंदेलखंड की टॉप स्कोरर प्रांजलि दुबे ने 29 बॉल में 26 रन बॉलिंग में 4 ओवर 34 रन लेकर मेन ऑफ़ दा मैच रही और बिहार टीम को फ़ाइनल मैच हराकर अमर शहीद टूर्नामेंट 2026 का कप जीतकर इतिहास रचा । फ़ाइनल मैच मे सोनिया सिंह मेन ऑफ़ दा मैच रही और टूर्नामेंट मे मेन ऑफ़ दा सीरिज अमर शहीद टूर्नामेंट का समापन मेहनत श्री चौकी वाले महराज बबलू महराज के द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प तिलक लगा कर मंत्र उच्चारण के साथ किया गया आयोजन समिति को शुभकामनायें दी अमर शहीद टूर्नामेंट के अध्यक्ष प्रवेन्द्र गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया की सभी महिला खिलाड़ियों दिग्गज खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया बाहर से आई टीमों को शुभकामनायें के साथ शुभकामनायें दीं। आशीर्वाद के साथ सभी अतिथियों,कोचो का आभार किया फ़ाइनल मैच के मुख्य अतिथि राजेंद्र तिवारी ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंचों से ही बेटियां देश का नाम रोशन कर रही हैं।

नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

समय जगत, भोपाल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला भोपाल में संवाद योजना अंतर्गत 25 मार्च को जन अभियान परिषद जिला कार्यालय में बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम गत माह किए गए कार्यों की समीक्षा तथा आगामी माह में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की कार्य योजना निर्माण की गई है। संस्थाओं के मध्य विभिन्न गतिविधियों को करते समय आने वाली चुनौतियां एवं प्रत्येक कार्य में नवाचार करने हेतु सार्थक संवाद किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में नर्मदापुरम रोड स्थित वन विभाग द्वारा संचालित सामाजिक वानिकी वृत्त अहमदपुर रोपणी पर रोपणी प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। रिसोर्स पर्सन रणछोड़ अग्निहोत्री द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई । प्रशिक्षण अंतर्गत मिट्टी निर्माण, बेड निर्माण, बीज रोपण तथा ग्रीष्म ऋतु में पौधों की देखभाल संबंधी जानकारी विस्तार पूर्वक प्रदान की गई। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक कोकिला चतुर्वेदी द्वारा सभी नव अंकुर संस्थाओं को गंभीरता पूर्वक अपने सेक्टर में प्रस्फुटन समितियों की क्षमता को बढ़ाते हुए लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए । विकासखंड समन्वयक नंदकिशोर मालवीय तथा नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गौवंश हत्या का मामले में आरोपी हुए गिरफ्तार, पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई

समय जगत, कोरिया । जिले के थाना पटना क्षेत्र में गौवंश हत्या से जुड़े एक गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपति एवं एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अनुराग दुबे (गौ सेवक/समाज सेवक), निवासी बैकुंठपुर द्वारा सूचना दी गई कि 25 मार्च 2026 को ग्राम खाड़ा निवासी ईश्वर कुमार, उसकी पत्नी चंदाबाई एवं उनके नाबालिग पुत्र द्वारा दो कृषि योग्य गौवंशीय पशुओं की हत्या कर उनके मांस का उपयोग किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना पटना में अपराध क्रमांक 87/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 3(5) एवं छत्तीसगढ़ कृषि पशु संरक्षण अधिनियम की धारा 4, 5, 9, 10 सहित पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. सुरेशा चौबे के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी राजेश साहू के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। विवेचना के दौरान आरोपियों के कब्जे से गौवंशीय मांस एवं घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार (खुखरी) बरामद किया गया। मौके पर विधिवत पंचनामा तैयार कर पशु चिकित्सक द्वारा मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कराया गया। प्रकरण में आरोपी ईश्वर कुमार (29 वर्ष) एवं उसकी पत्नी चंदाबाई (30 वर्ष) को 25 मार्च 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। वहीं, नाबालिग को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि इस प्रकार के अपराधों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल, मामले में आगे की विवेचना जारी है।

भाजयुमो द्वारा इंजी अभय प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिवस पर सुंदरकांड पाठ

टीकमगढ़। आज स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप हनुमान मंदिर प्रांगण में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा जिलाध्यक्ष इंजी अभय प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर सुंदरकांड पाठ व भजन का आयोजन किया गया एवं उपस्थित आमजनों में प्रसाद वितरण हुआ। वहीं स्थानीय गौशाला में गौ पूजन कर गायों को आहार दिया गया एवं कदम का पेड़ लगाते हुए सभी के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम किया गया । इंजी अभय प्रताप सिंह यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ व भजन,गौ पूजन कर गायों को आहार एवं पौधारोपण कार्यक्रम किया गया । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार ने मध्यप्रदेश में गरीब, वंचित वर्ग व किसानों के लिए ऐतिहासिक कदम उठायें और उन्हें विकास की मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया है। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश ने पिछले दो वर्षों में विकास के हर क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है,साथ ही उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में विकास की गति तेज हुई है और विकास के संकेतकों में भी सकरात्मक सुधार हुआ है।ऐतिहासिक निर्णयों और नीतियों से प्रदेश में परिवर्तन का नया दौर शुरू हुआ है। वहीं प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने ,युवाओं की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए एवं किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में मोहन सरकार कार्य कर रही है और इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही हैं।प्रधानमंत्री मोदी के विजन और विकसित भारतञ्च2047 में डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश अहम भूमिका निभा रहा है।

रायसेन में लोकायुक्त की जांच में दोषी पर की गई सख्त कार्यवाही

रायसेन। रायसेन जिला पंचायत में लोकायुक्त द्वारा की गई भ्रष्टाचार की जांच में दोषी सुबेन्द्र यादव गलत जानकारी देकर और जानकारी छुपाकर भोपाल जिला पंचायत में जिला परियोजना प्रबंधक के पद पर कार्य कर रहा था, उसे शिकायद के बाद हटा दिया गया है। । वर्ष 2021 में रायसेन जिला पंचायत रायसेन में अकाउंटेंट के पद पर रहते हुए सुबेंद्र यादव एवं कई और कर्मचारियों द्वारा फर्जी यात्रा भत्ता पत्रक के माध्यम से आपने खातों में हजारो रुपय का गवन किया और अपने पूरे कार्यकाल में कई अन्य तरह से लाखों रुपएकी राशि निकाली। जिसकी शिकायत भोपाल के सोशल एक्टिविस्ट भूपेंद्र प्रजापति द्वारा लोकायुक्त भोपाल को की गई और लोकायुक्त द्वारा शिकायत की जाँच में सुबेंद्र यादव, नरेश शर्मा , रवि सारेजा को दोषी पाए गए लकिन दोषी कर्मचारियों से मामूली राशि की रिकवरी की गई और इनसे इस्तीफा लेकर इन्हे पद से हटाया गया था । कुछ समय बाद जिला पंचायत भोपाल में ग्राम स्वरोजगार अभियान में सुबेंद्र यादव जिला परियोजना प्रबंधक के पद पर नौकरी कर रहा था जिसकी सुचना सोशल एक्टिविस्ट भूपेंद्र प्रजापति को लगी जिसकी पड़ताल की गई तो पता चला कि जिला परियोजना प्रबंधक के अति महत्वपूर्ण पद पर सुबेंद्र यादव को नियन विरुद्ध एजेंसी के अनुबंध पर जिला परियोजना प्रबंधक के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके बाद भूपेंद्र प्रजापति द्वारा भोपाल न्यायालय के वरिष्ठ अधिक्ता अनिरुद्ध वर्मा के माध्यम से पंचायत राज संचनालय विकास भवन भोपाल एवं सम्बंधित एजेंसी को लीगल नोटिस भेजा जिसमे सुबेंद्र यादव के द्वारा रायसेन जिला पंचायत में रहते हुए किये गए भ्रस्टचार में दोषी होने के बाबजूद सुबेंद्र को नौकरी पर रखने पर आपत्ति ली गई और भ्रस्टाचार निवारण अधिनियमों का हवाला दिया गया जिस पर अनिरुद्ध वर्मा के नोटिस और भूपेंद्र प्रजापति की शिकायत पर विभाग एवं एजेंसी द्वारा सुबेंद्र यादव को तत्काल नौकरी से हटा दिया ।एजेंसी ने सुबेंद्र यादव पर आरोप लगाया कि उसके द्वारा पैसे के गबन एवं लोकायुक्त विभाग द्वारा की गई कार्यवाही सम्बन्धी जानकारी छुपाई गई है और कंपनी ने सुबेंद्र को निर्देश दिए है की वह तत्काल जहाँ- जहाँ भी पदस्थ रहे है वहाँ से प्राप्त दास्तावेज तुरंत जमा कराने को कहा है । सुबेंद्र यादव एवं अन्य दोषियों पर विधिक कार्यवाही एवं एफआईआर के लिए पत्र दिया वर्ष 2021 में भ्रस्टाचार का दोषी सुबेंद्र यादव, सुबेंद्र यादव, नरेश शर्मा , रवि सारेजा व इनको गलत भुगतान करने वाले पियूष जैन पर विधिक कार्यवाही एवं एफआईआर करने के लिए मंगलवार को लोकायुक्त में भूपेंद्र प्रजापति द्वारा पत्र दिया गया और इन दोषियों के सम्पूर्ण कार्यकाल की जाँच कराने के लिए लिखा गया । क्यों कि भ्रस्टाचार निवारण अधिनियम के अनुरूप दोषियों पर कार्यवाही नहीं हो पाई है।

रघुवंशी समाज का रामनवमी पर रामोत्सव-5 का भव्य आयोजन, तैयारियां पूर्ण

समय जगत, भोपाल। रामनवमी के पावन अवसर पर रामोत्सव हिंदू सांस्कृतिक उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले भव्य रामोत्सव-5 को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। रघुवंशी समाज द्वारा आयोजित यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन 27 मार्च शुक्रवार को श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों का प्रसार करते हुए समाज में एकता, संस्कार एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। आयोजन समिति के अनुसार, इस वर्ष कार्यक्रम में लगभग 2000 श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं व्यापक स्तर पर की गई हैं, ताकि किसी को असुविधा न हो। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राम गाथा होगा, जिसकी विशेष प्रस्तुति मोहित शिवानी द्वारा मिंटो हाल में दी जाएगी। शाम 5 बजे आयोजित शोभायात्रा के दौरान दिल्ली से आए शंखनाद एवं मधुरम बैंड द्वारा भजन जैमिंग की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी, जो वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। इस के उपरांत महाआरती को विशेष रूप से भव्य बनाने के लिए नर्मदापुरम से अनुभवी पंडितों की टीम आमंत्रित की गई है, जो नियमित रूप से नर्मदा घाट पर आरती संपन्न कराती है। उनकी उपस्थिति आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान करेगी। आयोजन की सफलता में विभिन्न पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय सचिव दिग्विजय रघुवंशी, मीडिया प्रभारी सुजीत रघुवंशी एवं अरुण रघुवंशी प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं श्री उमाशंकर रघुवंशी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुनंदा रघुवंशी, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रंजीत रघुवंशी जी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, योगी रघुवंशी,बृजेश रघुवंशी जी प्रदेश महासचिव वीरेंद्र रघुवंशी,कार्यक्रम अध्यक्ष विशाखा ब्रजेश रघुवंशी कार्यक्रम महिला अध्यक्ष, राकेश रघुवंशी जिला अध्यक्ष श्रीराम रघुवंशी, रघुवीर रघुवंशी, हरिनारायण रघुवंशी, अजमेर रघुवंशी, भवानी रघुवंशी , अशोक रघुवंशी, रवि रजनी रघुवंशी,राजेंद्र रघुवंशी , रमन रघुवंशी, पंकज रघुवंशी मनोज रघुवंशी आशीष रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी सेमरा, नितेश रघुवंशी , डॉ राहुल रघुवंशी, दिग्विजय रघुवंशी नोबल हॉस्पिटल, प्रदीप रघुवंशी, राघवेंद्र रघुवंशी, सुजीत रघुवंशी, अरुण रघुवंशी, प्रदीप रघुवंशी मंडीदीप, नितेश रघुवंशी सोहागपुर, चिंटू रघुवंशी, विशाल रघुवंशी, राजा रघुवंशी, निलेश रघुवंशी भी व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने सभी सामाजिक बंधुओं से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की गरिमा बढ़ाने एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित करने की अपील की है। कार्यक्रम को लेकर समाज में उत्साह और उमंग का विशेष वातावरण देखा जा रहा है।

शहर में गैस और पेट्रोल की किल्लत से लोग परेशान, गैस कंपनी के सामने लग रहीं कतारें

समय जगत, जबलपुर। अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध का असर अब प्रदेश में भी दिखाई देने लगा है। लोगों को गैस सिलेंडर पेट्रोल जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुएं मिलना बंद हो गई है प्रतिदिन देखा जा रहा है कि शहर की गैस एजेंसियों के दफ्तर के सामने हजारों की तादाद में महिला और पुरुष सिलेंडर लेकर लाइन में खड़े नजर आते हैं और गैस एजेंसियां उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता नहीं कर रही है उन्हें सही मार्ग और रास्ता नहीं बताया जा रहा। वहीं प्रशासन गैस की कमी न होने का दावा कर रहा है उसकी नजरों में यह हजारों की तादाद में लंबी-लंबी लगी लाइन नजर नहीं आ रही उनका कहना है कि लोग जबरदस्ती परेशान हो रहे हैं। गैस भरपूर मात्रा में उपलब्ध है परंतु आम नागरिक को कहीं गैस सहजता से उपलब्ध होती नहीं दिख रही शायद इसका कारण यह है कि बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारियों के घर पर गैस एजेंसी वाले सुगमता से गैस उपलब्ध करा रहे हैं तो उनको इस बात का एहसास नहीं है कि नवरात्रि में तपती धूप में व्रत के दिनों में भी महिला और पुरुष बच्चे लंबी-लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं और वहां ना उन्हें पानी की सुविधा है ना खाने की सुविधा है और न बैठने की। धूप में गैस के इंतजार में बेचारे पहचान हो रहे हैं शहर के किसी भी गैस एजेंसी मालिक बघेल स्वतंत्रता सेनानी विश्वनाथ कहीं पर भी जाकर आप देखेंगे तो एक सही नजर हजारों की तादाद में लोग लंबी-लंबी सड़क पर लाइन लगाकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैंद्ध फिर भी उनको गैस नहीं मिल रही और वह शाम को हताश होकर जिम्मेदारों

को कोसते हुए घर चले जाते हैं। जब हमारी टीम ने इन गैस एजेंसी में जाकर बात करने की और वस्तु स्थिति जानने की कोशिश की तो कोई भी कंपनी वाला सही जवाब देने से बचता रहा और प्रशासन के ऊपर मामला डालता रहा यह सब ऊपर से जो हमें वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश मिले हैं। हम उनका पालन कर रहे हैं मलिक गैस एजेंसी में वहां के कर्मचारी अभद्रता पर उतारू हो गए उनका कहना था कि आप लोगों को उकसा रहे हैं जबकि उन्होंने तो यह कहा कि भाई जब गैस नहीं है तो आप लोगों को बाहर इतनी लंबी-लंबी लाइन लगाकर इंतजार क्यों कर रहे हैं । आप बाहर बोर्ड लगाइए कि भाई गैस उपलब्ध नहीं है महिला बच्चे धूप में ताप रहे हैं फिर कर्मचारी ने उन्हें वहां से चले जाने के लिए कहा और वह शांतिपूर्वक वहां से चले । कलेक्टर से भी संपर्क करने की कोशिश की पर वह अपनी व्यवस्था के चक्कर में उपलब्ध नहीं मिले। अब सवाल यह उठता है कि आमजन क्या करें यहां सरकार दावा करती है कि सब कुछ सामान्य है और यह एजेंसी गैस एजेंसियों के सामने लगी लाइन कुछ और कहानी बयां करती हैं । लोगों ने बताया कि गैस एजेंसियों के कर्मचारी 2500 से लेकर 3100 तक लेकर लोगों को पीछे दरवाजे से गैस उपलब्ध करा रहे हैं यानी ब्लैकमेल कर रहे हैं परंतु सबूत के अभाव में उन पर कार्रवाई नहीं किया सकती स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गैस एजेंसी के सामने कई ऐसे लोग मिले। नंबर था परंतु गैस उनके रिकॉर्ड में डिलीवर दिख रही थी। यानी सीधा-सीधा होकर के द्वारा किसी और को गैस ऊंचे दामों में बेचदी गई और वह आदमी को भी सही जवाब नहीं दिया जा रहा। वह जानना चाह रहा था कि भाई मेरे पास अगर नंबर है मैंने मेरी किताब में नहीं चढ़ा है तो फिर यह गैस गई तो कई कहां । इन सब परेशानियों को देखते हुए जनता में रोज था लोगों का कहना है कि सब एक तो व्रत नवरात्र चल रही दूसरा हमको काम धंधा छोड़कर सुबह 6 से गैस एजेंसी के सामने खड़ा होना मजबूरी है।

हतनूर पुल: मिट्टी माफिया का आतंक

प्रशासन हो सक्रिय, बर्बाद हो रहे केले के बगीचे

अवैध उत्खनन की भेंट चढ़ रहा हतनूर पुल का भूगोल, हजारों ट्रैक्टरों की धमाचौकड़ी से किसान त्रस्त

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के दक्षिण का द्वार कहे जाने वाले बुरहानपुर जिले में इन दिनों सफेद सोने कपासऔर पीले सोने केला की चमक फीकी पड़ती जा रही है, और इसकी वजह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि इंसानी लालच है। जिले के हतनूर क्षेत्र में अवैध मिट्टी उत्खनन का काला कारोबार इस कदर हावी हो चुका है कि मानों यहाँ शासन-प्रशासन का अस्तित्व ही समाप्त हो गया हो। हतनूर पुल के आसपास के क्षेत्रों में दिन-रात मिट्टी का सीना चीरा जा रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो रही है, बल्कि क्षेत्र के किसानों की रीढ़ कहे जाने वाले केले के खेतों पर भी मौत का साया मंडराने लगा है।

लोग हो रहे बीमार: हतनूर पुल के पास चल रहे इस अवैध खेल का सबसे भयावह पहलू यह है कि मिट्टी से लदे हजारों ट्रैक्टर बिना किसी रोक-टोक के खेतों के बीच से गुजर रहे हैं। बुरहानपुर की पहचान यहाँ की विश्वप्रसिद्ध केला से है प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय किसानों के अनुसार, मिट्टी परिवहन करने वाले वाहनों से उड़ने वाली धूल की मोटी परत केले के पत्तों पर जम रही है। धूल के कारण पौधों की प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया बाधित हो रही है, जिससे फसल की गुणवत्ता गिर रही है और फल समय से पहले खराब हो रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो हतनूर का किसान कर्ज के बोझ तले दब जाएगा।

नियमों के मुताबिक, किसी भी प्रकार के उत्खनन के लिए खनिज विभाग और राजस्व विभाग की अनुमति अनिवार्य है। खुदाई की एक निश्चित गहराई तय होती है, लेकिन हतनूर में भू-माफिया ने जमीन को पाताल तक खोदने की कसम खा रखी है। गहरी खाइयों के कारण भूमिगत जल स्तर पर भी विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका गहरा गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हजारों की संख्या में दौड़ रहे ये ट्रैक्टर आखिर किसकी शह पर सड़कों और खेतों को रौंद रहे हैं? क्या विभाग को इन हजारों टायरों की गूँज सुनाई नहीं दे रही?

राजस्व को नुकसान : यह केवल पर्यावरण का नुकसान नहीं है, बल्कि सरकारी खजाने पर भी डकैती है। बिना रॉयल्टी और बिना परमिशन के चल रहे इस कारोबार से सरकार को मिलने वाले राजस्व का बड़ा हिस्सा माफियाओं की जेब में जा रहा है। सूत्रों की मानें तो इस खेल में ऊँचे रसूख वाले लोगों का हाथ है, जिसके चलते स्थानीय स्तर पर अधिकारी भी आँखें मूंदकर बैठे हैं। कार्रवाई के नाम पर कभी कभार एक-दो ट्रैक्टरों को पकड़कर खानापूर्ति कर दी जाती है।

लेकिन मास्टर माइंड हमेशा कानून की पहुँच से बाहर रहते हैं। बड़े पैमाने पर हो रही खुदाई से बारिश के दौरान मिट्टी के कटाव का खतरा बढ़ गया है।

भारी भरकम ट्रैक्टरों के बोझ से ग्रामीण सड़कें पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टरों के कारण आए दिन राहगीरों और स्कूली बच्चों के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है कई जगहों पर उत्खनन के कारण खेतों की मेड़ें और सिंचाई की नालियां तक क्षतिग्रस्त कर दी गई हैं।

माफिया का मजबूत नेटवर्क: क्षेत्र में चर्चा है कि अवैध उत्खनन की सूचना समय-समय पर संबंधित अधिकारियों को दी जाती है, लेकिन टीम के पहुँचने से पहले ही माफियाओं तक खबर पहुँच जाती है। यह मुखबिर तंत्र प्रशासन के भीतर बैठा है या बाहर, यह जांच का विषय है।

सातवें दिन मां खेरमाई का काली रूप में भव्य श्रृंगार उमड़ा आस्था का सैलाब

समय जगत, जबलपुर। नवरात्र के पावन अवसर पर भानतलैया स्थित प्राचीन बड़ी खेरमाई मंदिर में सप्तमी तिथि पर माता का काली स्वरूप में अलौकिक श्रृंगार किया गया। इस दिव्य रूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई और पूरे क्षेत्र में भक्ति एवं आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला। भानतलैया क्षेत्र में स्थित बड़ी खेरमाई मंदिर लगभग 800 से 1000 वर्ष पुराना अत्यंत प्राचीन एवं स्वयंभू शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना गोंड शासनकाल में हुई थी, जिसका संबंध मदन शाह और संग्राम शाह से जोड़ा जाता है। यह स्थल प्राचीन काल से ही तांत्रिक साधना और ऋषि-मुनियों की तपोभूमि रहा है। मंदिर में विराजित माता एक शिला स्वरूप में स्थापित हैं, जिन्हें माता दुर्गा का ही रूप माना जाता है। श्रद्धालु उन्हें क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी, ग्रामदेवी और कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

ऐसी मान्यता है कि मां खेरमाई शहर की रक्षा करती हैं और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, हवन और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहता है। सप्तमी के दिन माँ के काली स्वरूप के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे भानतलैया क्षेत्र में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

5वीं-8वीं बोर्ड परिणाम घोषित

निवास विकासखंड अव्वल, जिले का प्रदर्शन सराहनीय

मण्डला। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं एवं 8वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। मण्डला जिले ने कक्षा 5वीं में 98.17 प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश में 11वां स्थान तथा कक्षा 8वीं में 95.73 प्रतिशत परिणाम के साथ 16वां स्थान प्राप्त किया है। शिक्षा विभाग के अनुसार जिले का कुल परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा है।

कक्षा 8वीं में निवास सबसे आगे- विकासखंडवार प्रदर्शन में कक्षा 8वीं में निवास विकासखंड ने 99.91 प्रतिशत परिणाम के साथ जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। घुघरी 99.31 प्रतिशत के साथ दूसरे, नारायणगंज 99.02 प्रतिशत के साथ तीसरे, बीजाडांडी 98.94 प्रतिशत के साथ चौथे तथा मोहगांव 98.35 प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इसके अलावा नैनपुर 97.05 प्रतिशत के साथ छठवें, मवई 96.50 प्रतिशत के साथ सातवें, बिछिया 92.75 प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर रहा, जबकि मण्डला विकासखंड 90.07 प्रतिशत परिणाम के साथ नौवें स्थान पर रहा।

कक्षा 5वीं में निवास का शत-प्रतिशत परिणाम- कक्षा 5वीं में भी निवास विकासखंड ने 100 प्रतिशत परिणाम के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। बीजाडांडी 99.81 प्रतिशत के साथ दूसरे, नारायणगंज 99.77 प्रतिशत के साथ तीसरे, मोहगांव 99.61 प्रतिशत के साथ चौथे तथा घुघरी 99.35 प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर रहे। बिछिया 99.21 प्रतिशत के साथ छठवें, मवई 99.19 प्रतिशत के साथ सातवें, नैनपुर 98.46 प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर रहा, जबकि मण्डला विकासखंड 93.74 प्रतिशत के साथ नौवें स्थान पर रहा।

अधिकारियों ने दी बधाई- जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं डीपीसी कुलदीप कठल ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उत्कृष्ट परिणाम बीआरसी एवं शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। यह परिणाम जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है, जिनमें आंशिक संशोधन संभव है।

इनका कहना है

कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम संतोषजनक रहा है। आगामी शैक्षणिक सत्र में प्रदेश स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे।
कुलदीप कठल, डीपीसी, मण्डला

सार-समाचार

साहू समाज ने विवाह सम्मेलन को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को दिया आमंत्रण

समय जगत, सिलवानी। जिला साहू समाज रायसेन (मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा) के तत्वाधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला नि :शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन इस वर्ष 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्राम खेरी जयपुरा में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन इस बार अपने 39वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। सम्मेलन को लेकर साहू समाज में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं और समाज के लोग घर-घर जाकर आमंत्रण दे रहे हैं। इसी कड़ी में गत दिवस साहू समाज के पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर उन्हें सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे कार्यक्रम में उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, रायसेन जिला साहू समाज अध्यक्ष केशराम साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष राम कुमार साहू, तहसील अध्यक्ष रेवाराम साहू (बम्हौरी), गोबिंद साहू (बम्हौरी) तथा युवा जिला अध्यक्ष शिव कुमार साहू (कुण्डली) सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। साहू समाज के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक एकता को बढ़ावा देना एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। हर वर्ष बड़ी संख्या में जोड़े इस आयोजन में परिणय सूत्र में बंधते हैं, जिससे समाज में आपसी सहयोग और समरसता का संदेश प्रसारित होता है।

सोमिल यादव एनएसयूआई के पुनः ब्लॉक अध्यक्ष किये गये नियुक्त

समय जगत, बेगमगंज। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे से एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल की सहमति से एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी ने सोमिल यादव को एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष बेगमगंज नियुक्त किया है। पुन : अध्यक्ष नियुक्त होने पर सोमिल यादव ने सभी वरिष्ठों का आभार व्यक्त किया। सोमिल के अध्यक्ष बनने पर ब्लॉक कांग्रेज अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, जाहर सिंह लोधी संजय राय, सौरभ शर्मा, नीरज यादव, जफर शाह, वासु समैया प्रदीप कारोलिया, अभिनय श्रीवास्तव, शिव सेन, मुजाहिद अहमद, आशीष लोधी, जयकरण पटेल, हेमंत गौर, आयुष्मान पट्या, शुभम् साहू, हर्ष गुप्ता आदि ने बधाई दी है।

पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों पर ध्यान न दें : संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े

इंदौर। संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े ने आज सम्भाग के सभी कलेक्टर्स और पेट्रोल डीजल कंपनियों के वितरकों के साथ बैठक की। बैठक में कंपनियों के पास मौजूदा समय में उपलब्ध स्टॉक सहित नागरिकों द्वारा बनाये गए पैनिक की स्थिति के मद्देनजर जिलो में पेट्रोल डीजल के सप्लाई चेन को निर्बाध्य रूप से सतत पूरी करने के निर्देश दिए है। सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनके पास पर्याप्त स्टॉक हमेशा रहता है और बुधवार को भी पर्याप्त स्टॉक रहा। कंपनियों द्वारा भी नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया गया है। इस सम्बंध में इंदौर सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने स्पष्ट किया है कि इंदौर एवं इंदौर संभाग में पेट्रोल-डीजल की किसी प्रकार की कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पैनिक न हों। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि संभाग में वर्तमान में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा भविष्य की आवश्यकता के लिए भी पर्याप्त स्टॉक सुरक्षित है। ऑयल कंपनियों को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही बढ़ती मांग को देखते हुए सप्लाई चेन को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। संभागायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे वाहनों के अतिरिक्त पेट्रोल-डीजल का

अनावश्यक भण्डारण न करें, क्योंकि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिनों की तरह ईंधन की उपलब्धता निरंतर बनी हुई है। प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर निगरानी रखे हुए है तथा नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

वितरक कंपनियों द्वारा जिला प्रशासन के साथ स्टॉक की उपलब्धता करेगा शेयर

बैठक में सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम व हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि जिलो में भी जिला प्रशासन के साथ स्टॉक की उपलब्धता के सम्बंध में डेटा शेयर करेंगे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि वितरण व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के पेट्रोल पम्पों पर स्टॉक उपलब्ध कराया जाए। आगे भी इस व्यवस्था को बनायें तथा सभी पेट्रोल पम्पों पर अनाउंस सिस्टम पर उपभोक्ताओं को संबोधित करें। इसके अलावा वितरक कंपनियां ब्लैक मार्केटिंग करने वाले डीलर पर तत्काल कार्यवाही करें।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बेगमगंज। किसानों की समस्याओं और उनकी प्रमुख मांगो को लेकर किसान कांग्रेस ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने मुख्यमंत्री से मांग की है समस्त किसानों को वर्तमान समय में बहुत परेशानी हो रही है, लेकिन उनका अब तक कोई हल नहीं किया गया है। गांव से लेकर पूरे प्रदेश का किसान अभी दु:खी है। किसान की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। लागत अधिक होकर आय घटती जा रही है। सभी किसान ब्लाक किसान कांग्रेस कमेटी के माध्यम से विभिन्न मांगों को हल किया जाए। जिसमें सोसायटी में ऋण जमा करने की अंतिम तारीख 28 मार्च है। जबकि गेहूं की एमएसपी खरीद 1 अप्रैल से शुरू होगी।

सरकार से मांग है कि किसानों को ऋण जमा करने की तारीख बढ़ाकर 31 मई 2026 की जावे ताकि किसान जीरो प्रतिशत ऋण ब्याज का लाभ ले सके।अमेरिका के साथ ट्रेडडील में सोयाबीन खाद्य तेल के टेक्स फ्री आयात को तत्काल रोका जावे, क्योकि इससे देशी सोयाबीन उत्पादक किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। मंडी में भाव नहीं मिल पा रहा है इस कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। जिन किसानों

की फसल वारिस ओला वृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हुई है उनका तत्काल सर्वे कराया जावे तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा के साथ फसल बीमा का लाभ जल्द से जल्द दिया जावे। गेहूं खरीदी को 4000 रूपये प्रति क्विंटल की दर से दिया जाये ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।पराली जलाने वाले किसानों को ही चिन्हित किया जाए किसी भी प्रकार से अन्य किसानों पर एफआईआर और कार्यवाही करना अन्याय पूर्ण होगा। उक्त मांगों को लेकर किसान कांग्रेस ने बुधवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम सौरभ मिश्रा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और शीघ्र निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, किसान कांग्रेस अध्यक्ष सोरभ शर्मा, प्रकाश पटेल, एड. राजेश यादव, राजकुमार शुक्ला, विजय पहलवान, सगीर अली, साकिर मंसूरी, रवि बैध,आदित्य पटेल, प्रदीप कारोलिया, आयुष्मान पट्या, बासू समैया, सोमिल यादव सहित अनेक किसान मौजूद थे।

मध्य प्रदेश के 1.60 लाख शिक्षकों की मांग, सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई के साथ जनआंदोलन भी रहेगा जारी

टीईटी अनिवार्यता पर केंद्र करेगा सकारात्मक निर्णय, धर्मेंद्र प्रधान का आश्वासन

समय जगत, मण्डला। मध्य प्रदेश के शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से संसद भवन में मुलाकात कर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने 6 पृष्ठीय ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि इस मामले से प्रदेश के लगभग 1.60 लाख और देशभर के करीब 25 लाख शिक्षक प्रभावित हैं, जिससे एक बड़ा मानवीय संकट उत्पन्न हो गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मध्य प्रदेश में अनेक शिक्षक वर्षों से अल्प वेतन, पुरानी पेंशन के अभाव और सीमित सुविधाओं के बावजूद सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से अधिकांश पहले शिक्षाकर्मी एवं संविदा शिक्षक रहे हैं, जो बाद में नियमित शासकीय शिक्षक बने। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने हेतु केंद्र सरकार अध्यादेश लाए। इस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आश्वस्त किया कि सरकार शिक्षकों के हित में सकारात्मक निर्णय लेगी और उन्हें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मामला वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मध्य प्रदेश ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. सिंगौर ने किया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार द्वारा स्पष्ट समाधान नहीं दिया जाता, तब तक शिक्षकों का संघर्ष न्यायालय और जनआंदोलन दोनों स्तरों पर जारी रहेगा। प्रांतीय सचिव हेमेंद्र मालवीय ने राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी का आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को दो दिनों तक संसद में रहकर सांसदों, मंत्रियों और विधि विशेषज्ञों से चर्चा करने का अवसर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि नियुक्ति के समय लागू नियमों के आधार पर भर्ती के बाद सेवा के अंतिम चरण में नियमों में बदलाव करना न्यायसंगत नहीं है, जिससे शिक्षकों की नौकरी पर संकट उत्पन्न हो रहा है। एसोसिएशन ने जानकारी दी कि टीईटी प्रकरण में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रविशंकर झा सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करेंगे। पिछले तीन दिनों से प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में रहकर न्यायालयीन और विधायी स्तर पर नियमों में संशोधन के प्रयास कर रहा है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सुरेश यादव, प्रदेश सचिव हेमेंद्र मालवीय, कसर सिंह सोलंकी, उमेश यादव, उमेश राठौर, शैलेन्द्र जाधव, निलेश भावसार, राजेश जोशी, आशीष भावसार एवं रवि त्रिपाठी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com

निषादराज की मनाई गई जयंती, बड़ी संख्या में पहुंचे समाजजन

माझी समाज को मिले आरक्षण का लाभ : रामकृष्ण

समय जगत, दमोह। जिला रैकवार, केवट, बर्मन, धुरिया, कहार, कश्यप, निषाद बाथम, भोई मल्लाह, ढीमर माझी समाज ने प्रभु श्रीराम के सखा माझी समाज के आराध्य देव निषादराज महाराज की जयंती पर दमोह विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें फुटेरा मुहल्ला, शोभा नगर, फिल्टर कालोनी, पलंदी चौराहा, मुकेश नायक कालोनी, चैनपुरा, बजरिया वार्ड 7, लोको से स्वजातीय बंधु डीजे की धुन पर गाजे बाजे के साथ नाचते-झूमते हुए महाराणा प्रताप स्कूल मैदान पहुंचे। जहां भगवान निषादराज महाराज के चित्र का पूजन स्वजातीय बंधुओं के द्वारा किया गया। जहां पर हजारों की संख्या के साथ निषादराज महाराज की जयंती पर विशाल शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो पुराना थाना, मोहन टॉकीज, बकौली सांई मंदिर, घंटाघर, राय तिराहा, बस स्टैंड, जिला सहकारी बैंक, बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर चौराहा, भाजपा कार्यालय कीर्ति स्तंभ से शिवाजी चौक से वापस

महाराणा प्रताप स्कूल मैदान में प्रसाद वितरण के साथ शोभायात्रा का समापन किया गया। निषादराज शोभायात्रा के दौरान प्रभु श्रीराम, सीता मैया ओढ़े निषादराज महाराज की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जहां पर शहर के विभिन्न चौराहों पर शोभायात्रा में भगवान का पुष्प वर्षा कर आरती पूजन के साथ स्वागत किया गया।

ढिमरयाई नृत्य ने किया मंत्रमुग्ध : निषादराज जयंती पर रैकवार केवट बर्मन धुरिया समाज का परंपरागत ढिमरयाई नृत्य की प्रस्तुति जगह-जगह होती रही जिसने स्वजातीय बंधुओं और दमोह के आमजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। हजारों की संख्या में माझी समाज ने दिखाई ताकत निषादराज जयंती पर दमोह नगर में आयोजित शोभायात्रा में दमोह कि रैकवार, माझी, केवट, बर्मन, धुरिया कहार निषाद बाथम समाज ने अपनी सामाजिक एकता की ताकत दिखाई और जिस तरह हजारों की संख्या में माझी समाज निकली है वह एक बड़ी ताकत के साथ माझी समाज का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।

माझी समाज बचन का पक्का है : **जयंत मलैया:** निषादराज जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दमोह विधायक जयंत मलैया ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा तो माझी समाज से कई वर्षों से पुराना रिश्ता है मैंने देखा है कि माझी समाज बचन की पक्की है और यह बात सत्य है कि मित्रता निभाने में माझी समाज कभी पीछे नहीं हटती है। माझी समाज को मिलें आरक्षण का लाभ तो हमारी समाज की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। रामकृष्ण रायकवार मप्र माझी आदिवासी महासंघ के प्रदेश महामंत्री निषादराज जयंती में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने दमोह पहुंचे जहां पर उन्होंने कहा कि दमोह से मेरा गहरा रिश्ता है। उन्होंने कहा कि 1992 में मप्र की सुंदर लाल पटवा की भाजपा सरकार ने माझी, केवट, रैकवार, भोई मल्लाह कहार निषाद बाथम माझी को आरक्षण का लाभ दिया था।

आवागमन व्यवस्था को सुगम बनाये रखने निगम प्रशासन के प्रयास निरंतर जारी

अतिक्रमण के खिलाफ वृहद स्तर पर चलाया गया अभियान

समय जगत, कटनी। शहर में नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन द्वारा सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण और अव्यवस्थित वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था को नियंत्रित कर आवागमन व्यवस्था को सुचारू बनाये रखना है। अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह ने बताया कि इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण दल द्वारा गत दिवस शहर के प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त क्षेत्रों माधव नगर, विश्राम बाबा रोड एवं बरही रोड, खिरहनी फाटक में वृहद स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाकर आवागमन को सुगम बनाने के प्रयास किए गए। अभियान के दौरान जहां मुख्य मार्गों के किनारे अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले आदतन व्यवसायियों पर 8 हजार 300 रूपये का जुर्माना किया जाकर स्थल को खाली कराकर आवागम सुगम बनाकर,

संबंधितों को सार्वजनिक मार्गों में दोबारा अतिक्रमण कर व्यवसाय नहीं करने की सख्त हिदायत भी दी गई। वहीं कार्यवाही के दौरान ऐसे वाहन जो सार्वजनिक मार्गों में अव्यस्थित रूप से खड़े होकर आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे थे, उनके मालिकों के विरुद्ध भी 3 हजार 200 रूपये के जुर्माने की कार्रवाई की जाकर मार्ग के आवागमन को सुगम बनाने के प्रयास किये गए। निगम प्रशासन का कहना है कि सड़कों पर अस्थाई अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण आम नागरिकों को अनावश्यक जाम और असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए अभियान को नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि शहर की आवागमन व्यवस्था को और भी सुचारू बनाया जा सके। नगर निगम द्वारा आम नागरिकों से सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें और अपने वाहनों को निर्धारित स्थानों पर ही पार्क करने की अपील करते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुविधा और सुगम आवागमन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

महामाई मायका मंदिर के सामने फैली गंदगी, नपा नहीं रही ध्यान पूर्व पार्षद ने लगाया आरोप

समय जगत, सिरोंज। नगर की आस्था का केंद्र नयापुरा स्थित महामाई मायका मंदिर जाने वाले श्रृदालु नपा प्रबंधन की अनदेखी से काफी दुखी व परेशान है और मंदिर के सामने स्थित रोड पर भरा नालियों के गंदा पानी की नपा द्वारा सफाई न करने के कारण श्रृद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नपा का सफाई अमला जानबूझकर भी महामाई मायका मंदिर के सामने भरा हुआ गंदा पानी की निकासी नहीं कि जा रही है। पूर्व पार्षद महेंद्र गौड़ ने आरोप लगाया कि महामाई मंदिर ग्राम में स्थित होने पर भी नपा का पूरा अमला व्यवस्थाओं में जुटा हुआ है और महामाई मायका मंदिर नगर के बीचों बीच होने पर नपा सफाई को लेकर बिल्कुल ध्यान नहीं रही है, जिससे श्रृदालुओं में आक्रोश बना हुआ। उल्लेखनीय हो कि महामाई मायका मंदिर काफी प्राचीन होने से नवरात्रि पर्व पर श्रृद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ती है।

कार्रवाई करने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

समय जगत, विदिशा। कुरवाई तहसील के ग्राम कांकर निवासी एक पिता ने अपने पुत्र को एक्सीडेंट में खो देने के बाद ट्रैक्टर मालिक पर कार्रवाई और सहायता राशि की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हो जाने के बाद उनके बेटे की मौत हो गई थी, जिसका मामला उन्होंने कुरवाई थाने में दर्ज कराया है, लेकिन पुलिस द्वारा उनकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रघुनाथ वंशकार पिता कीरत सिंह वंशकार ने बताया कि उनका बेटा 19 वर्षीय अनिकेत वंशकार जिसकी मृत्यु 23 अक्टूबर 2025 की शाम को लगभग 7 बजे जॉनडियर ट्रैक्टर से एक्सीडेन्ट हो जाने के कारण हो गई है। जॉनडियर ट्रेक्टर का रजिट्रेशन नम्बर एमपी 40 ए 6497 है। पठारी तहसील के ग्राम सफली निवासी भारत सिंह लोधी के नाम से ट्रैक्टर दर्ज है। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र अनिकेत की मृत्यु थाना कुरवाई में एफआईआर रिपोर्ट दर्ज कराई थी किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, उन्हें गुमराह किया जा रहा है। जबकि ट्रैक्टर का बीमा भी नहीं है। उन्होंने कहा की आज-कल कहकर टाल दिया जाता है।

बाजार में आई रसीले फलों की बहार

समय जगत, बिस्टान। गर्मी की शुरुआत के साथ ही नगर में रसीले फलों की आवक शुरू हो गई है। नगर में लगभग 15 दिनों से तरबूज, खरबूजा, अंगूर, मोसंबी, संतरे, केले, आने लगे हैं 20 से 30 रुपए दर्जन के भाव से बिकने वाला केला ?40 रुपये दर्जन में बिक रहा है। अंगूर 80 से 100 रुपये किलो, तरबूज 15 से 20 रुपये किलो खरबूजा 40 रुपए किलो बिक रहे हैं। भाव आम आदमी की पहुंच में होने से उनकी खरीदी भी खूब हो रही है। बस स्टैंड सड़क किनारे लगे ठेलों पर राहगीर फल खरीदने नजर आ जाते हैं। फल विक्रेता अमित, सुमित, अंकित, के अनुसार फिलहाल मावठे की बारिश होने से तेज गर्मी नहीं हो रही है।

प्रशिक्षण वर्ग में जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के सिद्धांत, नीति और विचारधारा की दी जानकारी

सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : संजय पाठक

समय जगत, कटनी। विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही एवं खितौली मंडल में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के आवासीय शिविर का आयोजन हुआ। इस महाभियान का उद्देश्य भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक संजय पाठक, जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, जिला प्रभारी सुजीत जैन, महामंत्री मनीषदेव मिश्रा, सुनील उपाध्याय ने भारत माता पं.दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तेलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम एवं वर्ग गीत का गायन हुआ। प्रशिक्षण वर्ग की संबोधित करते हुए विधायक संजय पाठक ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। गरीब, किसान, युवा, महिला और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं बच्चे के जन्म से लेकर वृद्ध तक हर व्यक्ति हमारी सरकार के द्वारा दिए लाभ का हितग्राही है और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे इन योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करें यही हमारा दायित्व है। दोनों मंडलों के सत्रों में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन एवं जिला प्रभारी सुजीत जैन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण को और अधिक गहराई से समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा देने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास की भावना को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प से प्रेरित एक अनुशासित और सशक्त संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन, संवाद, सद्भावना, सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय और सकारात्मक सोच स्थापित करने की प्रेरणा दी।

शेष शराब दुकानों के नहीं आ रहे टेंडर, दस प्रतिशत कम तक के टेंडर होंगे स्वीकार

समय जगत, पन्ना। मध्य प्रदेश की नई आबकारी नीति के अंतर्गत पन्ना जिले में शराब दुकानों के ई टेंडर कम ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से निष्पादन की प्रक्रिया चल रही है। अभी तक छह चरणों में जिले की लगभग 43 प्रतिशत शराब दुकानों का ही निष्पादन हो पाया है। चूंकि शासन द्वारा निर्धारित आरक्षित मूल्य अधिक होने से ठेकेदार रुचि नहीं दिखा रहे थे, इसलिए शासन को अब निर्धारित आरक्षित मूल्य से 10 प्रतिशत कम मूल्य पर भी टेंडर स्वीकार करने के निर्देश देने पड़े है। जिला आबकारी अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि आबकारी आयुक्त से प्राप्त निर्देशों के आधार पर जिला निष्पादन समिति के माध्यम से शेष 16 मदिरा दुकानों को 07 छोटे समूहों में पुनः वर्गीकृत किया गया है। पवई समूह में शराब दुकान पवई, कृष्णगढ़ और मुड़वारी शामिल है। जिसका आरक्षित मूल्य 27 करोड़ 14 लाख 54 हजार 821 रुपए है। देवेंद्र नगर समूह में शराब दुकान समूह देवेंद्र नगर और सुंदरा जिसका कुल आरक्षित मूल्य 15 करोड़ 79 लाख 82 हजार 185 रुपए है। सलेहा समूह में शराब दुकान सलेहा, सुपंथा और पटना तमोली जिसका कुल आरक्षित मूल्य 15 करोड़ 96 लाख 42 हजार 270 रुपए है। गुनौर समूह में शराब दुकान गुनौर और बराछ जिसका कुल आरक्षित मूल्य 19 करोड़ 36 लाख 70 हजार 787 रुपए है। अजयगढ़ समूह में शराब दुकान अजयगढ़ और सिंहपुर शामिल है। जिसका आरक्षित मूल्य 15 करोड़ 79 लाख 82 हजार 185 रुपए है। मोहन्द्रा समूह में शराब दुकान मोहन्द्रा और हरदुआ पटेल शामिल है। जिसका आरक्षित मूल्य 13 करोड़ 66 लाख 16 हजार 216 रुपए है। रैपुरा समूह में शराब दुकान रैपुरा और बघवार कला शामिल है, जिसका आरक्षित मूल्य 14 करोड़ 24 लाख 84 हजार 831 रुपए है। इन शेष सात समूहों के ई टेंडर कम ऑक्शन को ऑनलाइन लाइव कर दिया गया है। इच्छुक टेंडर दाता ऑनलाइन टेंडर डाल सकते हैं।

नपा परिषद की हुई बैठक में प्रस्तुत किया गया बजट

समय जगत, सिरोंज। नगर पालिका परिषद की बैठक नपा के सभागार में अध्यक्ष मनमोहन साहू व उपाध्यक्ष मनोज शर्मा की मौजूदगी में हुयी। परिषद की बैठक में इस वर्ष का अनुमानित बजट प्रस्तुत किया। नगर पालिका परिषद सिरोंज द्वारा वित्तीय बजट 2026-2027 बैठक में अनुमानित आय 1946320228 एवं अनुमानित व्यय 1946318228 रहा। जिसमें शुद्ध लाभ 2000 रहा। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 60 करोड़ रुपए की राशि का बजट में प्रावधान किया गया है। नगर पालिका द्वारा विकास हेतु नागरिकों की मूलभूत सुविधा हेतु शासन निर्णय अनुसार 5 वर्षों की कई योजना तैयार की गई जो कि इस बजट की प्रावधान द्वारा किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष बजट 2026-27 में प्रत्येक वार्ड में रोड निर्माण एवं नाली निर्माण हेतु एक करोड रुपए कभी प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों का निर्माण संधारण सौंदर्य करण हेतु 50 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है गौशाला निर्माण हेतु एक करोड रुपए की राशि का

प्रावधान किया गया है। बैठक में नगर पालिका क्षेत्र से जुड़े हुए विकास के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। उक्त बैठक में शांतिपूर्वक एवं सर्वसम्मति से समस्त प्रस्ताव पारित की गए। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, पार्षदगण रामदयाल विश्वकर्मा श्रीमती रानी सचिन शर्मा, हरि चरण अहिरवार, नदीम उर्फ नव नद्दू खां अजमल शेरखान, फहीम भाई, श्रीमती संगीता गुड्डु यादव, खालिद भाई, जय नारायण सेन, राजेंद्र कुशवाहा, धर्मेंद्र जैन, रुपेश यादव, संजय सोनी इमरान कुरेशी, टीकाराम शाक्य बलजीत यादव फारूक गौरी राजा भाई एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्षद ने उठाये सवाल: कांग्रेस पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा ने सवाल उठाया कि नपा कि दुकानों का किराया आया 709090 और नगर पालिका परिषद ने दुकानों का जीएसटी भरा 738242 साथ ही शहरवासियों के पैसों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया (1)181230 का चारा (2) 18 लाख 65000 के विज्ञापन (3) 1200000 नाश्ता पानी पर (4) 100000 के फूल (5) टेंट व्यवस्था पर लगभग 54 लाख (6) 500000 फ्लेक्स पर खर्च करना बताया है।

विदिशा में 11वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन संपन्न

अमर शहीदों की स्मृति में काव्य सरिताओं ने देशभक्ति से किया सराबोर

विदिशा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का बाकी यही निशां होगा। जगदंबा प्रसाद मिश्र हितैषी की इन कालजयी पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए मातृभूमि युवा परिषद द्वारा शहीद दिवस के पावन अवसर पर आयोजित 11वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं शहीद सम्मान समारोह विगत रात माधवगंज स्थित जयप्रकाश मंच पर भव्यता के साथ संपन्न हुआ। परिषद के अध्यक्ष नागेंद्र लोधी के नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम के माध्यम से विदिशा नगर पिछले 11 वर्षों से लगातार अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को नमन करता आ रहा है। 11वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं शहीद सम्मान समारोह सोमवार रात माधवगंज स्थित जयप्रकाश मंच पर

भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल, विधायक मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी, भाजपा नेता संदीप सिंह, राकेश शर्मा, राम रघुवंशी एवं कसान यादव द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर परिषद द्वारा शहीद सम्मान समारोह के अंतर्गत देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद चंद्रकांत तारे एवं शहीद राजेंद्र राजपूत के परिजनों का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भावपूर्ण सम्मान किया गया। उपस्थित जनसमूह ने खड़े होकर अमर शहीदों की शहादत को नमन किया।

हास्य, श्रृंगार और वीर रस का संगम: कवि सम्मेलन का आगाज ललितपुर के कवि पंकज पंडित ने अपनी प्रसिद्ध रचना सौ-सौ बार नमन बुंदेलखंड के पानी को से किया।

सूनसान रही मंडी, कम संख्या में पहुंचे किसान और व्यापारी

दमोह/हटा। कृषि उपज मंडी एक बार फिर व्यवस्थाओं को लेकर सवालों के घेरे में है। क्षेत्र में मटर की बंपर पैदावार के बावजूद मंडी में न तो किसान पहुंच रहे हैं और न ही व्यापारी। डाक नीलामी नहीं होने से किसानों को मजबूरन अपनी उपज सीधे व्यापारियों की दुकानों पर बेचनी पड़ रही है। हटा कृषि उपज मंडी में सामान्य तौर पर डाक नीलामी में कोई रुचि नहीं लेता, यदि शासन की खरीदी न हो तो मंडी सुनसान रहती है मंडी में भावान्तर और कृषि समृद्धि योजना की खरीदी में हटा में व्यापारियों पर खरीदी में ब्यापक गड़बड़ी पर प्रकरण दर्ज हुए हैं। तीन माह पूर्व भावान्तर में गड़बड़ी के आरोपी तीन व्यापारी अभी भी फरार हैं, जिसका असर मंडी में दिख रहा है। 2018 के मामले में 11 व्यापारियों पर मामला दर्ज है। इसका भी मंडी में असर है और न तो व्यापारी और न मंडी

कर्मचारी डाक नीलामी में रुचि ले रहे। किसान रुपेंद्र साहू ने बताया कि वे मटर, उड़द और चना लेकर मंडी पहुंचे थे लेकिन सीमित भागीदारी के कारण केवल 14 बोरी चना ही बेच पाए। मटर और उड़द के उचित दाम नहीं मिलने पर उन्हें वापस ले जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पल्लेदारी और भाड़ा चुकाने के लिए मजबूरी में चना बेचना पड़ा। वहीं, किसान लोकमन साहू ने मंडी कर्मचारियों और व्यापारियों की मिलीभगत का आरोप लगाया। उनका कहना है कि डाक नीलामी की प्रक्रिया को नजरअंदाज कर सीधे व्यापारियों की दुकानों पर खरीद की जा रही है जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। जानकारी के अनुसार हटा मंडी में करीब 40 व्यापारी पंजीकृत हैं जबकि 50 से अधिक छोटे व्यापारी अलग-अलग स्थानों पर खुलेआम खरीद-बिक्री कर रहे हैं। दमोह नाका, अंधियारा बगीचा, बस स्टैंड, अग्रवाल पेट्रोल पंप, चंडी जी मंदिर चौराहा, सिविल अस्पताल और पन्ना नाका जैसे क्षेत्रों में बड़े स्तर पर अनाज खरीदी हो रही है लेकिन मंडी प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। सूत्रों के मुताबिक हटा से प्रतिदिन 10 से अधिक ट्रक मटर उत्तरप्रदेश के ललितपुर, महोबा और मलहरा भेजे जा रहे हैं। ये वाहन यूपी पासिंग के होते हैं और देर रात रजपुरा, बाजना, छतरपुर मार्ग से यूपी पहुंचते हैं। पिछले 15 दिनों में करीब 800 टन मटर का परिवहन हो चुका है जबकि मंडी रिकॉर्ड में केवल 1254 क्विंटल खरीदी ही दर्ज की गई है।

मकान तोड़ने वाले आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकालकर किया न्यायालय में पेश

समय जगत, विदिशा। दो दिन पहले विवेकानंद चौराहे के पास धीरेंद्र चिढ़ार के मकान को कुछ बदमाशों द्वारा दिनदहाड़े तोड़ दिया गया था। मामला काफी तूल पकड़ता दिखाई दे रहा था और इस मामले में पुलिस अधीक्षक द्वारा एसआईटी का गठन किया गया और घटना में शामिल सातों आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी आरोपियों पर हरिजन थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और मंगलवार को सभी आरोपियों का मेडिकल कराया गया और इसके बाद पैदल सभी आरोपियों को घटना स्थल पर ले जाकर मौका मुआयना कराया गया। विवेकानंद चौराहे के पास धीरेन्द्र चिढ़ार का मकान तोड़ने का मामला धीरे-धीरे काफी तूल पकड़ता जा रहा है।

इस मामले में कांग्रेस और समाज के लोग आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम आवेदन दे चुके हैं। इस मामले को पुलिस अधीक्षक द्वारा गंभीरता से लेते हुए एसआईटी टीम का गठन किया गया और टीम द्वारा घटना के सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। सभी आरोपियों के खिलाफ हरिजन थाने में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। मंगलवार को एसआईटी टीम द्वारा सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। इसके बाद पुलिस की सुरक्षा के घेरे में सभी आरोपियों को पैदल अस्पताल से घटना स्थल विवेकानंद चौराहे लाया गया और मौका मुआयना कराया गया। इस दौरान आरोपियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। पुलिस द्वारा आरोपियों को मौका मुआयना करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, यहां से न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। इस मामले में हरिजन थाना प्रभारी हरीश त्रिपाठी ने बताया कि विवेकानंद चौराहे पर मकान तोड़ने की घटना में शामिल सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

पेंशनरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध करते हुये प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

संगठन की विविध मांगों से कराया गया अवगत

महोबा। आठवें पे कमीशन में पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को वेतन आयोग के दायरे से बाहर किये जाने के विरोध में ऑल इंडिया स्टेट पेंशनर्स फेडरेशन के आवाहन पर अम्बेडकर पार्क में जनपद के सैकड़ों पेंशनरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध करते हुये प्रधानमंत्री जी को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उपजिलाधिकारी को सौंपा। अम्बेडकर पार्क में आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान उ0प्र0 के महामंत्री बी0के0 तिवारी ने कहा कि वेतन आयोग के दायरे से पेंशनरों को बाहर रखा गया है जो पूरी तरह से गलत और निराशाजनक फैसला है। श्री तिवारी ने कहा कि जो लोग तीन दशक से ज्यादा देश की सेवा कर चुके है उन्हें वेतन आयोग टर्म्स ऑफ रेफरेंस में शामिल न करना दुर्भाग्यपूर्ण है पेंशन संशोधन पेंशन का अधिकार और उन्हें इससे वंचित करना ना इंसाफी है। संगठन के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने इस मौके पर संगठन

की मांगों से अवगत कराते हुऐ कहा कि 01 जनवरी 2026 के पहले रिटायर हुये कर्मचारियों की पेंशन भी संशोधन की जाये कम्पूरेड बैल्यू ऑफ पेंशन को 11 साल बाद बहाल की जाये हर पांच वर्ष में पांच प्रतिशत पेंशन बढ़ोत्तरी की सिफारिशों पर सरकार विचार को कोरोना काल का डीआर का भुगतान, निशुल्क कैशलेस चिकित्सा, सेवानिवृत्त सभी कर्मचारियों को एक समान देने की अपील की। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान उ0प्र0 के मण्डलीय अध्यक्ष ओपी सिंह ने सरकार से मांग की कि तिथि आधारित भेदभाव समाप्त कर पुराने पेंशनरों को भी आठवें वेतन आयोग में शामिल किया जाये यदि देश व प्रदेश का पेंशनर नाराज हो गया तो सरकार की दिशा व दशा दोनों बदल देंगे, वहीं शिवकुमार त्रिपाठी, रामसजीवन गुप्ता, महेन्द्र गुप्ता, बसंतलाल गुप्ता, जगदीश कुमार, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, जगदीश सोनी, ईश्वरी प्रसाद तिवारी, लघुचन्द्र नारायण अरजरिया, लल्लूराम, लक्ष्मीप्रसाद तिवारी, विद्युत परिषद के अध्यक्ष नुसरत बापू, महिला प्रकोष्ठ के मंत्री शहनाज, सत्यभामा, गीता द्विवेदी, कमलेश शर्मा, इन्द्रमा सहित देवेन्द्र सक्सेना, प्रभुदयाल आदि ने सम्बोधित करते हुये सरकार पेंशन विरोधी नीति पर आक्रोश व्यक्त किया। तदोपरांत पेंशनरों द्वारा प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित अलग अलग ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उपजिलाधिकारी महोबा को सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन कालिका प्रसाद गुप्ता ने किया।

डीएम की अध्यक्षता में हुई बैंकों की समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक

महोबा । त्रैमास जनवरी-मार्च में आयोजित की जाने वाली बैंको की जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार महोबा में आयोजित की गयी। इस बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिले के ऋण जमा अनुपात, वार्षिक ऋण योजना की समीक्षा की गयी तथा कम ऋण जमा अनुपात वाले बैंको को सुधार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनायें जैसे मुख्यमंत्री युवा उ?द्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री ग्रामो?द्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला योजना, पीएमएफएमई, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह के क्रेडिट लिकेज आदि की प्रगति समीक्षा की गयी तथा लक्ष्य प्राप्ति हेतु विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने इन योजनाओं में विशेषकर मुख्यमंत्री युवा उ?द्यमी विकास अभियान के आवेदनों की कमी को दूर करते हुए पुनः विचार करने हेतु उ?द्योग विभाग तथा बैंकों को निर्देशित किया। साथ ही बैंको के के0सी0सी0 एवं बैंको की एनपीए की स्थिति की भी समीक्षा की गयी। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक सरोज कुमार, डीडीएम नाबार्ड, उपायुक्त उ?द्योग, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित बैंकर्स तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राशन वितरण में कोटेदार पर द्वारा गड़बड़ी किये जाने के लगे आरोप, कम राशन देकर जबरन थमाई जा रही मैक्रोनी-शिवई

मौदहा हमीरपुर । गरीबों के हक पर डाका डालने का मामला सामने आया है। विकास खंड मौदहा के ग्राम परछ्छ में तैनात कोटेदार नरेंद्र सिंह पर राशन वितरण में भारी अनियमितता और दबंगई के गंभीर आरोप लगे हैं। गांव निवासी देवीचरण ने खाद्य निरीक्षक को शिकायत पत्र देकर पूरे मामले की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, कोटेदार द्वारा कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम राशन दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, राशन लेने पहुंचे लोगों को जबरन चार साबुन, 20 ग्राम मैक्रोनी, शिवई, हींग और हल्दी थमाकर उनकी कीमत वसूली जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जो उपभोक्ता यह अतिरिक्त सामान लेने से इनकार करते हैं, उनका राशन वापस कर दिया जाता है और कई मामलों में जबरन छीन भी लिया जाता है। वहीं जो मजबूरी में सामान ले लेते हैं, उनके हिस्से के राशन में भी कटौती कर दी जाती है। गांव में इस पूरे मामले को लेकर आक्रोश व्याप्त है और लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कोटेदार के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि गरीबों के हक पर हो रही लूट पर रोक लग सके।

लीपापोती में बन रही सड़क! सरसई-भैंसापाली मार्ग पर गुणवत्ता पर उठे सवाल

समय जगत, हमीरपुर। विकासखंड क्षेत्र के सरसई-भैंसापाली मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं के आरोप सामने आने से ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। करीब तीन किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर मानकों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी हमीरपुर से उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में भारतीय सड़क कांग्रेस के मानकों, विभागीय गुणवत्ता नियमों और तकनीकी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि बिना समुचित बेस तैयारी, गड्ढों की मरम्मत और सतह की सफाई किए ही सड़क पर डामर डालकर महज लीपापोती की जा रही है। न तो प्राइम कोट और टैक कोट का सही इस्तेमाल किया गया और न ही निर्धारित मोटाई के अनुसार डामरीकरण किया गया। गांव के उपेंद्र कुशवाहा, सुरेंद्र अहिरवार, सुधीर कुशवाहा, राजेश कुमार व अरविंद कुशवाहा समेत कई ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता विहीन सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। सड़क पर न तो रोलर से समुचित कम्पैक्शन किया जा रहा है और न ही जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जो कि सड़क निर्माण के मूलभूत नियमों में शामिल है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यस्थल पर किसी जिम्मेदार अधिकारी की निगरानी भी नहीं है, जिससे ठेकेदार मनमानी तरीके से काम कर रहा है। ऐसे में बरसात का मौसम आते ही सड़क के उखड़ने और गड्ढों में तब्दील होने की पूरी आशंका है, जिससे कुसौली पुरवा, भैंसापाली और छोटी पाली के ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच (थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन) कराई जाए, कार्य की गुणवत्ता की लैब जांच हो तथा दोषी ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सड़क का निर्माण निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप दोबारा कराया जाए, ताकि जनता को स्थायी और सुरक्षित आवागमन सुविधा मिल सके।

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

महोबा। चैत्र नवरात्रि के छटवें दिन आज मां कालरात्रि माता की पूजा-अर्चना के साथ ही प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही जिले के शक्तिपीठों और सिद्ध मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहां जय माता दी के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर : शहर के प्राचीन बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर में सुबह 4 बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच भक्तों ने माता के दर्शन किए और मन्नतें मांगी। छोटी चंद्रिका माता : यहाँ भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। महिलाओं और बच्चों ने विशेष रूप से माता की आरती में भाग लिया। मां विंध्यवासिनी मंदिर : चरखारी स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर माता मदारन देवी में भी दूर-दराज से आए भक्तों ने मत्था टेका। सुरक्षा और व्यवस्था, नवरात्रि के विशेष अवसर पर महोबा पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख मंदिरों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भीड़ पर नजर रखी जा रही है।

क्रिकेट ट्रायल मैच किया गया आयोजित

बांदा। क्रिकेट एसोसिएशन से निर्धारित होने वाले अंडर 14,16,19,23,ओपन,महिला आयु वर्ग के सभी वर्ग कार्यक्रम निर्धारित कर दिये गये है।फतेहपुर जोन के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन बाँदा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अंडर 16 का ट्रायल मैच एवं अंडर 19 का ट्रायल मैच आयोजित किया गया। जिसमे टीम रेड के बल्लेबाज गिरीश पटेल 38, आनंद 87,शिवष्ठ 21 रनो के योगदान से टीम रेड नें 191 रनो का लक्ष्य दिया।टीम ग्रीन के बॉलर वैभव यादव,पुष्पेंद्र,सुमित,सचिन,राहुल सभी को एक एक विकेट प्राप्त हुए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम ग्रीन के बल्लेबाज वैभव यादव नें सर्वधिक 11 रन बनाए और टीम ग्रीन 65 रन पर ऑल आउट हो गई।टीम के बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन मे आयुष सविता,हर्ष राज,यश श्रीवास्तव बल्लेबाजों का बहुत ही खराब प्रदर्शन रहा।सिर्फ वैभव यादव 11 रन सर्वाधिक बना सके।पूरी टीम 65 रन पर ऑल आउट हो गई।टीम रेड के गेंदबाज कुशल दो विकेट,मान प्रजापति दो विकेट,शिविष्ठ दो विकेट, शाहिद एक विकेट लिए।

पुलिस ने अवैध मॉडिफाइड पटाखा बाइक साइलेंसरो पर रोड रोलर चलवा कर कराया नष्ट

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया पटाखा बाइक साइलेंसरो पर होगी सख्त कार्रवाई। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के सुपरविजन में यातायात पुलिस प्रभारी बलविंदर सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस लगातार करती है पटाखा बाइक साइलेंसर वालो के विरुद्ध कार्रवाई।

विजय शर्मा - समय जगत, धौलपुर। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ के सुपरविजन में यातायात पुलिस एवं थानों की पुलिस लगातार मॉडिफाइड पटाखा बाइक साइलेंसरो के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाई कर पटाखा साइलेंसरो को जब्त करती है। आज गुलाब बाग पर यातायात पुलिस प्रभारी बलविंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने पिछले दिनों में बाइकों से जब्त किए गए 30 अवैध पटाखा साइलेंसरो को कुचल कर नष्ट कराया गया है। इन साइलेंसर पर बुलड़ोजर चलाकर नष्ट किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि विगत दिनों में शहर में अवैध रूप से पटाखा बाइक के माध्यम शोर-शराबा कर दहशत फैलाने वाले पटाखा बाइक के विरुद्ध यातायात पुलिस प्रभारी बलविंदर सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस पटाखा बाइक को जप्त कर उनके मॉडिफाइड साइलेंसर खुलवा कर यातायात नियमों का उल्लंघन की कार्रवाई की है, आज मॉडिफाइड साइलेंसर को गुलाब बाग पर रोड पर रख कर इनके ऊपर रोड रोलर चढ़ाकर कुचल कर नष्ट किया गया है। इसके साथ ही वाहन चालकों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी जा रही है। पटाखा बाइक आमजन, मरीजों, बुजुर्गों व विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनती है। इस तरह बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाना कानून का उल्लंघन है। पटाखा बाइक साइलेंसरो के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, अगर कोई पटाखा साइलेंसर वाली बाइक सड़क पर दिखी तो गाड़ी जब्त करने के साथ चालक पर भी सख्त एक्शन लिया जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पालन में गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यगणों द्वारा जिला कारागृह का किया गया निरीक्षण

धौलपुर। सर्वोच्च न्यायालय के रिट पिटीशन उनवान सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में पारित आदेश की पालना, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में जिला एवं सेशन न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों द्वारा जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने जेल में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया तथा इस संबंध में जारी एसओपी की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा जेल में प्रत्येक बैरिक एवं रसोई घर में जाकर बंदियों से जातिगत भेदभाव के संबंध में पूछताछ करने पर किसी भी बंदी द्वारा जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना बताया। टीम द्वारा जेल में रसोईघर में पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता को जांचा। खाना बनाने वाले बंदियों से पूछताछ करने पर विभिन्न जाति व समुदाय के बंदियों द्वारा संयुक्त रूप से मिलजुल कर खाना बनाया जाना व्यक्त किया तथा शौचालयों की साफ सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

निरीक्षण कर दिए निर्देश

बांदा। आयुक्त ने कलेक्टेऊट बॉदा,सदर तहसील एवं नगर पालिका परिषद बॉदा का निरीक्षण किया। कलेक्टेऊट के विभिन्न पटल क्रमशः राजस्व अभिलेखागार, शस्त्र अनुभाग,शिकायत अनुभाग, नजारत,संग्रह भूलेख,दैवीय आपदा,पीओ डूडा कार्यालय एवं ई-डिस्ट्रिक कार्यालय आदि पटलों का निरीक्षण करते हुए संबधिंत पटल सहायकों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए राजस्व अभिलेखागार में अभिलेखों के रखरखाव ठीक से किये जाने के निर्देश दिये। अनुभागों का निरीक्षण करते हुए संबंधित पटल सहायकों से प्राप्त आवेदनों,वरासत के प्रकरणों एवं उन पर की गयी कार्यवाही के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।पुराने राजस्व वादों का निस्तारण करने के निर्देश दिये।वसूली की समीक्षा करते हुए वसूली लक्ष्य के अनुरूप करने के निर्देश दिये।राजस्व अभिलेखागार में पुरानी पत्रावलियों की बीडिंग कराये जाने के संबंध में निर्देशित किया। शिकायत अनुभाग में प्राप्त शिकायतों एवं आईजी आरएस के प्रकरणों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए समय से कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये।तहसील सदर का निरीक्षण करते हुए एक वर्ष से पुराने राजस्व वादों का निस्तारण किये जाने के निर्देश उप जिलाधिकारी को दिये।विविध देयक, मुख्य देयक की वसूली की समीक्षा की।जिस पर बताया कि विविध देय में 13 करोड़ 7 लाख,56 हजार की वसूली की गयी है।आरसी की वसूली की समीक्षा की।जिस पर बताया गया कि 180 आरसी की वसूली की गयी है।आईजीआरएस के प्रकरणों का निस्तारण तथा समाधान दिवस में शिकायतों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिये।कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत शेष पॉच लभार्थियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

मऊ के रेडी भुसौली में NGT के प्रावधानों को अन देखा कर रहे बालू माफिया

रामचन्द्र तिवारी -समय जगत चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट में नदियों के अस्तित्व पर संकट के बादल गहरा रहे हैं। मऊ तहसील अंतर्गत रेडी भुसौली बालू खदान इन दिनों अवैध खनन का गढ़ बन चुकी है। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग की %कुंभकर्णी नींद% कई गंभीर सवालिया निशान खड़े कर रही है।

मशीनों से चीरा जा रहा %नदी का सीना : स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनन माफिया ह्लञ्ज (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के मानकों को ताक पर रखकर भारी-भरकम मशीनों से दिन-रात नदी का सीना चीर रहे हैं। नियमों के मुताबिक जहां सीमित गहराई और मैन्युअल तरीके से खनन होना चाहिए, वहां मशीनों के जरिए %लाल सोना% (बालू) की लूट मची है।

सवालों के घेरे में खनिज विभाग: वायरल वीडियो और ग्रामीणों की शिकायतों के बावजूद खनिज विभाग की चुप्पी इस आशंका को बल दे रही है कि यह खेल अधिकारियों के संरक्षण में फल-फूल रहा है।

क्या प्रशासन की मिलीभगत है?

आखिर क्यों वीडियो वायरल होने के बावजूद अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई?

सफेदपोशों का हाथ?

क्या इन माफियाओं को स्थानीय शासन-प्रशासन का खुला अभयदान प्राप्त है?

नियमों की उड़ा रहे धज्जियां-मशीनों के उपयोग पर प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम खनन कैसे जारी है?

÷नदियों का अंधाधुंध दोहन न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि यह भविष्य के जल संकट को भी आमंत्रण दे रहा है। शासन की चुप्पी माफियाओं के हौसले बुलंद कर रही है।÷

कब चलेगा बुलडोजर शासन का %चाबुक%? क्षेत्र में चर्चा है कि प्रशासन केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इन खनन माफियाओं पर अपना चाबुक कब चलाता है, या फिर इसी तरह %लाल सोने% की लूट और नदियों का सीना चीरने का यह काला कारोबार बदस्तूर जारी रहेगा।

आरबीपीएस के छात्र सिद्धान्त शक्ति ने नेशनल सब जूनियर चैम्पियनशिप में यूपी टीम को दिलाया ब्रांज मेडल

कुलपहाड (महोबा) महोबा सेपकटाकरा टीम का कप्तान व नगर के रामरतन भुवनेश कुमार पब्लिक स्कूल के छात्र सिद्धान्त शक्ति ने नेशनल सब जूनियर सेपकटाकरा चैम्पियनशिप में खेल का शानदार प्रदर्शन कर टीम को ब्रांज मेडल दिलाया है! 23 मार्च से झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित 28 वीं सब जूनियर नेशनल सेपकटाकरा चैम्पियनशिप में यूपी की टीम ने अपने पहले मैच में केरल को 2-0 से दूसरे मैच में यूपी ने आसाम क 2-0 से हराया सेमीफाईनल में यूपी की टीम बिहार से 2-0 से हार गई! टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पडा! गौरतलब है कि सब जूनियर यूपी सेपकटाकरा टीम में महोबा के सिद्धान्त शक्ति को भी चुना गया है! महोबा टीम को कोच अर्पित वाजपेयी प्रशिक्षित कर रहे हैं. सिद्धान्त शक्ति के शानदार प्रदर्शन पर सेपकटाकरा संघ के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल व महामंत्री अमित अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा कि इस प्रदर्शन से दूसरे खिलाडियों को आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी।

गुरगौला घाट में रेत का अवैध उत्खनन प्रशासनिक सक्रियता की है दरकार

समय जगत चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट के राजापुर तहसील अंतर्गत आने वाले गुरगौला घाट पर इन दिनों बालू के अवैध खनन ने विकराल रूप ले लिया है। एनजीटी (ह्लञ्ज) के नियमों को ताक पर रखकर हो रहे इस खनन ने न केवल पर्यावरण को क्षति पहुंचाई है, बल्कि स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है।

नियमों की सरेआम धज्जियां : गुरगोला घाट पर आवंटित पट्टों की आड़ में भारी मशीनों (पोकलैंड) का उपयोग कर नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। जलीय जीव संकट में- निर्धारित गहराई से अधिक खुदाई होने के कारण नदी का जलस्तर गिर रहा है और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो रहा है। ओवरलोडिंग का खेल- रात के अंधेरे में दर्जनों ओवरलोड ट्रक सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे ग्रामीण सड़कें जर्जर हो रही हैं।

सीमांकन का अभाव- पट्टा क्षेत्र से बाहर जाकर बालू निकालने की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं।

प्रशासन की चुप्पी ने बढ़ाया संदेह : स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी तहसील प्रशासन और खनिज विभाग को बार-बार दी गई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है। जब भी जांच टीम आती है, खनन माफियाओं को पहले ही भनक लग जाती है। 卐जब रक्षक ही मौन साध ले, तो लुटेरों के हौसले बुलंद होना लाजिमी है। गुरगोला घाट पर जो हो रहा है, वह बिना प्रशासनिक संरक्षण के संभव नहीं है।卐 — राकेश स्थानीय निवासी ग्रामीणों में आक्रोश बालू खनन के चलते आसपास के गांवों के किसानों को सिंचाई में समस्या आ रही है। भारी वाहनों की आवाजाही से धूल और प्रदूषण ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाए और अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई, तो वे जिला मुख्यालय पर उग्र प्रदर्शन को बाध्य होंगे। मुख्य सवाल जिनका जनता मांग रही जवाब क्या खनिज विभाग ने घाट का नियमित निरीक्षण किया? नदी के बीचों-बीच अवैध रास्ते (रैंप) बनाने की अनुमति किसने दी? राजस्व टीम द्वारा सीमांकन में देरी क्यों की जा रही है? गुरगौला घाट का मामला अब केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों का केंद्र बन गया है। शासन की जीरो टॉलरेंस नीति यहाँ के अधिकारियों की कार्यशैली के कारण दांव पर लगी है।

चिन्हित माफियाओं के खिलाफ करें सख्त कार्यवाही : मण्डलायुक्त

अवैध शराब के उत्पादन/बिक्री पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश

समय जगत, झांसी । मण्डलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में कर-करेत्तर, राजस्व, विकास कार्यो एवं कानून व्यवस्था की मण्डलीय समीक्षा बैठक नवीन आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। उन्होंने 01 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं के कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिये।

'चिन्हित माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्यवाही हेतु अभियोजन को निर्देश'

मण्डलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री आकाश कुलहरि ने संयुक्त रुप से कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुये चिन्हित माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्यवाही हेतु संयुक्त निदेशक अभियोजन को निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि अवैध शराब के उत्पादन/बिक्री, गैंगस्टर, भूमाफिया, शराब माफिया पर सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने गैंगस्टर के प्रकरणों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पशु तस्करी, जुआ सट्टा माफिया, एण्टी भू-माफिया, ओवरलोड वाहनों के संचालन पर रोक, अवैध खनन पर सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करें, दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में, एनएचएआई के साथ पेट्रोलिंग बढ़ाने की कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने थानों में जनसुनवाई का परीक्षण गुणवत्तापरक सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

'आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में शिकायतकर्ता से अवश्य वार्ता करें'

मण्डलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे ने कहा कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में शिकायतकर्ता से वार्ता अवश्य करें, जिससे जन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापरक हो सके। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता दिखायें। आईजीआरएस तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत/फोन पर सम्पर्क करने के साथ ही गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये

'बामौर व बंगरा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का संचालन शुरु'

निर्माण कार्यों की समीक्षा में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बामौर व बंगरा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का संचालन शुरु हो गया है, जिस पर मण्डलायुक्त ने बीएसए झांसी को निर्देश दिये कि इसी शैक्षिक सत्र से बेटियों की पढ़ाई कार्य सुनिश्चत करायें, जिससे बेटियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

'पीएम/सीएम आवास के पात्रों की सूची ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर चस्पा करें'

मण्डलायुक्त ने समीक्षा करते हुये डूडा विभाग को निर्देश दिये कि मण्डल के सभी ग्राम पंचायतों, ब्लॉक स्तर पर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूची चस्पा करायें, और यह भी आमजनमानस को सूचित करें कि इस योजना का लाभ पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है, यदि कोई व्यक्ति गुमराह करने की कोशिश करता है अथवा अवैध धन की मांग करता है तो उसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को अनिवार्य रुप से सूचित करें, जिससे ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही अमल में लायी जा सके। गेहूं खरीद की समीक्षा में उपायुक्त खाद्य ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार झांसी मण्डल के तीनों जनपदों में 30 मार्च से गेहूं खरीद की जायेगी, जिसके लिए लक्ष्य के अनुरुप अधिकतर गेहूं खरीद केन्द्र खुल चुके है, जिन पर किसानों से गेहूं खरीद की जायेगी। जिस पर मण्डलायुक्त ने गेहूं खरीद केन्द्रों पर निर्धारित समय से गेहूं खरीद शुरु कराने के निर्देश दिये।

जलजीवन मिशन के कार्यो में खुदाई किये मार्गो को दुरस्त कराने के निर्देश'

मण्डलायुक्त ने जलजीवन मिशन परियोजना की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि जलजीवन मिशन परियोजनाओं के कार्यो के पूर्ण हो जाने पर मार्गो की खुदाई वाली सड़कों को दुरस्त कराना भी सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को आवागमन में सुविधाजनक रहे। उन्होंने आमजन हेतु पेयजल की व्यवस्था की अभी से तैयारी करने के निर्देश दिये।

मण्डलायुक्त ने राजस्व वसूली, जीएसटी, स्टाम्प रजिस्ट्रेशन, परिवहन, लम्बित न्यायिक वादों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, लखपति दीदी, छात्रवृत्ति प्रकरण, फैमली आईडी, किसानों का आधार सीडिंग कार्य, निराश्रित गौवंशों का संरक्षण, दुग्ध विकास, आदर्श ग्राम योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएमश्री, पीएम स्वनिधि, गर्भवती महिलाओं व छोटे बच्चों को पोषाहार वितरण, पर्यटन योजनाओं के निर्माण कार्यो में प्रगति लाने, खाद्य, आपूर्ति, औषधि प्रशासन, गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री आकाश कुलहरि, जिलाधिकारी जालौन श्री राजेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी ललितपुर श्री सत्यप्रकाश, एसएसपी झांसी श्री बीबीजीटीएस मूर्ति, एसएसपी जालौन डॉ0 दुर्गेश कुमार, एसपी ललितपुर मो0 मुश्ताक, अपर आयुक्त प्रशासन श्री उमाकान्त त्रिपाठी, सीडीओ झांसी श्री जुनैद अहमद, एडीएम वित्त एवं राजस्व झांसी श्री वरुण कुमार पाण्डेय, एडीएम ललितपुर श्री अंकुर श्रीवास्तव, एडीएम जालौन श्री संजय कुमार, संयुक्त विकास आयुक्त श्री सुरेशचन्द्र केसरवानी, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या श्री एस0एन0 त्रिपाठी, जेडी शिक्षा श्री राजूराणा, अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ0 सुमन, उप निदेशक समाज कल्याण डॉ0 इन्द्रा सिंह, उप निदेशक पंचायत श्री अजय आनंद सरोज, उपायुक्त खाद्य श्री विनय कुमार, लोक निर्माण, जल निगम, उद्यान, भूमि संरक्षण, माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग सहित सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नारी की वाणी ही घर की नींव है: स्वामी अभेदानंद

समय जगत, झांसी। चिन्मय मिशन झांसी द्वारा आयोजित चिन्मय ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर पूज्य स्वामी अभेदानंद जी ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें सुश्री नीति शास्त्री, स्वामी अभेदानंद जी, ब्रह्मचारी राघवेन्द्र चौतन्य, ईव मुकेश गुप्ता, रजनी गुप्ता, मेघना गुप्ता, चंदा अरोड़ा एवं नूपुर सक्सेना उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन चंदा अरोड़ा द्वारा किया गया।

स्वामी जी ने कहा कि नारी की वास्तविक शक्ति भक्ति, चरित्र और ज्ञान में निहित है। कष्टों के बीच भी जो अपने स्वभाव की सौम्यता बनाए रखे, वही वास्तविक ÷कीर्ति और श्री÷ है। उन्होंने माता देवकी के उदाहरण से क्षमा और त्याग की महत्ता को स्पष्ट किया। नारी की वाणी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि मधुर वाणी परिवार को जोड़ती है, जबकि कठोर वाणी विघटन का कारण बनती है। उन्होंने आगे कहा कि नारी में स्मृति, मेधा, धृति एवं क्षमा जैसे गुण परिवार को सशक्त बनाते हैं। मां के पास बच्चों के संस्कार निर्माण का समय सीमित होता है, अतः घर को संस्कारों का अभ्यास केंद्र बनाना चाहिए।

इस अवसर पर विशाखा गुप्ता, शीला गुप्ता, निकिता अरोड़ा, स्वाति अरोड़ा, आर पी गुप्ता, किशोरी सरावगी, संध्या गुप्ता, इंदु गुप्ता, अपर्णा जी, रामश्री गुप्ता, स्वप्निल मोदी, कृष्णा सक्सेना सहित सौ से अधिक साधकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंत में सचिव ईव मुकेश गुप्ता द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

धूमधाम से मनाया जाएगा प्रसिद्ध एवं प्राचीन बड़े धनुषधारी मंदिर पर कल श्री राम जन्मोत्सव

समय जगत, मऊरानीपुर । बड़े धनुषधारी मंदिर पर विशाल रूप से मनाया जायेगा श्री राम जन्मोत्सव मऊरानीपुर झांसी -सुखनई सरिता के तीर पर स्थित प्रसिद्ध एवं प्राचीन बड़े धनुषधारी मंदिर पर 27 मार्च दिन शुक्रवार को श्री राम जन्मोत्सव (रामनवमी) उत्सव बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा वरिष्ठ समाजसेवी एवं मंदिर प्रबंधक गोपाल दास दमेले की अध्यक्षता मै हुई बैठक मै लिया गया निर्णय विशाल एवं भव्य मंदिर परिसर की होंगी भव्य साज सज्जा करीब एक डेढ़ माह से चली तैयारीयों को दिया गया अंतिम रूप प्रसिद्ध भजन संध्या कमेटी को किया गया आमंत्रित दोपहर 12 बजे भगवान का होगा जन्म समस्त धार्मिक कार्य होंगे वैदिक परंपरा अनुसार पुजारी पं प्रशांत व्यास पप्पी महाराज एवं विद्वान ब्राह्मणजन आदि के कुशल मार्ग दर्शन मै बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे हरिशंकर पटेरिया,प्रेम नारायण पाठक, बृजेश सिरोंठिया,बृज बिहारी लल्लू खरया,जगमोहन भोड़ेलें,शैलेंद्र व्यास,रमाशंकर पाठक,नरेश सुरोंठिया , अखिलेश सेठ, रामसेवक दमेले,दीपू शुक्ला,भगवान दास दमेले,दयाराम रावत,हरिशंकर बिलैया, दिलीप कुमार दमेले,श्याम पहारिया, हरिशंकर गुप्ता, देवेंद्र दमेले,सुनील गुप्ता, गोविंद दमेले, ओमप्रकाश पोद्दार,संतोष गुप्ता,वेद प्रकाश गंगेले,रविंद सेठ बल्लू, रमेश चंद्र सोनी,अरुण पाठक,मनोज अग्रवाल, रमेश चंद्र लोहिया,दीपू गुप्ता,सौरभ पोद्दार, ओमप्रकाश उम्मी सोनी, राम बिहारी सक्सेना, कैलाश बरसैया,जिनेंद्र नायक, विपिन रूसिया,किशुन अग्रवाल, हेमंत बिलैया,दौलत कुशवाहा,गौतम गुप्ता, जागेश्वर अग्रवाल,रामदास राजपूत मास्टर,सुरेश चंद मिश्रा,ओमप्रकाश कटारे, राजू कठिल,अजय कटारे,रमेश चंद रेजा,अमित कटारे, घनश्याम सोनी, अशोक बरसैया धमनाबाले, रम्मू पटेरिया, अंशु व्यास,अशोक मोर,बृजेश कौशिक,पंकज पहारिया, बालकृष्ण वर्मा, रसिक राजपूत, हरिश्चन्द्र चंद्र रखोलिया, रामविलास शर्मा, राजू रखोलिया,अनिल सेठ रामकुमार लप्पन सोनी, संतोष वर्मा,हरिशंकर मिंटू सेठ, लक्ष्मीकांत आर्य,सत्येंद्र गुप्ता,कपिल नायक,अनुज दुबे,शिवम राजपूत,नरेश अहिरवार पार्षद,विजय नामदेव,अनिल साहू,धनीराम श्रीवास पार्षद,दिलीप मौर्य,सुकन कुशवाहा,प्रमोद सेठ पूर्व पार्षद लकी लोहिया,राजू गुप्ता अमन डी. जे.उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड क्रांति दल ने ग्रामीणों से मांगा पृथक बुंदेलखंड राज्य के लिए समर्थन

समय जगत, झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल द्वारा ग्राम प्रीतमपुर, हस्तिनापुर एवं रौनिजा में घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाकर पृथक बुंदेलखंड राज्य के लिए समर्थन मांगा गया।

इस दौरान प्रीतमपुर में मुन्ना अहिरवार के निवास पर एवं रौनिजा में अंकित तिवारी के निवास पर ग्राम कार्यालयों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष) ने ग्रामवासियों से पृथक बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के लिए समर्थन की अपील करते हुए कहा कि बुंदेलखंड के युवाओं को रोजगार, गांवों का समुचित विकास और क्षेत्र की समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब पृथक बुंदेलखंड राज्य का गठन होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव मो. नईम मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष सुनील पुरोहित, अंकित तिवारी, मुन्ना अहिरवार, विशाल प्रजापति, राजकुमार विश्वकर्मा, अंकुर मिश्रा, आकाश तिवारी, सुलभ अग्रवाल, अतुल नामदेव, शिव जयंत, अशोक प्रजापति, दीपेश अहिरवार, कमल सिंह, जगदीश अहिरवार, शिवकुमार, बिहारी राजपूत, संजय कुमार गौतम, सचिन अहिरवार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों का अच्छा सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हुआ।

आर्य भक्तगणों ने दीं 18 वें दिवस पर ऋग्वेद की 500 एवं गायत्री मंत्र की 50 आहुति

समय जगत, झांसी । प्रेम नगर नगरा आर्य समाज मंदिर में चल रहे ऋग्वेद परायण एवं गायत्री महायज्ञ के 18 वे दिवस पर ऋग्वेद की 500 आहुति एवं गायत्री मंत्र की 50 आहुति समस्त आर्य भक्तगणों द्वारा दी गई ।

आज के दिवस पर यजमान श्रीमती वंदना आर्य एवं सत्यव्रत आर्य रहे यज्ञ ब्रह्मा राम किशोर मेघार्थी द्वारा वेद मंत्रों की व्याख्या करते हुए बताया कि पति पत्नि दोनों के हृदय जल की भांति मिले हुए जैसे अनेक स्थानों के जल मिलकर एक हो जाते हैं। जिला प्रधान राजेन्द्र सिंह यादव ने बतलाया कि मनुष्य खुद अपने गुणों के आधार पर तय कर सकता है कि बह क्या है उसमें देवता मनुष्य राक्षस या महापुरुष किसके गुण है । जिला आर्य समाज की संरक्षिका श्रीमती शकुंतला द्वारा भजन पल पल हो प्रभु सुमिरन तेरा , ऐसा बना दो प्रभु जीवन मेरा ।। शह आचार्य डॉक्टर तुलसीराम आर्य चंदन सिंह आर्य सूर्य प्रताप सिंह रितिक कुमार डा सत्य प्रकाश मेहराब जगदीश शर्मा सीडी लिटोरिया ज्योति यादव अतुल भाटिया नरेंद्र नामदेव पार्षद आर्य समाज सविता साहू दिलीप कुमार किरण अंकुर भार्गव राजेंद्र कुमार नैना संगीता यादव छोटू विश्वकर्मा रिचा आर्य अंकुश प्रजापति आशा शर्मा नारायण दिनेश शर्मा महेंद्र कुमार श्रीवास्तव राकेश नामदेव रामबाबू त्रिपाठी मातादीन गौतम हरिशंकर साहू प्रवीण कुमार अंकुश कुमार इंद्रपाल सिंह खनूजा अनीता साहू रेखा नामदेव विजय राम राजपूत सुनील कुमार दिलीप कुमार कामता प्रसाद ध्यानशी यादव रविकांत सुभाष श्रीवास्तव पूर्व पार्षद संगीता यादव आदित्य गौतम ओम प्रकाश शर्मा अरुण सक्सेना नवल किशोर शर्मा दयाराम यादव अणुव्रत शर्मा श्रद्धा साहू इंद्रपाल सिंह खनूजा उर्मिला साहू चंदन सिंह यादव कैलाश नारायण मालवीय राम श्री साहू मनीराम अमर सिंह जितेंद्र सिंह सुधा यादव संगीता यादव कामता प्रसाद प्रजापति रामगोपाल आर्य हृदेश साहू आर के सिंह चेतन शर्मा राजवती मिश्रा सहित कई गणमान्य लोगों एवं महिलाओं ने यज्ञ एवं प्रबचन का लाभ उठाया अंत में सभी का आभार बुंदेलखंड क्रांति सेना के अध्यक्ष भारत सिंह द्वारा किया गया ।

झांसी महानगर के मंडल प्रशिक्षण वर्गों हेतु महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

समय जगत, झांसी। आज पैरामेडिकल के कलाम भवन में जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में 30 एवं 31 मार्च तथा 1 एवं 2 अप्रैल को प्रस्तावित ष् प्रशिक्षण महाअभियानष् के अंतर्गत होने मण्डल प्रशिक्षण वर्गो की तैयारी के निमित्त संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई जिसमें जिला पदाधिकारी, अभियान टोली, मोर्चा अध्यक्ष/ महामंत्री, मण्डल अध्यक्ष, मण्डल महामंत्री, मण्डल संयोजक, आई टी एवं सोशल मीडिया संयोजक के साथ अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

प्रशिक्षण अभियान हेतु कार्यक्रम स्थल पर पैरा मेडिकल कैंपस मैं जिलाध्यक्ष 'सुधीर सिंह' द्वारा कल कार्यकर्ताओं साथ भ्रमण कर स्थल पर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया गया एवं रात्रि कालीन विश्राम स्थल की सुरक्षा एवं सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण उन्होंने किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्यकर्ताओं प्रशिक्षण करेगा जिसका प्रमाण पत्र मिलेगा।उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन समय-समय पर अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करता है और संगठन की विचारधाराओं से अवगत कराता है ताकि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अनुशासित रहकर संगठन की नीतियों पर कार्य करें !

इस अवसर पर उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह, रानू देवलिया ,नंदकिशोर भीलवारे, ,विनोद नायक, अभिषेक जैन, संजीव अग्रवाललाला,अखिलेश गुप्ता,विकास कुशवाहा, मीनू राजावत, ओम बिहारी भार्गव , ममता लश्करी,अमित साहू, कपिल बिरसैनिया ,प्रियांशु दे ,अनिरुद्ध दुबे,रोहित गोठनकर मनोज श्रीवास, अंकित राजा यादव ,रवि राजपूत रक्सा,कमलेश परिहार , शशांक गुरनानी, सुरेंद्र विश्वकर्मा,मोंटी सेंगर, मुकेश सोनी,लखन कुशवाहा,प्रदीप खटीक,दिलीप शिवहरे धर्मेंद्र अहिरवार, दिलीप पुरी,मोनू शिवहरे, अनुज नीखरा,धीरज अग्रवाल,निर्मल कुशवाहा,राजेश पाल , मंगल श्रीवास्तव,अंकित साहू,रंजीत साहू,महीपत यादव,,विशाल दीक्षित , धीरज गोस्वामी ,चेतन ओझा दिलीप शिवहरे,राहुल कुर्ली,हेमंत ,आदि उपस्थित रहे !

बाइक रैली निकालकर रामनवमी की शोभायात्रा का दिया आमंत्रण

समय जगत, गुरसरांय । नगर में 27 मार्च को श्री रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा को भव्यता देने के लिए नगर में शोभायात्रा के संस्थापक प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव के नेतृत्व में मोटरसाइकिल जागरूकता रैली निकालकर सभी नगरवासियों से सहयोग करने की अपील की गई।मोटरसाइकिल रैली का शुभारंभ रैली के संयोजक प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव के साथ विधायक पुत्र भाजपा नेता राहुल राजपूत ने किया।

रैली खेर इंटर कॉलेज के बालिका विभाग से प्रारंभ हुई,जहाँ पर कार्यकर्ताओं ने धर्मध्वजा लेकर जय श्री राम के नाम का उद्घोष करते हुए मोदी चौराहा, कटरा चौराहा,गरौठा चौराहा से खेर इण्टर कॉलेज के सामने से बाजार होते हुए बस स्टैंड तक गई।रैली संयोजक ने नगरवासियों एवं दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठान को बंद कर 27 मार्च को भगवान श्री राम के जन्म की शोभायात्रा में सम्मलित होने का आह्वान किया।

रैली में अबधेश सिंह फौजी,बल्लन सोनी,कृष्णपाल सिंह,भगवत नगरिया,राघवेंद्र निरंजन, शीला शरण सहित सैकड़ों राम भक्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था में थानाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह,उप निरीक्षक महेंद्र सिंह भदौरिया पुलिस फोर्स के साथ तैनात रहे।

चकाडोरी धाम के पर्यटन विकास के लिए एक करोड़ जारी , पर्यटन के नक्शे पर उभरेगा यह क्षेत्र : विधायक जवाहरलाल राजपूत

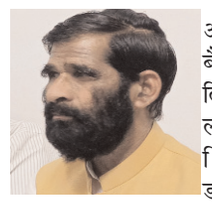

समय जगत, गुरसरांय। गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत के लगातार प्रयास के बाद सरकार ने चकाडोरी धाम हनुमान मंदिर ककरवई, बमौर के पर्यटन विकास विकास के लिए 1 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत हुई. जिसमें 50 लाख रुपए की धनराशि जारी कर दी है. इस क्षेत्र को संवारने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने बताया कि चकडोरी धाम हनुमान मंदिर ककरवई, बमौर के पर्यटन विकास के लिए उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद् (यू0पी0ए0वी0पी0) द्वारा 101.41 लाख प्रेषित कर दी गई है. बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि से कई कार्यो के लिए वित्तीय स्वीकृति दी गई है. इसमें मल्टीपरपज हॉल निर्माण के लिए 56.57 लाख, सोलर बैकअप सिस्टम के लिए 2.55 लाख, सोलर स्ट्रीट लाइट के लिए 2.50 लाख, आरसीसी बैंच के लिए 1 लाख , टिवन डस्टबिन के लिए 23 हजार, इंटर लौकिंग पेवर के लिए 9.31 लाख, सबमर्सिबल बोरिंग 1.42 लाख, ड्रिंकिंग वॉटर फैसिलिटी के लिए 86 हजार समेत अन्य जरूरतों के लिए धनराशि जारी कर दी गई है । .

विधायक जवाहर राजपूत ने कहा कि इस धनराशि से यहां आकर्षक कार्य किए जाएंगे जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन की नई सम्भावनाओं को बल मिलेगा.।

इस मौके पर नेहिल सिंघई, राकेश पटेल,अजय गोस्वामी शालू,जितेंद्र कुशवाहा,अखिलेश तिवारी छिरौरा, ओमकार सिंह एरच ,शिवम तिवारी ,कार्यालय प्रभारी जितेंद्र कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रों के साथ महाकाली प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

समय जगत, गुरसरांय। समीपस्थ ग्राम सरसेंडा में श्री श्री 1008 श्री सिद्ध काली माता एवं शिव मंदिर माता महाकाली की प्राण प्रतिष्ठा भव्य मंत्र उच्चारण के साथ संपन्न हुई। ज्योतिष विशेषज्ञ आचार्य कौशल किशोर मिश्रा शास्त्री गरौठा के सानिध्य में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने भगवती महाकाली के स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा कि नव दुर्गा पर्व सर्व कल्याण करने वाला है देवी की आराधना सभी की मनोकामना पूर्ण करती है। धार्मिक कार्यक्रम में पंडित रामनारायण चतुर्वेदी ,मुख्य यजमान मनोहरलाल पांचाल, नारायण दास, काशीराम , रामनाथ विश्वकर्मा ,रविकांत पांचाल ,देवेंद्र पांचाल, शंकर , अरविंद, हेमंत ,मानवेंद्र ,हरिराम विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा ,रोहित, शनि, कुलदीप, अमित, शिवा ,पंकज ,सत्यम ,नितेश विश्वकर्मा,संस्कार पांचाल एवं ग्रामवासी भक्त जनों का समुदाय उपस्थित रहा।

तालबेहट की बेटी स्तुति मिश्रा बनी एक दिन की कोतवाल

समय जगत, तालबेहट । आज तालबेहट में मिशन नारी शक्ति अभियान के अंतर्गत पवा की पूर्व प्रधान श्रीमती ज्योति विजय मिश्रा की सुपुत्री स्तुति मिश्रा को तालबेहट कोतवाली का एक दिन का प्रभारी बनाया गया जहां बेटी स्तुति मिश्रा ने कोतवाली का प्रभार संभालते ही आवश्यक कार्यवाही अमल में लाते हुए योगी सरकार के इस कदम को नारी को सम्मान देने बाला कदम बताया तथा कहा कि इससे हम महिलाओं में और स्वाभिमान से समाज व देशहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी इस अवसर पर तालबेहट के प्रभारी कोतवाली श्री मनोज मिश्रा स्तुति के पिता शिक्षक नेता विजय मिश्रा व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छात्रा राधा सूत्रकार प्रधानाध्यापक व अंशिका पटेल बनी प्रभारी चिकित्सक

समय जगत, टहरौली । कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्रा राधा सूत्रकार को मिशन शक्ति फेज -2 के तहत एक दिन का प्रधानाध्यापक और अंशिका पटेल को एक दिन का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौटा का प्रभारी चिकित्सक बनाया गया । इस मौके पर सुनीता द्विवेदी, जितेंद्र सूत्रकार, शैलजा परिहार, बासुदेव कुशवाह, सोनम साहू ,अरुण पटेरिया ,डॉ प्रशांत दुबे ,डॉ अरविंद राजपूत ,श्रीमती ब्रजेश मिश्रा ,युवा नेता मयंक मिश्रा ,आशीष मिश्रा अमित मिश्रा ,सक्षम गुप्ता, मंगलम मिश्रा आदि मौजूद रहे ।

पेंशन अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग

समय जगत, झांसी। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तरप्रदेश के निर्देशों के क्रम में सिविल सेवा पेंशन वैधता अधिनियम 2025 के विरोध में काला दिवस मनाया गया। विभिन्न पेंशनर्स घटक संघों के सदस्यों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रकट किया । आज विद्युत पेंशनर्स परिषद , सिविल पेंशनर्स परिषद , बेसिक शिक्षा पेंशनर्स परिषद , डिप्लोमा इंजी. , कल्याण संघ केसदस्यों ने कलैक्ट्रेट पंहुचकर अपर नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा तथा पेंशन अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग की । इस मौके पर इंजी. महेन्द्र सिंह , डी.डी यादव , वीरेंन्द्र सिंह यादव , संजय जैन , इंजी. देवेन्द्र सिंह , सी.पी. गुप्ता , आरएस पलारिया , शिवरंजन द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा में 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट हुआ प्रस्तुत

शहरी विकास को प्राथमिकता देते हुए पर्यावरण के लिए 21 फीसदी रखा गया आवंटन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 2026-27 के लिए 1.03 लाख करोड़ का बजट पेश किया, जिसमें ग्रीन विकास और महिला सशक्तिकरण पर जोर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और शहरी विकास को प्राथमिकता देते हुए पर्यावरण के लिए 21 फीसदी आवंटन रखा गया। सीएम रेखा गुप्ता ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए साफ कर दिया कि सरकार का फोकस ग्रीन विकास और महिला सशक्तिकरण पर रहेगा। करीब 1ः55 घंटे के लंबे भाषण में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और सड़कों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी, जबकि कुल बजट का 21 फीसदी हिस्सा पर्यावरण और हरित परियोजनाओं के लिए रखा गया। दिल्ली विधानसभा में पेश इस बजट को अब तक का सबसे बड़ा बजट बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इसे जनता की आकांक्षाओं का दस्तावेज बताते हुए कहा कि हर पंक्ति में दिल्लीवासियों के भविष्य की झलक है। बजट में शिक्षा को सबसे ज्यादा 19,326 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र को 13,034 करोड़ रुपये का आवंटन मिला। अस्पतालों में नए विकास कार्यों के लिए 515 करोड़ रुपये अलग से रखे गए हैं। परिवहन और सड़क निर्माण के लिए 12,613 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वहीं शहरी विकास और आवास क्षेत्र को 11,572 करोड़ रुपये दिए गए हैं। ग्रीन बजट के तहत पर्यावरण संरक्षण और हरित परियोजनाओं पर खास जोर है। कुल बजट का 21 फीसदी हिस्सा इसी दिशा में खर्च किया जाएगा। 750 किलोमीटर सड़कों की कारपेटिंग के लिए 1,392 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महिलाओं

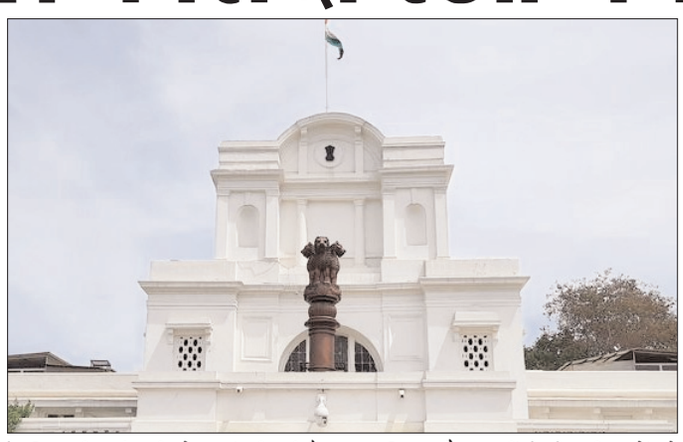

के लिए भी कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। लखपति बिटिया योजना के तहत जन्म से लेकर ग्रेजुएशन तक आर्थिक सहायता दी जाएगी। नवीं कक्षा तक की छात्राओं को साइकिल और दसवीं के मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को 2,500 रुपये की सहायता दी जाएगी और उनके लिए ई-ऑटो रिक्शा की व्यवस्था भी की जाएगी। दिल्ली नगर निगम को 1,166 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड सहायता दी गई है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड के लिए 9,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। नई औद्योगिक नीति के लिए 200 करोड़ रुपये अलग से रखे गए हैं।

राजस्व के मोर्चे पर सरकार ने 74,000 करोड़ रुपये टैक्स से जुटाने और 16,700 करोड़ रुपये कर्ज लेने का अनुमान जताया है। बजट पेश करने के बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और उपराज्यपाल का सहयोग के लिए धन्यवाद किया। बजट पेश होने के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में मौजूद नहीं रहे। चार विधायकों के निलंबन के विरोध में पार्टी ने लगातार दूसरे दिन विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया।

जासूसी मामले के आरोपी हुए गिरफ्तार

कौशांबी। पाकिस्तानी सरदार के लिए देश की जासूसी करने के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 18 बढ़ाई है। वहीं, 24 मार्च को पुलिस ने बिहार के भागलपुर स्थित झुनझुना बस्ती निवासी समीर उर्फ शूटर, शामली के बाबरी थानाक्षेत्र स्थित बुटराडा निवासी समीर और शाहजहांपुर के चटीया बहादरपुर निवासी शिवराज को भी गिरफ्तार किया है। समीर शूटर ने सैन्य ठिकानों की रेकी, दूसरे आरोपी समीर ने मध्य प्रदेश से असलहों की तस्करी और शिवराज ने सोनीपत में सीसीटीवी कैमरा लगाने की बात स्वीकार की है।एसआईटी की पूछताछ में आरोपी समीर उर्फ शूटर ने बताया कि वर्ष 2023-24 में उसकी असलहों के साथ फोटो-वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए थे। इसके बाद सुहेल व नौशाद ने उससे संपर्क किया था। इसके बाद उसे व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। उसने पाकिस्तानी आका सरदार के निर्देश पर देश के विभिन्न शहरों के सुरक्षाबल व सैन्य ठिकाने, प्रमुख प्रतिष्ठान और रेलवे स्टेशनों की रेकी कर फोटो-वीडियो को जीपीएस लोकेशन के साथ विदेशी नंबरों पर भेजा। कई अन्य युवकों को ग्रुप से जोड़ कर उनसे भी देश विरोधी गतिविधि कराई। दूसरे आरोपी समीर ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वर्ष 2024 में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी मुलाकात नौशाद से हुई थी। नौशाद ने उसे व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। इसमें आरोपी महिला मीरा ठाकुर पहले से जुड़ी थीं। मीरा के कहने पर उसके साथ मध्य प्रदेश में पिस्टल की तस्करी भी की थी। वर्ष 2025 में वह सरदार के ग्रुप से जुड़ा और रेकी की। शिवराज से पूछताछ में पता चला कि आरोपी साहिल के माध्यम से वह ग्रुप से जुड़ा था। उसके कहने पर ही वह सोनीपत में सीसीटीवी कैमरा लगाकर आया था।

सार-समाचार

तीरंदाजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहते हैं पृथ्वीराज

गुरुग्राम। जिले के 13 वर्षीय उभरते तीरंदाज पृथ्वीराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्तर पर नाम बनाया है। उन्होंने एसजीएफआई वाराणसी अंडर-13 चैंपियनशिप और सीबीएसई पंजाब के संगरूर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। पृथ्वीराज सेक्टर-89 के डीपीएस स्कूल में पढ़ते हैं। वह पिछले 4 वर्षों से प्रशिक्षक कपिल कौशिक से तीरंदाजी की बारीकियां सीख रहे हैं। कपिल ने बताया कि पृथ्वीराज जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर खेलते हुए दिखेंगे।

कंपनी शुरू करने के नाम पर 1.16 लाख रुपये लेकर हड़पने का आरोप

गाजियाबाद। खोड़ा थानाक्षेत्र के कला एन्कलेव निवासी अनिल यादव ने अपने प्रताप विहार निवासी सुनील यादव पर रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। करीब एक वर्ष पहले आरोपी ने कंपनी शुरू करने के लिए 1.16 लाख रुपये उधार लिए, लेकिन वापस नहीं किए। पुलिस ने 24 मार्च को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़ित अनिल यादव ने बताया कि सुनील को वह काफी समय से जानते हैं। आरोपी ने उन्हें कंपनी शुरू करने और निवेश से मोटा मुनाफा होने का झांसा दिया। काफी समय तक न तो आरोपी ने कंपनी शुरू की और न ही रकम लौटाई। बताया कि रुपये मांगने पर आरोपी ने टालमटोल की और बाद में जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़ित ने चौकी पर शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की।

अष्टमी पर कंजक पूजन की तैयारी उपहारों से सजे बाजार

साहिबाबाद। चैत्र नवरात्र के आठवें दिन मनाए जाने वाले अष्टमी को लेकर शहर के बाजार सज गए हैं। कंजक पूजन की तैयारियों में जुटे श्रद्धालु छोटी कन्याओं को देने के लिए उपहारों की खरीदारी कर रहे हैं। इससे बाजारों में रौनक है। इस बार कंजक पूजन से जुड़े गिफ्ट आइटम की मांग में बढ़ोतरी हुई है। खासकर टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल और छोटे पर्स की बिक्री तेजी से हो रही है। अलग-अलग डिजाइन और रंगों में उपलब्ध ये सामान लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। कीमतों की बात करें तो साधारण पानी की बोतलें करीब 40 रुपये से शुरू हो रही है। जबकि टिफिन बॉक्स 250 रुपये से 400 रुपये तक बिक रहे हैं। ग्राहक अपनी सुविधा और बजट के अनुसार इनकी खरीदारी कर रहे हैं।

संपत्ति निर्माण के लिए विविध क्षेत्रों की 250 उभरती कंपनियों में निवेश का मिल रहा है मौका

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE

समय जगत, भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस योजनाओं (यूलिप्स) के तहत आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड ग्राहकों को उभरती हुई लिस्टेड कंपनियों के एक बड़े समूह में निवेश करने और एक अनुशासित, इंडेक्स-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से लंबी अवधि में संपत्ति बनाने में मदद करता है। यह फंड स्मॉलकैप 250 इंडेक्स को ट्रैक करता है, जिसमें निफ्टी 500 के अंतर्गत 251वें से 500वें स्थान तक की 250 कंपनियाँ शामिल होती हैं। हालाँकि, नियामकीय कारणों से कंपनी हमेशा इंडेक्स के अनुरूप सभी शेयर्स में उसी अनुपात में निवेश नहीं कर सकती, जिससे कभी-कभी ट्रैकिंग एरर हो सकता है। यह फंड उन छोटी सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश का अवसर देता है, जो अपने विकास के शुरुआती चरण में हैं और समय के साथ बढ़ने की क्षमता रखती हैं। इस नए फंड के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य निवेश अधिकारी श्री मनीष कुमार ने कहा, स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ग्राहकों को उभरती कंपनियों की विकास क्षमता में भाग लेने और लंबे समय में धन बनाने का एक सरल और पारदर्शी तरीका प्रदान करता है। यह उन दीर्घकालिक निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो बाजार के विभिन्न सेक्टर्स में उभरती कंपनियों में व्यवस्थित निवेश चाहते हैं। इस फंड का नियम-आधारित तरीका निवेश में अनुशासन बनाए रखता है और अलग-अलग तरह के बिजनेस में निवेश का मौका देता है।

यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्र में बनेगा तीसरा द्वार

साहिबाबाद। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में यूपीसीडा तीसरा भव्य द्वारा बनाएगा। इस द्वार का प्रवेश सूर्य नगर की ओर से बनाएगा और करीब 45 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यूपीसीडा ने इसके लिए स्थान चिंहित कर लिया है। द्वार का निर्माण कार्य अप्रैल से शुरू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के डीजीएम सलिल यादव ने बताया कि यह प्रवेश द्वार एल-शेप डिजाइन में तैयार किया जाएगा। इससे यूपीसीडा क्षेत्र के सौंदर्य में चार चांद लगेंगे। वहीं, औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद में पहले से ही 1.65 करोड़ रुपये की लागत से दो अन्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना का करीब 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा। पहला द्वार नमो भारत स्टेशन के पास 1.19 करोड़ रुपये की लागत से 7 मीटर ऊंचा प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है। इस पर यूपीसीडा लिखा जाएगा। दूसरा द्वार कौशांबी से वसुंधरा की ओर जाने वाले मार्ग पर 46 लाख रुपये से बनाया जा रहा है। यूपीसीडा के डीजीएम सलिल यादव ने बताया कि यूपीसीडा की ओर से ग्रीन कॉरिडोर भी बनाए जाएंगे। वसुंधरा की ओर बनने वाले प्रवेश द्वार की चौड़ाई सड़क के दोनों लेन के बराबर होगी। सौर ऊर्जा मार्ग पर जाने-आने वाले दोनों रास्ते को यह कवर करेगा। इसके दोनों ओर हरियाली होगी ओर ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। यूपीसीडा की ओर से साइट-4 को जोड़ने वाली पुरानी पुलिया का नव निर्माण कार्य भी चल रहा है। इन प्रवेश द्वारों के निर्माण से औद्योगिक क्षेत्र की छवि अधिक आकर्षक बनेगी। साथ ही, यहां आने वाले उद्यमियों, कर्मचारियों और आगंतुकों को बेहतर और व्यवस्थित प्रवेश अनुभव मिलेगा। तीसरे द्वार का निर्माण अप्रैल महीने से शुरू करके एक साल में पूरा कर लिया जाएगा। बाकी दो द्वार का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

सरकार की खेल क्रांति ने दुनिया भर में बनाई खास पहचान

इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा पंजाब

समय जगत, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शानदार चार साल, भगवंत मान दे नाल कार्यक्रम के तहत खेल विभाग का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस दौरान उन्होंने 'आप' सरकार की खेल क्रांति से खेल क्षेत्र की तस्वीर बदलने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद मुख्यमंत्री ने खेलों में बड़े सुधारों की अगली योजना का उल्लेख किया। इस योजना के तहत खेल बजट 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1791 करोड़ रुपये किया गया, कोचों की संख्या 500 से बढ़ाकर 2458 की गई और ओलंपिक की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये तथा एशियाई खेलों के खिलाड़ियों के लिए 8 लाख रुपये की वित्तीय सहायता शामिल है। इसका विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने 3100 खेल मैदानों के विकास, 3000 जिम, 17000 खेल किटों के वितरण और 'खेडां वतन पंजाब दीयां' के तेज़ी से विस्तार का उल्लेख किया। इस योजना में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या डेढ़ लाख से बढ़कर पांच लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के चलते पंजाब ने इतिहास में पहली बार हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और 40 वर्षों बाद राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप अंडर-13 की मेजबानी प्राप्त की है, जिससे राज्य देश में खेलों के केंद्र के रूप में उभरा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह

मान ने कहा, एशियाई खेल 3-4 अक्टूबर को समाप्त होंगे और शीर्ष छह हॉकी टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। पहली बार पंजाब को यह अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने का अवसर मिला है और यह खेल क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा राज्य के लिए चार-देशीय टूर्नामेंट के रूप में एक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता को मंजूरी दी गई है, जो राज्य में हॉकी को बढ़ावा देगी। इस टूर्नामेंट के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हॉकी में पंजाबियों की सरदारी/ श्रेष्ठा होने के बावजूद राज्य ने अब तक किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं की थी। पहली बार पंजाब अक्टूबर में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जो एशिया का सबसे प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट है। उन्होंने बताया कि हॉकी मैच मोहाली के बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम और जालंधर के सुरजीत हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन चैंपियनशिप की वापसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, 40 वर्षों बाद राज्य को जालंधर में राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप (अंडर-13) की मेजबानी मिली है। यह टूर्नामेंट अंडर-13 वर्ग के लिए होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य में समग्र विकास और खेलों को बढ़ावा मिले।

भक्तिमय हुआ वातावरण, भक्तों ने टेका मत्था

चैत्र मेले में आस्था उमड़ा जनसैलाब, जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा प्रांगण

गुरुग्राम। शीतला माता मंदिर में नवरात्रि के छठे दिन मंगलवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे मंदिर परिसर में जय माता दी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। यह दिन मां कात्यायनी को समर्पित होता है, जिन्हें शक्ति, साहस और धर्म की प्रतीक माना जाता है। सुबह से ही श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। भक्तिमय वातावरण में भक्तों ने शांतिपूर्वक मत्था टेक माता का आशीर्वाद लिया। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह और भी बढ़ गया। दिनभर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। भक्तों ने माता के चरणों में नारियल, फूल और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्रि के चलते मंदिर के आसपास सुरक्षा विशेष इंतजाम किए गए हैं। पार्किंग स्थल से लेकर मंदिर गेट तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही, जिससे क्षेत्र में रौनक का माहौल देखने को मिला। प्रशासन और स्वयंसेवकों ने मिलकर व्यवस्था संभाली हुई है, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नवरात्र के अवसर पर शीतला माता मंदिर के साथ ही चिंतपूर्णी मंदिर के पास भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चों की पहचान पर फोकस घर-घर जाकर किया जाएगा सर्वे

रैंप व विशेष सुविधाओं पर जोर, प्रबंध पोर्टल पर अपडेट होगा पूरा डेटा

गुरुग्राम। जिले में इस बार प्रवेश उत्सव अभियान को नए तरीके से लागू करते हुए दिव्यांग बच्चों की पहचान और उन्हें स्कूलों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो बच्चे अब तक किसी कारणवश स्कूल नहीं पहुंच पाए हैं, उन्हें ढूंढकर मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जाएगा। अभियान के तहत शिक्षकों की टीम गांवों और शहरी बस्तियों में घर-घर जाकर सर्वे कर रही है। इस दौरान ऐसे दिव्यांग बच्चों की पहचान की जा रही है, जो अभी तक स्कूल से दूर हैं। उनके अभिभावकों को शिक्षा के महत्व और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपने बच्चों का दाखिला करवाने के लिए प्रेरित हो। शिक्षा विभाग ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि दिव्यांग छात्रों के लिए जरूरी सुविधाएं जैसे रैंप, विशेष बैठने की व्यवस्था और सहायक संसाधन सुनिश्चित किए जाएं, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी

तरह की परेशानी न हो। साथ ही, सभी छात्रों का रिकॉर्ड प्रबंध पोर्टल पर अपडेट रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सरोज कुमारी दहिया के अनुसार, 23 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 15 मई तक चलेगा। इसका उद्देश्य सिर्फ दाखिला बढ़ाना नहीं, बल्कि ड्रॉपआउट को रोकना और हर बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है।

हरियाणा में महंगा हुआ घर खरीदना, 12 फीसदी तक बढ़ी किफायती आवास की कीमतें

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में किफायती आवास नीति-2013 में संशोधन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम 1975 की धारा 9ए के तहत बदलाव किए गए हैं। नीति में संशोधन का उद्देश्य किफायती आवास परियोजनाओं को प्रोत्साहन देना और लक्षित लाभार्थियों तक सही दरों पर घर उपलब्ध कराना है। राज्य में किफायती आवास की कीमत 12 प्रतिशत तक बढ़ाई गई है। मंत्रिमंडल ने उद्योग संगठनों और डेवलपर्स से प्राप्त अनुरोधों का ध्यान रखते हुए यह कदम उठाया है। इन अनुरोधों में भू-खरीद लागत, निर्माण सामग्री की कीमतों में वृद्धि और श्रम लागत में इजाफा प्रमुख कारण बताए गए हैं, जिससे किफायती आवास परियोजनाओं का निर्माण चुनौतीपूर्ण हो गया था। हरियाणा में एजीएच (अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग) परियोजनाओं के तहत अब अपार्टमेंट यूनिट्स की आवंटन दरों में औसतन 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है।

गुरुग्राम में अब 5 हजार 575 रुपये प्रति वर्गगज की दरें तय की गई, जबकि बाल्कनी के लिए अतिरिक्त 1300 रुपये वर्ग फुट (अधिकतम 1 लाख 30 हजार) रुपये देने होंगे। फरीदाबाद व सोहना में यह दर 5 हजार 450 रुपये प्रति वर्ग फुट होगी। बाल्कनी की दरें सभी शहरों में एक समान रहेंगी। प्रदेश के अन्य हाई और मीडियम पोटेंशियल शहरों में अफोर्डेबल फ्लैट्स के लिए अब उपभोक्ताओं को 5 हजार 50 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से पैसा देना होगा। लो-पोटेंशियल शहरों के लिए 4 हजार 250 रुपये प्रति वर्ग फुट की दरें तय की गई हैं। यह दरें उन सभी लाइसेंसों पर लागू होंगी जिनमें अभी तक आवंटन नहीं हुआ है। जिन मामलों में आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं, वहां संशोधित दर के अनुसार अंतर राशि सफल आवेदकों से वसूली जाएगी, लेकिन ड्रा पुराने आवेदन के आधार पर ही आयोजित किया जाएगा। हरियाणा कैबिनेट ने हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय (ग्रुप-बी) सेवा नियम 2018 में संशोधन को मंजूरी दी है। यह कदम राज्य के नियमों को भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम केंद्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाने और खाद्य सुरक्षा तथा औषधि प्रशासन की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है। संशोधन विशेष रूप से पदनामित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और खाद्य विश्लेषक जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता और पेशेवर अनुभव को अपडेट करता है। यह सुनिश्चित करेगा कि इन पदों पर नियुक्त कर्मी अद्यतन तकनीकी विशेषज्ञता और समकालीन मानकों के अनुरूप दक्षता रखते हों। केंद्र सरकार के 'खाद्य सुरक्षा और मानक नियम, 2011' में किए गए बदलावों के बाद यह संशोधन जरूरी हो गया था। इससे राज्य में भर्ती, पदोन्नति और सेवा नियम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मानकों के अनुरूप होंगे। मंत्रिमंडल बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुपालन में हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियम 2003 में संशोधन को मंजूरी दी गई। नए नियमों के अनुसार, अब कक्षा-प्रथम में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि पहले यह पांच वर्ष थी। यह संशोधन हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) नियम 2026 के तहत लागू होगा और कार्यालय राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा। एनईपी 2020 के अनुसार, देश भर में प्रवेश की आयु में एकरूपता सुनिश्चित करना आवश्यक है।